खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | बुधवार, 04 दिसंबर, 2024 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | epaper.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-8 रु. | वर्ष-6 | अंक-334

क्रेमलिन के विश्वासपात्र मालोफेयेव ने कहा-ट्रंप के यूक्रेन शांति समझौते को अस्वीकार कर सकते हैं पुतिन

मॉस्को, 03 दिसंबर (एजेंसियां)।

क्रेमलिन के विश्वासपात्र कॉन्स्टेंटिन मालोफेयेव को लगता है कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन संभवतः अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के यूक्रेन शांति समझौते को अस्वीकार कर देंगे। उन्होंने कहा कि अगर अंतिम समझौते में मॉस्को की मांगों में से एक कीव के लिए कानूनी रूप से बाध्यकारी को भी जोड़ दिया जाए तब भी आधी-आधी (50-50) संभावना है। द कॉन्स्टेंटिन मालोफेयेव ने यह मत एक साक्षात्कार में व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मॉस्को चाहता है कि ट्रंप रूसी क्षेत्र के भीतर यूक्रेन को अपनी मिसाइलों का उपयोग करने के लिए वाशिंगटन की मंजूरी को उलट दें। ट्रंप और पुतिन की प्रस्तावित वार्ता के संदर्भ में उन्होंने कहा कि यह यूक्रेन के भविष्य के बारे में नहीं, बल्कि यूरोप और दुनिया के भविष्य के बारे में होनी चाहिए।उन्होंने कहा कि मॉस्को चाहता है कि ट्रंप मध्य पूर्व में युद्ध, चीन के साथ रूस के गठबंधन और अमेरिका की स्वीकृति पर चर्चा करें। मालोफेयेव ने कहा, हम वैश्विक व्यवस्था के लिए दीर्घकालिक शांति चाहते हैं। कॉन्स्टेंटिन मालोफेयेव ने यूक्रेन में युद्ध के लिए ट्रंप द्वारा हाल ही में नामित विशेष दूत कीथ केलॉग के संदेह के जवाब में पुतिन की परमाणु धमकी को दोहराया। केलॉग ने संदेह जताया था कि यूक्रेन के रूस पर हथियार चलाने के पश्चिमी समझौते के जवाब में पुतिन यूरोप में परमाणु युद्ध शुरू कर देंगे। मालोफेयेव ने कहा कि रूस सामरिक परमाणु हथियार दाग सकता है।उल्लेखनीय है कि ट्रंप ने अपने राष्ट्रपति अभियान के दौरान यूक्रेन में रूस के लगभग तीन साल के युद्ध को शीघ्र समाप्त करने का वादा किया था। पुतिन सार्वजनिक रूप से मांग कर चुके हैं कि यूक्रेन लड़ाई रोकने की पूर्व शर्त के रूप में अपने पूर्व और दक्षिण का कुछ क्षेत्र छोड़ दे। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने रविवार को कहा कि उनके देश को रूस के साथ किसी भी वार्ता से पहले नाटो से सुरक्षा गारंटी और अपनी रक्षा के लिए अधिक हथियारों की आवश्यकता है।

न्यूज ब्रीफ

सीरिया में हयात तहरीर अल-शाम के लड़ाके अलेप्पो के बाद हामा पहुंचे, कई क्षेत्रों पर किया नियंत्रण

दमिश्क। अल-कायदा समर्थित आतंकवादी समूह हयात तहरीर अल-शाम और तुर्किये समर्थित विपक्षी गुटों ने उत्तर-पश्चिमी सीरिया के हामा गवर्नरेट के कई क्षेत्रों पर नियंत्रण कर लिया। इनके लड़ाके लगातार हमले कर रहे हैं। आतंकी समूह इससे पहले भीषण लड़ाई के बाद अलेप्पो शहर को नियंत्रण में ले चुका है। इस बीच विस्थापितों का पलायन जारी है। अरबी न्यूज वेबसाइट 963+ के अनुसार, हयात तहरीर अल-शाम के लड़ाकों ने हामा के पूर्वी ग्रामीण इलाके के अल-फैन अल-वस्तानी, अबू सैफ और अल-मधाबा के गांवों पर पूर्ण नियंत्रण पा लिया है। अब लड़ाके ताल मेल्ह और अल-जुबैन के गांवों में नियंत्रण के लिए सरकारी बलों के साथ संघर्ष कर रहे हैं। इस बीच लड़ाकों ने कलात अल-मदीक शहर पर नियंत्रण करने के बाद अल-गब के उत्तरी गांवों पर हमले किए हैं। इससे पहले सोमवार शाम सरकारी बलों के साथ झड़पों के बाद तहरीर अल-शाम ने हामा के सूरन, तैयबत अल-इमाम, हलफया, मारदीस और ताल अल-नासिरियाह पर पूर्ण नियंत्रण कर लिया। खबर में सीरियाई राज्य मीडिया और सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स के हवाले से कहा गया कि सीरियाई और रूसी लड़ाकू विमानों ने कल उत्तर-पश्चिमी सीरिया में विद्रोहियों के कब्जे में लिए गए ठिकानों पर हमला किया।

नेपाल के प्रधानमंत्री ओली का चीन में स्वागत, द्विपक्षीय बैठक शुरू

काठमांडू। चीन की चार दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर बीजिंग पहुंचे नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली का सुबह ग्रेट हॉल ऑफ द पीपल में चीन के प्रधानमंत्री ली कियांग ने स्वागत किया। चीनी पीपुल्स लिबरेशन आर्मी ने प्रधानमंत्री ओली के सम्मान में गार्ड ऑफ ऑनर पेश किया। प्रधानमंत्री ओली ने नेपाली प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों से चीन के प्रधानमंत्री ली कियांग का परिचय कराया। इस बीच दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय बैठक शुरू हो गई है। इस बैठक के बाद बेल्ट एंड रोड इनिसिएटिव कार्यान्वयन समझौते और अन्य समझौतों पर हस्ताक्षर होने की उम्मीद है। प्रधानमंत्री ओली का शाम चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात करने का कार्यक्रम है। प्रधानमंत्री ओली के साथ उनकी पत्नी राधिका शाक्य, विदेशमंत्री डॉ. आरजू राणा, प्रधानमंत्री के मुख्य सलाहकार विष्णु रिमाल, प्रधानमंत्री के आर्थिक और विकास सलाहकार डॉ. युवराज खतिवडा, सात संघीय सांसद सहित कई मंत्रालयों के सचिव एवं निजी क्षेत्र के प्रतिनिधि शामिल हैं।

खलीदा के बेटे ने कहा-अगर हत्याएं जारी रहीं तो यह सरकार नहीं टिक पाएगी

ढाका। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार रुकवाने के लिए पूर्व पीएम शेख हसीन सक्रिय हो गई हैं। इस वक्त शेख हसीना भारत में रह रहीं हैं। यहीं से वह बांग्लादेश की स्थिति पर नजर रखे हुए हैं। शेख हसीना ने बांग्लादेश में हिंदू समुदाय पर हो रहे हमले के लिए वहां की अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस को जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने कहा कि यूनुस जनसंहार करवा रहे हैं। इस कारण देश में अराजकता की स्थिति पैदा हो गई है। अपनी पार्टी अवामी लीग के एक कार्यक्रम को वर्चुअली संबोधित करते हुए शेख हसीना ने कहा कि देश में अल्पसंख्यकों पर हो रहे हमले के लिए मोहम्मद यूनुस जिम्मेदार हैं। उन्होंने कहा कि मेरे ऊपर जनसंहार के आरोप लगाए गए जबकि सच्चाई यह है कि यूनुस कट्टरपंथी छात्र नेताओं के साथ मिलकर जनसंहार करवा रहे हैं। तारिक रहमान ने लंदन से कहा है कि अगर हत्याएं जारी रहती हैं तो यह सरकार नहीं टिक पाएगी। अब शेख हसीना की ओर से रहमान की तारीफ के कई मायने निकाले जा रहे हैं। तारिक रहमान पूर्व पीएम शेख हसीना और बीएमपी नेता खालिदा जिया के बेटे हैं। वह एक मामले में दोषी करार दिए जाने के बाद से लंदन में ही रह रहे हैं। हालांकि बीते एक दिसंबर को बांग्लादेश की हाईकोर्ट ने उन्हें उस मामले में बरी कर दिया। बीते दिनों भारत आ रहे इस्कॉन के कई पुजारियों को देश से निकलने से रोक दिया। इसी संदर्भ में शेख हसीना ने कहा कि बांग्लादेश में हिंदू ही नहीं अहमदिया, शिक्षक, पुलिस हर किसी पर हमले हो रहे हैं। तारिक रहमान के खिलाफ मामले खत्म होने के बाद उनके बांग्लादेश वापसी की उम्मीद बढ़ गई है। वह 16 सालों से लंदन में हैं। रहमान के खिलाफ 2018 में एक अदालत ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। रहमान के पिता जियाउर रहमान थे। वह बांग्लादेश के राष्ट्रपति थे। उनकी 30 मई 1981 को हत्या कर दी गई थी।

भारत को अमेरिका से एमएच-60आर मल्टी-मिशन हेलीकॉप्टर इक्यूपमेंट मिलने का रास्ता साफ, बाइडेन प्रशासन ने बिक्री को मंजूरी दी

वाशिंगटन, 03 दिसंबर (एजेंसियां)।

आखिरकार संयुक्त राज्य अमेरिका से भारत को एमएच-60आर मल्टी-मिशन हेलीकॉप्टर इक्यूपमेंट मिलने का रास्ता साफ हो गया। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के प्रशासन ने इनकी ब्रिकी के लिए हां कर दी। इन उपकरणों की अनुमानित लागत 1.17 अरब अमेरीकी डॉलर है।

इस अहम फैसले का पूरा विवरण डिफेंस सिक्योरिटी को-ऑपरेशन एजेंसी ने अपनी वेबसाइट पर जारी किया है। पॉलिटकल मिलेट्री अफेयर्स, यूएस डिपार्टमेंट ऑफ स्टेट ने एजेंसी के विवरण को अपने एक्स हैंडल पर साझा किया।

डिफेंस सिक्योरिटी को-ऑपरेशन एजेंसी ने दो दिसंबर को कांग्रेस (अमेरिकी संसद) को एक अधिसूचना में बताया कि इन उपकरणों की बिक्री की प्रस्तावित योजना, भारत की पनडुब्बी रोधी युद्ध क्षमताओं का उन्नयन कर वर्तमान और भविष्य के खतरों को रोकने की क्षमता में सुधार करेगी।महत्वपूर्ण यह है कि बाइडेन प्रशासन ने भारत को प्रमुख रक्षा उपकरणों की बिक्री की मंजूरी अपने चार साल के कार्यकाल के पूरा होने से कुछ सप्ताह पहले दी।

पांच नवंबर को हुए राष्ट्रपति चुनाव में जीत हासिल करने के बाद डोनाल्ड ट्रंप अगले साल 20 जनवरी को अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेंगे।डिफेंस सिक्योरिटी को-ऑपरेशन एजेंसी की अधिसूचना के अनुसार, भारत ने 30 मल्टीफंक्शनल इन्फॉर्मेशन डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम-जॉइंट टेक्टिकल रेडियो सिस्टम्स (एमआईडीएस-जेटीआरएस) खरीदने का प्रस्ताव रखा है। इस बिक्री में मुख्य रूप से अनुबंध लॉकहीड मार्टिन रोटरी और मिशन सिस्टम के साथ होगा।

इसके कार्यान्वयन में तकनीकी सहायता और प्रबंधन निरीक्षण के लिए अस्थायी आधार पर अमेरिकी सरकार के 20 या अनुबंध में शामिल कंपनियों के 25 प्रतिनिधियों की भारत की यात्रा की आवश्यकता होगी। बाइडेन प्रशासन का यह फैसला फैसला भारत के बेहद अहम माना जा रहा है।

भारत को क्या-क्या मिलेगा1-30 मल्टीफंक्शन इंफोर्मेशन डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम ज्वाइंट टेक्टिकल रेडियो सिस्टम। 2-उन्नत डेटा ट्रांसफर सिस्टम, बाहरी ईंधन टैंक, फॉरवर्ड लुकिंग इंफ्रारेड सिस्टम। 3-ऑपरेटर मशीन इंटरफेस, अतिरिक्त कंटेनर आदि। 4-डिजाइन, निर्माण और परीक्षण में अमेरिकी मदद।

टूट गया युद्धविराम, हिजबुल्लाह के मोर्टार हमले के जवाब में इजराइल का लेबनान पर हमला, कम से कम नौ की मौत

बेरूत। अमेरिका और फ्रांस की कोशिश से लेबनान में आतंकवादी संगठन हिजबुल्लाह और इजराइल के बीच लागू साठ दिन का युद्धविराम आखिरकार टूट गया। हिजबुल्लाह के इजराइल के कब्जे वाले माउंट डोव क्षेत्र में दो मोर्टार लॉन्च करने के बाद यह नौबत आई। इजराइली सुरक्षा बलों (आईडीएफ) ने सोमवार शाम लेबनान में ताबड़तोड़ हवाई हमले कर लोगों की नींद उड़ा दी। आईडीएफ की इस कार्रवाई में कम से कम नौ लोग मारे गए। आईडीएफ के हवाले से यह जानकारी दी गई। इसमें कहा गया कि इजराइली लड़ाकू विमानों से समूचे लेबनान में हिजबुल्लाह के लड़ाकों और उसके सामरिक आयुध केंद्रों पर दर्जनों हमले किए। हिजबुल्लाह ने सोमवार को दावा किया था कि उसने पिछले हफ्ते प्रभावी हुए युद्ध विराम समझौते के इजराइल के बार-बार उल्लंघन के जवाब में मोर्टार लॉन्च किए। इजराइल ने तत्काल इस आरोप को सिरे से खारिज कर दिया था।लेबनान के समाचार पत्र द नेशनल के अनुसार, सोमवार शाम दक्षिणी लेबनान पर इजराइल के हवाई हमलों में कम से कम नौ लोग मारे गए। एक सप्ताह से भी कम समय की शांति के बाद लेबनान में दोबारा लड़ाई छिड़ने की बढ़ गई है। लेबनान की सरकारी राष्ट्रीय समाचार एजेंसी के अनुसार, बिंट जेबिल के हारिस गांव पर हमले में पांच लोग मारे गए और दो घायल हो गए, जबकि तलौसा पर हमले में चार लोग मारे गए और एक घायल हो गया। दिन की शुरुआत में अलग-अलग हमलों में लेबनान के सुरक्षा बलों के एक सदस्य सहित दो लोग मारे गए।

अमेरिकी विदेश मंत्री लू 9 एवं 10 दिसंबर को नेपाल दौरे पर

काठमांडू, 03 दिसंबर (एजेंसियां)।

अमेरिका के दक्षिण एवं मध्य एशियाई मामलों के सहायक विदेश मंत्री डोनाल्ड लू 9 एवं 10 दिसंबर को नेपाल के दौरे पर आ रहे हैं। नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली इस समय चीन के दौरे पर हैं। चीन के महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) के कार्यान्वयन समझौते पर नेपाल के हस्ताक्षर करने की चर्चाओं के बीच अमेरिकी मंत्री का नेपाल दौरा महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

हालांकि लू नेपाल से पहले 03 से 08 दिसंबर तक भारत और श्रीलंका का भी दौरा करेंगे।

काठमांडू स्थित अमेरिकी दूतावास के मुताबिक सहायक विदेश मंत्री लू नेपाल दौरे के दौरान शीर्ष नेताओं और युवा नेताओं से भी मुलाकात करेंगे। बैठक में पर्यावरण संरक्षण, महिला सशक्तीकरण, सांस्कृतिक संरक्षण और नेपाल की समृद्धि के लिए समर्थन बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

अमेरिका का मानना है कि उनकी यात्रा से दक्षिण एशिया में साझेदार देशों के साथ रिश्ते मजबूत होंगे और क्षेत्रीय समृद्धि मजबूत होगी। लू अमेरिकी विदेश विभाग के प्रभावशाली सहायक मंत्रियों में से एक हैं। वह इससे पहले तीन बार नेपाल का दौरा कर चुके हैं। आखिरी बार वह विगत जून में नेपाल आए थे।

इससे पहले वह नेपाल की यात्रा पर तब पहुंचे थे जब अमेरिकी सहयोग परियोजना से जुड़ा प्रोजेक्ट मिलेनियम चैलेंज कॉरपोरेशन (एमसीसी) मंजूर होने की प्रक्रिया में था और नेपाल की सभी कम्युनिस्ट पार्टियां इसके खिलाफ थीं। इसके बाद वह अमेरिका द्वारा प्रस्तावित स्टेट पार्टनरशीप प्रोग्राम (एसपीपी) में नेपाल को सहभागी बनाने को लेकर चर्चा करने के लिए आये लेकिन तत्कालीन नेपाल सरकार ने एसपीपी के प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया था।

इमरान से बातचीत फेल, सेना प्रमुख नाराज, 200 अफसरों को किया बर्खास्त

इस्लामाबाद में हुए प्रदर्शन को देखते हुए सेना बैकफुट पर, दो हिस्सों में बंटी

इस्लामाबाद

पाकिस्तान के हालात सुधरने का नाम ही नहीं ले रहे हैं। कभी आर्थिक तंगी तो कभी राजनीतिक अस्थिरता इस देश की नियती बन गई है। अब पाकिस्तान की सेना दो फाड़ हो गई है। दरअसल, जेल में बंद पूर्व पीएम इमरान खान को लेकर वहां की सेना दो हिस्सों में बंट गई है। इमरान खान की लोकप्रियता और बीते दिनों इस्लामाबाद में हुए उनके समर्थन में प्रदर्शन को देखते हुए सेना बैकफुट पर है।

इस बीच इमरान खान के साथ जेल में चली तीन दौर की बातचीत बेनतीजा रही है। इस बातचीत के फेल होने पर पाकिस्तानी सेना के मुखिया जनरल असीम मुनीर नाराज हैं। इस बैठक में उन्हें इस बात के संकेत मिले कि फौज की बातें जेल में बंद इमरान खान तक कैसे पहुंचती हैं। ऐसे में उन्होंने इस्लामाबाद कांड में लापरवाही बरतने का आरोप लगाकर करीब 200 सैन्य अधिकारियों और कर्मचारियों की बर्खास्त करने का आदेश दे दिया है।

ताजा आंकड़ों के मुताबिक इनमें 23 अधिकारियों को सुपरविजन में फेल होने के कारण, 67 को इस्लामाबाद कांड में की गई गलती के कारण और 100 कर्मचारियों को बिना किसी गलती के रिटायर कर दिया जाएगा। पहली बार है जब पंजाब रेंजर्स के सहायक सैन्य अधिकारियों को भी बड़ी संख्या में बर्खास्त किया जा रहा है। इनमें से ज्यादातर सैन्यकर्मियों को सेना के एजी ब्रांच द्वारा नोटिस दिए जा चुके हैं।

इमरान खान से बातचीत बेनतीजा रहने के बाद जनरल मुनीर चाहते थे कि इस्लामाबाद में होने वाले कांड का सोशल मीडिया या बाहरी दुनिया को पता ना चले। इसके लिए सैन्य अधिकारियों की विशेष तौर पर ड्यूटी लगाई गई थी। इस ऑपरेशन के बाद जिस तरह से सोशल मीडिया पर मारे गए लोगों के शव सामने आए उससे जनरल मुनीर बेहद नाराज हो गए। उन्होंने जनरल हेडक्वाटर ट्रांसपोर्ट के कमांडिंग ऑफिसर को गलती के लिए उनकी यूनिट से बाहर तैनात कर दिया। यही नहीं जनरल इस पूरे मामले के लिए 10 कोर के कमांडर शाहिद इम्तियाज को भी जिम्मेदार मान रहे हैं। 10 कोर के कमांडर के निर्देशन में ही ये पूरा ऑपरेशन चलाने के निर्देश दिए गए थे। माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में कोर कमांडर इम्तियाज को भी साइड लाइन किया जा सकता है।

पाकिस्तानी फौजी जनरल ने सेना के एजी अजहर वकार और डीजी पीएसएंडपीएम को उन अधिकारियों और रैंकों की बर्खास्तगी और जबरदस्ती रिटायर के लिए मामले तैयार करने को कहा है जो निहत्थे नागरिकों के खिलाफ जानलेवा ऑपरेशन करने के लिए इच्छुक नहीं थे। इनमें से अनेक लोगों को नोटिस भी जारी कर दिए गए हैं और जल्द सभी को सेवा से बाहर कर दिया जाएगा।

हिंदू संत चिन्मय कृष्ण दास को नहीं मिली जमानत, बांग्लादेश हाई कोर्ट में भारतीय टीवी चैनलों पर प्रतिबंध लगाने की याचिका

ढाका

बांग्लादेश में देशद्रोह व अन्य गंभीर आरोपों में जेल की सलाखों के पीछे कैद हिंदू संत चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी को जमानत नहीं मिल सकी। सनातन जागरण मंच के प्रवक्ता और इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर कृष्णा कॉन्शियसनेस (इस्कॉन) के नेता चिन्मय ब्रह्मचारी को 25 नवंबर को ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस की जासूसी शाखा ने हजरत शाहजलाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से हिरासत पर लिया था। तब से वह जेल में हैं। 38 वर्षीय चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी को अदालत नहीं लाया गया। चटगांव मेट्रोपॉलिटन पुलिस के एडीसी (अभियोजन) मोफिजुर रहमान ने कहा कि जमानत याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई के बाद जज ने अगली सुनवाई के लिए दो जनवरी की तारीख तय की। उन्होंने चिन्मय कृष्ण दास का प्रतिनिधित्व करने के लिए कोई वकील उपलब्ध नहीं हो पाने के कारण उन्हें कोई राहत नहीं मिल सकी। इस बीच ढाका ट्रिब्यून ने भारतीय टीवी समाचार चैनलों पर प्रतिबंध के संबंध में चौंकाने वाली खबर दी है। इस संबंध में बांग्लादेश हाई कोर्ट में एक याचिका दायर की गई है। इसमें भड़काऊ समाचारों के प्रसारण का हवाला देते हुए देश में सभी भारतीय टीवी चैनलों पर प्रतिबंध लगाने का आग्रह किया गया है। यह याचिका वकील इखलास उद्दीन भुइयां ने दायर की है। भुइयां ने बताया कि जस्टिस फातिमा नजीब और जस्टिस सिकदर महमूदुर रजी की पीठ याचिका पर सुनवाई कर सकती है। याचिका में खासतौर पर भारतीय चैनल स्टार जलसा, स्टार प्लस, जी बांग्ला, रिपब्लिक बांग्ला का जिक्र किया गया है।

23वीं पुण्यतिथि
स्व. श्री सरदारमलजी उपाध्याय
(सुपुत्र : स्व. श्री रामाजी उपाध्याय)
स्वर्गवास : 4 दिसम्बर 2001
जीवन के हर पल में, आपकी कमी महसूस करते हैं हम।
23वीं पुण्यतिथि पर हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं हम ।।
सन्निविष्टकर्ता : दीपचन्द, श्रीकिशन, बिरदीचन्द, शेषमल, गोवर्धन, लालचन्द, एम. गोपीकिशन, घनश्याम, शिवकुमार, गोवर्धन, बालकिशन (भतीजे) गोपीकिशन-लीलादेवी, हरिकिशन-भाग्यादेवी, जयकिशन-पद्मावती (पुत्र-पुत्रवधू) विजय-सपना, संजय-अन्नपूर्णा, अजय-नीलम, अशोक मंजू, किशोर-हेमा, दिनेश ज्योती, लक्ष्मीनारायण-मयुरी, आदित्यनारायण-मयूरी (पौत्र-पौत्रवधू) अभिषेक, गौरव, अक्षयकृष्णा, भागवतकृष्णा, गौतम, पियुष, मुकुन्द, रामचरण, कुशाल (प्रपौत्र) एवं समस्त उपाध्याय परिवार सूरजाबाई (पुत्री) घनश्याम-राधादेवी, मांगीबाई-चम्पालाल (पुत्री-दामाद) गायत्री-विजयप्रकाश, रेणुका-अश्विन, सावित्री-दामोदर, संध्या-जयेश (पौत्री-दामाद) निकिता, अर्चना, वेदिका, मानवी, जीविका (प्रपौत्रियां) पवन, महेश, मुकेश, आनन्द, भरत (दोयता) मदन, बबलू, ईश्वर
रामाजी सरदारमल ज्वेलर्स पॉट मार्केट, सिकन्दराबाद, फोन : 66484327
स्वतंत्र ज्वेलर्स पॉट मार्केट, सिकन्दराबाद, फोन : 66380883
हरिओम् ज्वेलर्स पॉट मार्केट, सिकन्द्राबाद, फोन : 66380882
श्री महादेव ज्वेलर्स पॉट मार्केट, सिकन्दराबाद. फोन : 9392411797
जगदम्बा ज्वेलर्स पॉट मार्केट, सिकन्द्राबाद, फोन : 9247730553

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । बुधवार, 04 दिसंबर, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-6 । अंक-334

बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना का धमाकेदार बयान

मोहम्मद यूनुस है हिंदुओं पर हमलों का मास्टरमाइंड

नई दिल्ली, 03 दिसंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना ने धमाकेदार बयान दिया है। शेख हसीना ने कहा है कि बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे हमलों का मास्टरमाइंड तदर्थ सरकार का प्रमुख मोहम्मद यूनुस है। मोहम्मद यूनुस के इशारों पर ही भारतीयों और हिंदुओं पर हमले किए जा रहे हैं और बांग्लादेश की पुलिस और सेना भी हिंदुओं पर हमले में शामिल है। हिंदुओं पर हो रहे हमलों से हिंदुओं का धैर्य अब जवाब दे रहा है। बांग्लादेश से सटे भारतीय राज्य त्रिपुरा में हिंदू समुदाय लगातार विरोध प्रदर्शन कर रहा है। त्रिपुरा की राजधानी अगरतला में हिंदू संगठनों ने विरोध प्रदर्शन किया और बांग्लादेश के वाणिज्य दूतावास को घेरने की कोशिश की। इसमें पुलिस के साथ भिड़ंत भी हुई। बांग्लादेश सरकार ने इसे दूतावास पर हमला करार दिया और अपनी औपचारिक नाराजगी दर्ज कराई। त्रिपुरा ने बांग्लादेशियों के सम्पूर्ण बहिष्कार का फैसला किया है। त्रिपुरा के होटलों, अस्पतालों और पर्यटन स्थलों पर बांग्लादेशियों को किसी तरह की सेवा मुहैया नहीं कराई जाएगी। बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार के खिलाफ अयोध्या में राम मंदिर निर्माण ट्रस्ट और अन्य हिंदू संगठनों ने भी विरोध प्रदर्शन निकाला और भारत सरकार से सीधे हस्तक्षेप की मांग की।

- हिंदुओं का धैर्य दे रहा जवाब, अगरतला में वाणिज्य दूतावास घेरा
- दूतावास के घेराव को हमला बताकर बांग्लादेश ने नाराजगी जताई
- त्रिपुरा की घोषणा : बांग्लादेशियों के सम्पूर्ण बहिष्कार का निर्णय
- गिरफ्तार इस्कॉन संत के वकील पर हमला, गंभीर रूप से जख्मी

उधर, बांग्लादेश में गिरफ्तार इस्कॉन संत चिन्मय कृष्ण के वकील रामेन रॉय पर भी कट्टरपंथियों ने हमला किया। हमले में वकील रामेन रॉय गंभीर रूप से जख्मी हुए हैं।

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने दावा किया है कि अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस ही इन हमलों के मास्टरमाइंड हैं। उनके इस दावे से बांग्लादेश और भारत की राजनीति में खलबली मच गई है। शेख हसीना ने इस्कॉन के चिन्मय दास प्रभु को तत्काल प्रभाव से रिहा करने की मांग की है। शेख हसीना ने कहा, आज मुझे ▶10पर

त्रिपुरा ने किया बांग्लादेशियों के कम्प्लीट-बॉयकॉट का ऐलान

अगरतला, 03 दिसंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार और भारतीय ध्वज के अपमान की घटनाओं के खिलाफ पूर्वोत्तर राज्य त्रिपुरा में बांग्लादेशियों का कम्प्लीट बॉयकॉट शुरू हो गया है। त्रिपुरा के अस्पतालों में बांग्लादेशी नागरिकों का इलाज करने से इन्कार कर दिया गया। अब इस आंदोलन में होटल एंड रेस्टोरेंट ओनर्स एसोसिएशन भी जुड़ गया है। ▶10पर

चिन्मय कृष्ण के वकील पर कातिलाना हमला, सुनवाई टली

ढाका, 03 दिसंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश में हिंदू समुदाय के प्रमुख चेहरे चिन्मय कृष्ण दास के लिए कानूनी लड़ाई लड़ने वाले वकील रामेन रॉय पर क्रूरतापूर्वक हमला किया गया। वह हमले में गंभीर रूप से घायल हुए और अस्पताल में अपने जीवन के लिए लड़ रहे हैं।

वकील रामेन रॉय की एकमात्र गलती अदालत में चिन्मय प्रभु का बचाव करना था। इस्लामिक कट्टरपंथियों ने वकील रामेन रॉय के घर पर तोड़फोड़ की और उन्हें बेरहमी से पीटा। रॉय गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती हैं। उन्हें आईसीयू में रखा गया है। इस्कॉन कोलकाता के उपाध्यक्ष दास ने कहा कि वकील रॉय पर यह क्रूर हमला चिन्मय कृष्ण प्रभु की कानूनी रक्षा का प्रत्यक्ष बदला है। यह बांग्लादेश में धार्मिक अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा करने वालों के सामने बढ़ते खतरे को दर्शाता है। ▶10पर

लोकसभा में विदेश मंत्री एस जयशंकर ने दी जानकारी

एलएसी पर शांति बहाली के बाद अब सीमा विवाद सुलझाने पर जोर

नई दिल्ली, 03 दिसंबर (एजेंसियां)। लोकसभा में विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने भारत-चीन सीमा विवाद पर जानकारी देते हुए कहा कि एलएसी पर हालात सामान्य है। फिलहाल शांति बहाली की कोशिश जारी है। विदेश मंत्री ने कहा कि सीमा पर हालात सुधारने के लिए दोनों देश प्रतिबद्ध हैं। कोई भी पक्ष स्थिति से छेड़छाड़ नहीं करेगा और सहमति से ही सभी मसलों का समाधान किया जाएगा। चीन से बातचीत के बारे में जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि सीमा पर हालात सामान्य होने के बाद ही चीन से बातचीत की गई है।

विदेश मंत्री ने कहा कि एलएसी पर शांति बहाली का पूरा श्रेय सेना को जाता है। कूटनीतिक पहल से सीमा पर हालात सामान्य हुए हैं।

भारत और चीन के बीच सहमति बनी है कि यथास्थिति में एकतरफा बदलाव नहीं किया जाएगा और साथ ही दोनों देशों के बीच पुराने समझौतों का पालन किया जाएगा। सीमा पर शांति के बिना भारत-चीन के संबंध सामान्य नहीं रह सकते।

एलएसी पर शांति बहाली का पूरा श्रेय सेना को जाता है

लोकसभा में विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने कहा, मैं सदन को भारत-चीन सीमा क्षेत्रों में हाल के कुछ घटनाक्रमों और हमारे समग्र द्विपक्षीय संबंधों पर उनके प्रभावों से अवगत कराना चाहता हूं। सदन को पता है कि 2020 से हमारे संबंध असामान्य रहे हैं, जब चीनी कार्रवाइयों के बाद सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति और सौहार्द भंग हुआ था। हाल के घटनाक्रम जो तब से हमारे निरंतर कूटनीतिक जुड़ाव को दर्शाते हैं, ने हमारे संबंधों को कुछ सुधार की दिशा में स्थापित किया है। भारत और चीन ने सीमा मुद्दे को सुलझाने के लिए कई दशकों तक बातचीत की है। सीमा विवाद के समाधान के लिए निष्पक्ष, उचित और पारस्परिक रूप से स्वीकार्य रूपरेखा पर पहुंचने के लिए द्विपक्षीय चर्चा की गई। सदस्यों को याद होगा कि अप्रैल-मई 2020 में पूर्वी लद्दाख में एलएसी पर चीन की तरफ से बड़ी ▶10पर

कार्यकाल खत्म होने से पहले बाइडेन का अहम फैसला

भारत के साथ एक अरब डॉलर का रक्षा सौदा मंजूर

वाशिंगटन, 03 दिसंबर (एजेंसियां)। अमेरिका के मौजूदा राष्ट्रपति जो बाइडेन का कार्यकाल खत्म होने में अब कुछ ही हफ्तों का समय बाकी है। अपना कार्यकाल खत्म होने से पहले बाइडेन ने भारत के लिहाज से अहम फैसला लेते हुए एक रक्षा सौदे को अपनी मंजूरी दे दी है। इस रक्षा सौदे के तहत भारत को अमेरिकी कंपनियों से एमएच-60आर मल्टी मिशन हेलीकॉप्टर के अहम रक्षा उपकरण मिलेंगे, जिससे भारत की सुरक्षा मजबूत होगी। यह सौदा अनुमानित 1.17 अरब डॉलर का है। राष्ट्रपति बाइडेन ने अपने फैसले की सूचना अमेरिका कांग्रेस को भी दे दी है।

एमएच-60आर मल्टी मिशन हेलीकॉप्टर भी मिलेंगे

भारत को प्रमुख रक्षा उपकरणों की बिक्री का बाइडेन सरकार का फैसला कार्यकाल पूरा होने से कुछ दिनों पहले ही आया है। इस फैसले से भारत को राहत मिली है क्योंकि अगर बाइडेन प्रशासन सौदे को मंजूरी नहीं देता तो नई सरकार के गठन के बाद इसकी मंजूरी में और समय लग सकता था। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप 20 जनवरी 2025 को अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेंगे। इस सौदे के तहत भारत को 30 मल्टी फंक्शन इंफॉर्मेशन डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम जॉइंट टैक्टिकल रेडियो सिस्टम भी मिलेंगे। इसमें उन्नत डेटा ट्रांसफर सिस्टम, बाहरी ईंधन टैंक, फॉरवर्ड लुकिंग इंफ्रारेड सिस्टम, ऑपरेटर मशीन इंटरफेस, अतिरिक्त कंटेनर आदि मिलेंगे, साथ ही डिजाइन, निर्माण और परीक्षण में भी अमेरिका द्वारा मदद दी जाएगी।

इस सौदे के तहत रक्षा उपकरणों की सप्लाई अमेरिकी रक्षा कंपनी लॉकहीड मार्टिन और मिशन सिस्टम द्वारा की जाएगी। इन हथियारों की बिक्री और तकनीकी सहायता के लिए अमेरिकी सरकार के 20 कर्मचारी और कॉन्ट्रैक्ट कंपनियों के 25 प्रतिनिधि भारत दौरे पर जाएंगे। अमेरिकी सरकार की अधिसूचना में कहा गया है कि इससे अमेरिका के रणनीतिक सहयोगी भारत की रक्षा तैयारियों में मजबूती आएगी।

21 हजार करोड़ के रक्षा सौदों को जरूरत के आधार पर खरीद की मंजूरी

नयी दिल्ली, 03 दिसंबर (एजेंसियां)। रक्षा मंत्रालय ने सशस्त्रों बलों के आधुनिकीकरण को आगे बढाने तथा उन्हें अत्याधुनिक हथियारों से लैस करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए 21 हजार 772 करोड़ रूपये के पांच रक्षा सौदों को मंगलवार को जरुरत के आधार पर खरीद की मंजूरी दे दी।रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में रक्षा खरीद परिषद की बैठक में इस निर्णय को मंजूरी दी गयी।खरीद के इन प्रस्तावों में नौसेना के लिए 31 नए वॉटर जेट फास्ट अटैक क्राफ्ट की खरीद के लिए आवश्यकता की स्वीकृति भी शामिल हैं। इन्हें तट के करीब कम तीव्रता वाले समुद्री संचालन, निगरानी, गश्ती और खोज और बचाव संचालन का कार्य करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इसके अलावा, ये जहाज विशेष रूप से द्वीप क्षेत्रों में और उसके आसपास समुद्री डकैती रोधी अभियानों में प्रभावी भूमिका निभाएंगे।

खरीद परिषद ने 120 फास्ट इंटरसेप्टर क्राफ्ट की खरीद के लिए भी आवश्यकता की स्वीकृति प्रदान की है। ▶10पर

अडाणी मुद्दे पर इंडी गठबंधन में साफ-साफ दिखी दरार

कांग्रेस के प्रदर्शन से सपा और टीएमसी नदारद

नई दिल्ली, 03 दिसंबर (एजेंसियां)। संसद के शीतकालीन सत्र के सातवें दिन अडाणी मामले पर विपक्ष ने लोकसभा से वॉकआउट किया। उसके बाद संसद परिसर में हुए विरोध प्रदर्शन से समाजवादी पार्टी और तृणमूल कांग्रेस के सदस्य गायब हो गए। संसद के शीतकालीन सत्र के सातवें दिन मंगलवार को भी हंगामा जारी रहा। अडाणी मामले पर विपक्ष ने लोकसभा से वॉकआउट किया और संसद परिसर में विरोध प्रदर्शन करने लगे। विपक्षी दलों के सांसदों के हाथ में मोदी-अडाणी एक हैं और भारत अडाणी के खिलाफ जवाबदेही की मांग करता है, लिखी तख्तियां दिख रही थीं। इस प्रदर्शन में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, सांसद प्रियंका गांधी शामिल हुए। हालांकि, इससे समाजवादी पार्टी (एसपी) और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने दूरी बना ली। साफ तौर पर सरकार के खिलाफ विपक्ष बिखरता नजर आया। इस दूरी ने एक बार फिर इंडी गठबंधन में आई दरार को सामने ला दिया।

लोकतंत्र की मर्यादा को नुकसान पहुंचा रही है कांग्रेसः टीएमसी

कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि हम मोदी सरकार की नीतियों के खिलाफ विरोध कर रहे हैं। हम सदन के अंदर प्रदर्शन नहीं कर सकते इसलिए हमने संसद परिसर में विरोध किया है। टीएमसी के शामिल नहीं होने पर थरूर ने कहा, हमारे बीच अबतक और मामलों में सही समन्वय चल रहा है। उनको पता है बंगाल में हम लोग एक साथ नहीं है। इसलिए शायद वह इस विषय पर भी अलग हैं। संसद में किस विषय पर बात होगी यह सरकार तय करेगी। मगर विपक्ष और कोई रास्ता निकाल लेगा अपने विषयों पर बात करने का। ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 27^0
न्यूनतम : 22^0

फ्रांस के प्रमुख अखबार 'मीडियापार्ट' ने किया प्रामाणिक खुलासा

अमेरिकी फंड से अडाणी को टारगेट बना रहा ओसीसीआरपी

भारत के बड़े कारोबारी समूह अडाणी ग्रुप को निशाना बनाने वाला ऑर्गनाइज्ड क्राइम एंड करप्शन रिपोर्टिंग प्रोजेक्ट (ओसीसीआरपी) अमेरिका से भारी फंडिंग लेता है। वही अमेरिकी एजेंसियां उसे पैसा देती हैं, जो भारत विरोधी कामों में लिप्त रही हैं। यह प्रामाणिक खुलासा फ्रांस के प्रमुख अखबार मीडियापार्ट ने अपनी रिपोर्ट में किया है।

ओसीसीआरपी को 2007 में स्थापित किया गया था। यह दावा करता है कि विश्व के 6 महाद्वीपों में पत्रकारों का एक नेटवर्क है, जो इस अपराध और भ्रष्टाचार की रिपोर्टिंग में एक्सपर्ट हैं। ओसीसीआरपी का दावा है कि वह पूरी तरह स्वतंत्र संस्थान है लेकिन अब फ्रांसीसी अखबार मीडियापार्ट ने खुलासा किया है कि यह अमेरिका के विदेश विभाग और एजेंसी यूएसएड से पैसा लेता है और उस पैसे पर भारत के खिलाफ अनर्गल बाते प्रसारित करता है।

फ्रांस के अखबार मीडियापार्ट ने इस संबंध में एक खोजी रिपोर्ट प्रकाशित की है। द हिडेन लिंक्स बिटवीन जायंट ऑफ इनवेस्टिगेटिव जर्नलिज्म एंड यूएस गवर्मेंट शीर्षक से प्रकाशित

बांग्लादेश में अस्थिरता के लिए भी दिया था अकूत धन

रिपोर्ट में मीडियापार्ट ने बताया है कि कैसे ओसीसीआरपी पर अमेरिका की सरकार का बड़ा धन-प्रभाव है। मीडियापार्ट ने बताया, जहां ओसीसीआरपी खुद को पूरी तरह से स्वतंत्र बताता है, इसके मैनेजमेंट ने अमेरिका पर पूरी तरह से निर्भर कर दिया है। यह जानकारी जांच के क्रम में पता चली है। ओसीसीआरपी का गठन ही अमेरिकी सरकार के पैसे से हुआ था। अभी भी ओसीसीआरपी की फंडिंग का लगभग 50 प्रतिशत से अधिक हिस्सा अमेरिकी एजेंसियां देती हैं। यह एजेंसियां ओसीसीआरपी में अपने लोगों को नियुक्त करती हैं। ड्रियू सुलिवान इनमें से एक हैं। मीडियापार्ट ने यह भी बताया कि ओसीसीआरपी जहां अमेरिकी एजेंसियों से फंडिंग लेने की बात स्वीकारती है, वहीं यह नहीं बताती कि इसको कितनी फंडिंग मिलती है।मीडियापार्ट ने यह भी बताया कि ओसीसीआरपी अपने लेखों में भी कभी यह जानकारी नहीं दी कि उन्हें अमेरिका से फंडिंग मिलती है। यूएसएड का ओसीसीआरपी दखल कितना अधिक है, इसका अंदाजा यूएसएड के एक अधिकारी की एक बात से लगाया जा सकता है। ▶10पर

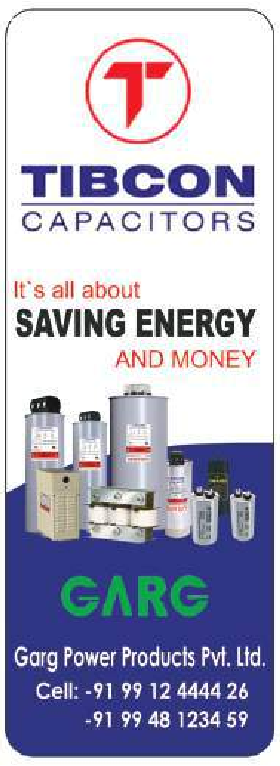

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज आप घर से बाहर तो बहुत सकारात्मकता के साथ निकलेंगे लेकिन किसी कीमती वस्तु के चोरी होने की वजह से आपका मूड खराब हो सकता है। परिवार के सदस्य कई चीज़ों की मांग कर सकते हैं। मुहब्बत की टीस आज रात आपको सोने नहीं देगी। अलग–अलग नज़रिए के चलते आपके और आपके जीवनसाथी के बीच वाद–विवाद हो सकता है। अपने साथी के लिए कोई बेहतरीन पकवान बनाना आपके फीके पड़े रिश्तों में गर्मजोशी भर सकता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

सेहत बढ़िया रहेगी। आज इस राशि के कुछ बेरोजगार लोगों को नौकरी मिल सकती है जिससे उनकी आर्थिक स्थिति सुधरेगी। अपनी नई परियोजनाओं के लिए अपने माता–पिता को विश्वास में लेने का सही समय है। बिना किसी पूर्व सूचना के आज आपका कोई रिश्तेदार आपके घर पधार सकता है जिसकी वजह से आपका कीमती समय उनकी खातिरदारी में जाया हो सकता है।आपके लिए दिन बेहद रोमानी होने वाला है। आज किसी शादी में जा सकते हैं,

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड,छ,के,को,ह

आपके परिवार को आपसे बहुत ज़्यादा उम्मीदें हैं, जिसके चलते आप खीज महसूस कर सकते हैं। आपकी आर्थिक स्थिति भी इससे बिगड़ती है। अपने दोस्तों और परिवार के सहयोग के चलते आप नए आत्मविश्वास और रोमांच से भरपूर रहेंगे। आज प्रेम–संबंधों में अपने स्वतन्त्र विवेक का इस्तेमाल कीजिए। नए विचारों और आइडिया को जाँचने का बेहतरीन वक़्त। जीवन साथी के स्वास्थ्य को लेकर आप चिंतित रह सकते हैं। अपने अच्छे लेखन के साथ आज आप किसी अकल्पनीय उड़ान पर जा सकते हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

कुछ ज़रूरी योजनाएँ क्रियान्वित होंगी और ताज़ा आर्थिक मुनाफ़ा पहुँचाएंगी। आज काम तनावभरा और थकाऊ होगा, लेकिन दोस्तों का साथ आपको ख़ुशमिज़ाज और ज़िंदादिल बनाए रखेगा। प्यार का बुख़ार आपके सर पर चढ़ने के लिए तैयार है। इसका अनुभव कीजिए। उन चीजों को दोहराना जिनका अब आपके जीवन में कोई महत्व नहीं है, आपके लिए ठीक नहीं है। ऐसा करके आप अपना वक़्त ही बर्बाद करेंगे और कुछ नहीं। जिंदगी आपको अच्छे अहसास भी जरूर कराती है बस आपको इन अहसासों को समझने की जरूरत है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

ख़र्चों पर क़ाबू रखने की कोशिश करें और सिर्फ़ ज़रूरी चीज़ें ही ख़रीदें। अपनी व्यस्त दिनचर्या में से थोड़ा–सा समय निकालकर अपने परिवार के साथ किसी आयोजन में शिरकत करें। यह न सिर्फ़ आपका दबाव कम करेगा, बल्कि आपकी झिझक भी मिटा देगा। आपका प्रिय आपको ख़ुश रखने के लिए कुछ ख़ास करेगा। आपको ऐसी जगहों से महत्वपूर्ण बुलावा आएगा, जहाँ से आपने इसकी कभी कल्पना भी न की हो। आज आपके वैवाहिक जीवन के सबसे अच्छे दिनों में से एक हो सकता है। आज बच्चों के साथ समय बिताकर आप कुछ सुकून भरे पल जी सकते हैं।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आपका स्वास्थ्य आज पूरी तरह से आपका साथ देगा। अगर आप अपनी रचनात्मक प्रतिभा को सही तरीक़े से इस्तेमाल करें तो वह काफ़ी फ़ायदेमंद साबित होगी। पढ़ाई–लिखाई में कम रुचि के चलते बच्चे आपको थोड़ा निराश कर सकते हैं। विवादित मुद्दों को उठाने से बचें,असजता की वजह से आप वैवाहिक जीवन में ख़ुद को फँसा हुआ अनुभव कर सकते हैं। छुट्टी ज़ाया हो गयी – इस पर सोचने की बजाय बाक़ी बचे दिन को आप किस प्रकार बेहतर बना सकते हैं, इस पर विचार करें।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज के दिन भूलकर भी किसी को पैसे उधार न दें और यदि देना जरूरी हो तो देने वाले से लिखित में लें कि वो पैसा वापस कब करेगा। जिन लोगों से आपकी मुलाक़ात कभी–कभी ही होती है, उनसे बातचीत और संपर्क करने के लिए अच्छा दिन है। शहर से बाहर यात्रा ज़्यादा आरामदेह नहीं रहेगी, लेकिन आवश्यक जान–पहचान बनाने के लिहाज़ से फ़ायदेमंद साबित होगी। अगर आप अपने जीवनसाथी से स्नेह की आशा रखते हैं, तो यह दिन आपकी आशाओं को पूरा कर सकता है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज आपके भाई–बहन आपसे आर्थिक मदद मांग सकते हैं और उनकी मदद करके आप ख़ुद आर्थिक दबाव में आ सकते हैं। हालांकि स्थिति जल्द ही सुधर जाएगी। बच्चे की पढ़ाई के बारे में चिंता करने की ज़रूरत नहीं है। इस समय जो समस्याएं आपको झेलनी पड़ रही हैं, वे क्षणिक हैं और समय के साथ वे ख़ुद–ब–ख़ुद ख़त्म हो जाएंगी। आज के दिन किसी के साथ छेड़खानी करने से बचें। आज आप सब कामों को छोड़कर उन कामों को करना पसंद करेंगे जिन्हें आप बचपन के दिनों में करना पसंद करते थे।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज लम्बे समय से अटके मुआवज़े और कर्ज़ आदि आख़िरकार आपको मिल जाएंगे। आज आपमें धैर्य की कमी रहेगी। इसलिए संयम बरतें, क्योंकि आपकी तल्ख़ी आस–पास के लोगों को दु:खी कर सकती है। एक प्यारी–सी मुस्कुराहट से अपने प्रेमी का दिन रोशन करें। इस राशि के उम्रदराज जातक आज के दिन अपने पुराने मित्रों से खाली समय में मिलने जा सकते हैं। आपका जीवनसाथी आपको इतना बेहतरीन पहले कभी महसूस नहीं हुआ। आपको उनसे कोई बढ़िया सरप्राइज़ मिल सकता है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

जो लोग लघु उद्योग करते हैं उन्हें आज के दिन अपने किसी करीबी की कोई सलाह मिल सकती है जिससे उन्हें आर्थिक लाभ होने की संभावना है। आप माता–पिता को ख़ुश करने में कठिनाई महसूस करेंगे। उन्हें समझने और उनके नज़रिए से चीज़ों को देखने की कोशिश करें, आपको सकारात्मक परिणाम मिलेगा। उन्हें आपकी परवाह, स्नेह और समय की आवश्यकता है। अपने प्रिय को समझने की कोशिश करें, नहीं तो मुश्किल में फँस सकते हैं। इस राशि वाले जातकों को आज खाली वक्त में आध्यात्मिक पुस्तकों का अध्ययन करना चाहिए। ऐसा करके आपकी कई परेशानियां दूर हो सकती हैं

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आपका सकारात्मक रुख़ आपके आसपास के लोगों को प्रभावित करेगा। अगर आप सूझ–बूझ से काम लें, तो आज अतिरिक्त धन कमा सकते हैं। आपको परिवार के सदस्यों और दोस्तों के साथ बिताने के लिए पर्याप्त समय मिलेगा। आपको पहली नज़र में किसी से प्यार हो सकता है। आपका चुम्बकीय और ज़िन्दादिल व्यक्तित्व आपको सबके आकर्षण का केन्द्र बना देगा। किसी अच्छे स्पा में जाकर आप तरोताज़ा महसूस कर सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

अगर आप लम्बे वक़्त के लिए निवेश करें, तो अच्छा–ख़ासा फ़ायदा हासिल कर सकते हैं। अपने जीवनसाथी का बोझ दूर करने के लिए घरेलू कामकाज में हाथ बटाएँ। इससे आपको साथ में काम करने का आनंद मिलेगा और जुड़ाव महसूस होगा। प्यार में थोड़ी निराशा आपको हतोत्साहित नहीं कर सकेगी। गप्पबाज़ी और अफ़वाहों से दूर रहें। वैवाहिक जीवन में आप कुछ निजता की ज़रूरत महसूस करेंगे। काम को करने से पहले ही उसके बारे में अच्छा बुरा न सोचें, बल्कि ख़ुद को एकाग्र करने की कोशिश करें इससे सारे काम अच्छी तरह हो पाएंगे।

बुधवार का पंचांग

दिनांक : 04 दिसंबर 2024 , बुधवार
विक्रम संवत : 2081
मास : मार्गशीर्ष,शुक्ल पक्ष
तिथि : तृतीया दोपहर 01:12 तक
नक्षत्र : पूर्वाषाढ़ा सायं 05:15 तक
योग : गण्ड दोपहर 01:56 तक
करण : गर दोपहर 01:12 तक
चन्द्र राशि : धनु रात्रि 11:20 तक
सूर्योदय : 06:31, सूर्यास्त 05:40 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:27 , सूर्यास्त 05:52 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:21, सूर्यास्त 05:43 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:21, सूर्यास्त 05:33 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

लाभ : 06:00 से 07:30
अमृत : 07:30 से 09:00
शुभ : 10:30 से 12:00
चल : 03:00 से 04:30
लाभ : 04:30 से 06:00
राहुकाल : दोपहर 12:00 से 01:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : भद्रा रात्रि 01:03 से

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

गुलामी की मानसिकता ने भारत के विकास को प्रभावित किया : मोदी

चंडीगढ़ ,03 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को चंडीगढ़ पहुंचकर तीन नए कानूनों को लेकर आयोजित किए गए कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस दौरान पीएम मोदी ने तीन नए कानूनों की उपयोगिता के बारे में विस्तारपूर्वक अपनी बात रखी। प्रधानमंत्री मोदी ने चंडीगढ़ आने पर खुशी जताई। उन्होंने कहा, चंडीगढ़ आने पर मुझे लगता है कि मैं अपने लोगों के बीच में आ चुका हूं। मैं तीनों कानून के लागू होने पर देश को बधाई देता हूं। प्रधानमंत्री ने कहा, 1857 की क्रांति के 3 साल बाद 1860 में अंग्रेज भारतीय दंड संहिता लेकर आए। इसके बाद इंडियन एविडेंस एक्ट आया, फिर सीआरपीसी का मसौदा अस्तित्व में आया। यह सब भारतीयों को दंडित करने के लिए लाए गए थे।

उन्होंने कहा, समय–समय पर इनमें संशोधन हुए। लेकिन, उनका असली चरित्र वही बना रहा। आजाद देश में गुलामी के लिए बने कानून को क्यों ढोया जाए। यह सवाल न हमने खुद से पूछा, न शासन करने वाले लोगों ने इस पर विचार करने की जरूरत समझी। गुलामी की मानसिकता ने भारत की विकास यात्रा को बहुत ज्यादा प्रभावित किया। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा, चंडीगढ़ में वाहन चोरी होने पर महज 11 महीने में सजा मिल गई। क्षेत्र में अशांति फैलाने पर महज 20 दिन के अंदर आरोपी को सजा दे दी गई। प्रधानमंत्री ने कहा, दिल्ली में भी एक केस में एफआईआर से लेकर फैसला आने तक सिर्फ 60 दिन का समय लगा। आरोपी को 20 साल की सजा सुनाई गई। बिहार के छपरा में भी एक मर्डर केस में एफआईआर से लेकर फैसला आने तक सिर्फ 14 दिन लगे और आरोपियों को उम्र कैद की सजा सुनाई गई। यह फैसले दिखाते हैं, न्याय संहिता की ताकत और उनका प्रभाव क्या है।प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में आगे कहा, सरकार जब देश प्रदेश की जनता के लिए ईमानदारी से काम करती है, तो इस तरह के परिणाम देखने को मिलते हैं , जिसका हम सभी को स्वागत करना चाहिए। उन्होंने कहा, कई लोग भारत में यह सोचकर निवेश करने से बचते थे कि अगर किसी भी प्रकार का मुकदमा दर्ज हुआ, तो उसमें कई साल लग जाएंगे। लेकिन, अब यह सब खत्म हो चुका है। अब सभी निवेशक बेहद ही आसानी से निवेश कर सकते हैं। निसंदेह इससे देश की अर्थव्यवस्था को एक नई गति मिलेगी। देश की उत्पादकता बढ़ेगी। प्रधानमंत्री ने कहा, पहले अगर किसी का एक्सीडेंट हो जाता था, तो लोग मदद करने से भी घबराते थे। उन्हें डर लगता था कि कहीं वो ना किसी कानूनी पचड़े में फंस जाएं। लेकिन, अब इन सभी झंझटों को खत्म कर दिया गया है। अंग्रेजी शासन के 1500 से ज्यादा पुराने कानून को खत्म किया है। जब यह कानून खत्म हुए, तब लोगों को हैरानी हुई थी कि क्या देश में ऐसे ऐसे कानून भी हम ढो रहे थे। उन्होंने कहा, इन दिनों वक्फ बोर्ड से जुड़े कानूनों को लेकर बहस हो रही है। हमें चाहिए कि हम उन कानूनों को भी महत्व दें, जो नागरिकों के स्वाभिमान को बढ़ाने का काम करते हैं।

राइजिंग राजस्थान : प्रदेश में पहली बार आएगा रिकॉर्ड तोड़ पूंजी निवेश

30 लाख करोड़ रुपए इन्वेस्टमेंट होने का अनुमान

जयपुर,03 दिसंबर (एजेंसियां)। भाजपा की भजन लाल सरकार राजस्थान के विकास में नया अध्याय जोड़ते हुए ऐतिहासिक रिकॉर्ड की ओर बढ़ रही है। पहली बार प्रदेश में रिकॉर्डतोड़ पूंजी निवेश होने की उम्मीद है। क्योंकि राज्य के उद्योग जगत के लिए राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट बड़ा अवसर बनकर आई है।

उम्मीद है कि इस समिट में 30 लाख करोड़ रुपए के एमओयू (मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग) साइन होने जा रहे हैं। यह पहल राज्य को एक आर्थिक महाशक्ति के रूप में उभरने में मदद करेगी और रोजगार के अनगिनत अवसर सृजित करेगी। इससे पहले राजस्थान में अधिकतम 12.50 लाख करोड़ रुपए के एमओयू साइन होने का रिकॉर्ड है। इस अद्वितीय आयोजन की सफलता के पीछे राज्य सरकार, प्रशासन और उद्योग विभाग के प्रमुख शासन सचिव अजिताभ शर्मा की अथक मेहनत छिपी है। मुख्यमंत्री भजन लाल, उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ और उनके नेतृत्व में मंत्रिमंडल ने देश–विदेश में निवेशकों को आकर्षित करने के लिए व्यापक रोड शो का आयोजन किया। दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु जैसे प्रमुख शहरों से लेकर दुबई और स्विट्ज़रलैंड जैसे अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों तक, राजस्थान ने अपनी संभावनाओं और संसाधनों को पूरे उत्साह के साथ प्रदर्शित किया।

राजस्थान, जो अपनी सांस्कृतिक विरासत, पर्यटन और खनिज संपदा के लिए जाना जाता है, अब उद्योग और निवेश के क्षेत्र में नई पहचान बना रहा है। यह कार्यक्रम न केवल राज्य की आर्थिक स्थिति को मजबूत करेगा, बल्कि युवा पीढ़ी को नए अवसरों की ओर ले जाएगा। औद्योगिक विकास से संबंधित बुनियादी ढांचे में सुधार होगा, जिससे उद्योगपतियों के लिए एक अनुकूल माहौल तैयार होगा। जरा सोचिए, राजस्थान जैसे प्रदेश में 30 लाख करोड़ रुपए में आधा भी पूंजी निवेश धरातल पर उतर आया तो राजस्थान विकास के पथ पर ऊपर की ओर दौड़ता हुआ दिखाई देगा। रोजगार के अवसर बढ़ेंगे, प्रति व्यक्ति आय बढ़ेगी तो प्रदेश के लोगों की संतुष्टि और प्रसन्नता भी काफी हद तक बढ़ जाएगी। उद्योग मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ और विभाग के प्रमुख शासन सचिव अजिताभ शर्मा के कुशल नेतृत्व और रणनीतिक दृष्टिकोण ने इस आयोजन को सफल बनाने में अहम भूमिका निभाई है। उनकी योजनाबद्ध कार्यशैली और निरंतर प्रयासों ने इस आयोजन को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाई है। राइजिंग राजस्थान महज एक आयोजन नहीं, बल्कि एक आंदोलन है जो राज्य को विकसित राजस्थान बनाने की दिशा में अग्रसर है। यह पहल राज्य के हर वर्ग के लिए आशा की किरण है। इसके जरिए न केवल उद्योग क्षेत्र में क्रांति आएगी, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, और ग्रामीण विकास जैसे क्षेत्रों में भी व्यापक परिवर्तन होगा। यह कार्यक्रम राजस्थान के इतिहास में विकास और नवाचार के प्रतीक के रूप में याद किया जाएगा। राइजिंग राजस्थान न केवल निवेशकों के लिए, बल्कि हर राजस्थानवासी के लिए एक नई उम्मीद लेकर आया है।

अवैध हथियारों सहित आरोपी गिरफ्तार

तीन पिस्टल मय मैगजीन व 17 कारतूस जब्त

बारां,03 दिसंबर (एजेंसियां)। बारां जिले की कोतवाली थाना पुलिस ने जिला स्पेशल टीम की मदद से फतेहपुर हाल बाबजी नगर निवासी आरोपी मधुकांत नागर पुत्र कृष्ण गोपाल (57) को गिरफ्तार कर अवैध हथियार तीन पिस्टल मय मैगजीन एवं 17 कारतूस ज़ब्त किए हैं।

एसपी राजकुमार चौधरी ने बताया कि मुखबिर से अवैध हथियारों के बारे में सूचना मिलने पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजेश चौधरी व सीओ ओमेंद्र सिंह शेखावत के सुपरविजन में एसएचओ कोतवाली रामविलास मीणा मय टीम द्वारा डीएसटी प्रभारी लईक अहमद मय टीम की मदद से आरोपी को गिरफ्तार कर अवैध हथियार बरामद किए गए हैं। अवैध हथियार जब्त कर थाना कोतवाली में आर्म्स एक्ट की विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर अनुसंधान एसएचओ सदर द्वारा किया जा रहा है। गिरफ्तार आरोपी से पुलिस अवैध हथियार की खरीद फरोख्त के संबंध में गहनता से अनुसंधान कर रही है।

साड़ियों से भरे ट्रक चोरी की वारदात का खुलासा पांच आरोपी गिरफ्तार

चित्तौड़गढ़,03 दिसंबर (एजेंसियां)। चित्तौड़गढ़ जिले की भूपालसागर पुलिस ने हाईवे पर होटल के बाहर से 52 लाख कीमत की साड़ियों से भरे ट्रक चोरी की वारदात का मात्र पांच दिनों में खुलासा कर साइबर सेल की मदद से ट्रक मालिक लाल रैगर पुत्र सोला व उसके बेटे नरेश रैगर निवासी ईटाली रोड फतहनगर सहित मदनलाल जटिया पुत्र देवा व गणेश जटिया पुत्र उदय लाल निवासी आजनखेडा थाना आकोला एवं मनीष रैगर पुत्र देवीलाल निवासी बान्डीनाल थाना नाथद्वारा जिला राजसमंद को गिरफ्तार कर चोरी गया 52 लाख का माल बरामद कर लिया है। गिरफ्तार आरोपियों से वारदात में प्रयुक्त एक कंटेनर, दो मोटरसाईकिल एवं एक मारुती वैन जब्त की गई है। ट्रक मालिक ने ही ट्रक चालक को धोखे में रख ट्रक सहित माल को चोरी किया था।एसपी सुधीर जोशी ने बताया कि गत 30 नवम्बर को ट्रक ड्राइवर आकोला निवासी कैलाश ढोली ने भूपालसागर थाने पर दी रिपोर्ट में बताया कि वह पिछले डेढ महीने से देवीलाल रेगर निवासी फतहनगर का ट्रक चला रहा है।

अनजान कारणों से रोके गए थे निर्माण कार्य जिन्हें अब शुरू करवाया गया : अनिल विज

अम्बाला,03 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने कहा कि अम्बाला छावनी के प्रमुख गुडगुडिया नाले के ऊपर कबाड़ी बाजार व 12 क्रास रोड पर पुल बनाने के कार्य को शुरू करवाया गया था, मगर अनजान कारणों से यह कार्य रोक दिए गए थे जिन्हें अब दोबारा शुरू करवाया गया है।

विज ने कहा कि कबाड़ी बाजार व 12 क्रास रोड पर नाले के ऊपर सड़क को चौड़ा किया जा रहा है तथा नया पुल बनाया जा रहा है। इसी प्रकार गुडगुडिया नाले के ऊपर मल्टी लेवल कार पार्किंग में लिफ्ट लगाने का कार्य भी किया जा रहा है। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन व श्रम मंत्री अनिल विज ने यह बात आज मल्टीलेवल कार पार्किंग में लिफ्ट लगाने के कार्य तथा कबाड़ी बाजार व 12 क्रास रोड पर नाले के ऊपर पुल बनाने के कार्य का निरीक्षण के उपरांत कही। उन्होंने मौके पर मौजूद अम्बाला छावनी के एसडीएम सितेंद्र सिवाच एवं नगर परिषद अधिकारियों को इन कार्यों को जल्द से जल्द पूरा कराने के दिशा–निर्देश दिए।

कैबिनेट मंत्री अनिल विज ने प्रात: गुडगुडिया नाले पर मल्टीलेवल कार पार्किंग में लगाई जा रही दो लिफ्ट लगाने के कार्य का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों को इन कार्यों को तेजी से पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने मौके पर कार्य की प्रगति जानी और दिशा–निर्देश दिए। गौरतलब है कि लगभग साढ़े तीन करोड़ रुपए की लागत से मल्टीलेवल कार पार्किंग पर दो कार लिफ्ट, दो पैसेंजर लिफ्ट, दो वॉटर कूलर, सुरक्षा के लिए दो बूम बैरियर लगाने का कार्य किया जा रहा है।

इसके उपरांत मंत्री अनिल विज ने कार पार्किंग के प्रथम तल पर निरीक्षण करते हुए नगर परिषद अधिकारियों को कार पार्किंग का टेंडर अलॉट करने के भी दिशा–निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कार पार्किंग में साफ–सफाई कराने, रात्रि में समय सभी लाइटें जलाने एवं अन्य निर्देश दिए।

लॉरेंस बिश्नोई गैंग के सात साथी हथियारों सहित गिरफ्तार

सोनीपत,03 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा में लॉरेंस बिश्नोई गैंग के सदस्य कैसे युवाओं को अपने जेल में बैठे कर बरगला रहे है इसका अंदाजा आप सोनीपत एंटी गैंगस्टर यूनिट सेक्टर 7 की गिरफ्त में आए सात युवाओं की गिरफ्तारी से लगा सकते हो, लॉरेंस बिश्नोई गैंग का शार्प शूटर और सिद्धू मूसेवला हत्या कांड में शामिल कुख्यात शार्प शूटर अंकित सेरसा अपने साथी सागर के साथ मिलकर सोनीपत में कई व्यापारियों से रंगदारी वसूलने में लगा था लेकिन पुलिस को शिकायत मिलने के बाद एंटी गैंगस्टर यूनिट सेक्टर 7 ने अंकित सेरसा के सात साथियों को गिरफ्तार किया है और इनसे चार पिस्तौल और जिंदा कारतूस बरामद किए हैं , क्या था पूरा मामला समझिए इसे पूरी रिपोर्ट में।

सोनीपत एंटी गैंगस्टर यूनिट सेक्टर 7 की गिरफ्त में दिखाई देने वाले ये सातों युवा किसी आम गैंग के सदस्य नहीं बल्कि लॉरेंस बिश्नोई गैंग के शार्प शूटर और सिद्धू हत्याकांड के मुख्य आरोपी अंकित सेरसा सिंडिकेट के बदमाश है, ये जेल में बैठे अंकित सेरसा से संपर्क में हैं और इन्होंने सोनीपत के कई व्यापारियों से व्हाट्स एप के माध्यम से करोड़ों रुपए की रंगदारी वसूलने की वारदात को अंजाम देने की वारदात को अंजाम देना था ,लेकिन व्यापारियों की शिकायत के बाद एंटी गैंगस्टर यूनिट सेक्टर 7 ने इनको पकड़ने के जाल बिछाया और सभी को गिरफ्त में लिया, लेकिन जब पुलिस ने इनसे पूछताछ की तो पुलिस के भी होश उड़ गए कि कैसे ये लौरेंस बिश्नोई के शार्प शूटर अंकित सेरसा के संपर्क में आए और ये कैसे व्यापारियों से रंगदारी वसूलने का काम करते थे।इस मामले की जानकारी देते हुए एंटी गैंगस्टर यूनिट सेक्टर 7 के इंचार्ज अजय धनखड़ ने बताया कि कुख्यात बदमाश अंकित सेरसा के सात साथी गिरफ्तार हुए है इन्होंने सोनीपत के कई दुकानदारो से व्हाट्स एप के माध्यम से की रंगदारी मांगी थी, सोनीपत एंटी गैंगस्टर यूनिट सेक्टर 7 क्राइम ब्रांच की टीम ने गिरफ्तार बदमाशो से 4 पिस्टल और 2 जिंदा कारतूस भी बरामद किए है।

पारदर्शिता के साथ हो आंगनबाड़ी केन्द्रों का संचालन : भजनलाल शर्मा

जयपुर,03 दिसंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने आंगनबाड़ी केन्द्रों पर सुविधाओं का उन्नयन करते हुए पारदर्शिता एवं जवाबदेही के साथ केन्द्रों का संचालन करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अधिकारी महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य, पोषण एवं सशक्तीकरण की योजनाओं का लाभ प्रत्येक महिला, बच्चे और परिवार तक लाभ पहुंचाना जाना सुनिश्चित करें ताकि कोई भी व्यक्ति योजनाओं से वंचित नहीं रहे। उन्होंने बजट घोषणाओं का समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया।

मुख्यमंत्री शर्मा मंगलवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में महिला एवं बाल विकास विभाग की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रदेश के कुछ क्षेत्रों विशेषकर जनजातीय में कुपोषण के समूल उन्मूलन के लिए हमें दीर्घ अवधि की कार्ययोजना पर कार्य करने की आवश्यकता है। इसी क्रम में आंगनबाड़ी केन्द्रों पर दिए जा रहे पोषण आहार की निरन्तर समीक्षा करते हुए आवश्यक सुधार किए जाए। उन्होंने विभाग के अधिकारियों को वार्षिक कैलेण्डर बनाकर आंगनबाड़ी केन्द्रों का सघन निरीक्षण करने और आवश्यक व्यवस्थाएं दुरूस्त करने के लिए निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने आंगनबाड़ी केन्द्रों पर पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए सीसीटीवी कैमरे लगवाने के निर्देश दिए हैं।

मुख्यमंत्री ने शिक्षा सेतु योजना की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को ड्रॉप आउट बालिकाओं एवं महिलाओं को शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ने वाले व्यक्तियों एवं संस्थाओं को प्रोत्साहित एवं पुरस्कृत करने के निर्देश दिए। उन्होंने कौशल सामर्थ्य योजना के अन्तर्गत लाभान्वित युवाओं को स्वरोजगार सुनिश्चित करने के क्रम में अधिक से अधिक सुविधाएं सृजित करने के लिए निर्देशित किया। श्री शर्मा ने कहा कि योजना के अन्तर्गत प्रशिक्षित युवाओं की नियमित ट्रेकिंग करने के लिए प्रभावी तंत्र विकसित किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि बालिकाओं को समुचित शिक्षा और सम्बल प्रदान करने के लिए 'लाडो प्रोत्साहन योजना' अहम है, जिसके तहत हमारी सरकार बेटी के जन्म से लेकर स्नातक शिक्षा पूरी करने तक एक लाख रुपये की राशि दे रही है। राज्य सरकार शीघ्र ही इसके अन्तर्गत 1 साथ 1 लाख लाभार्थियों के खातों में प्रति लाभार्थी 2500 रूपये की किस्त हस्तांतरित करेगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार जल्द ही 'प्रधानमंत्री मातृ वंदन योजना' के अन्तर्गत एक साथ लगभग 70 हजार लाभार्थियों को बढ़ी हुई 1500 रूपये की अतिरिक्त राशि देने जा रही है।

शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री अमृत आहार (आंगनबाड़ी दुग्ध वितरण योजना) योजना का भी शीघ्र शुभारंभ किया जाएगा। इसके अन्तर्गत आंगनबाड़ी केन्द्रों पर बच्चों पर सप्ताह में तीन दिन दूध उपलब्ध करवाया जाएगा। इसके लिए राज्य सरकार 200 करोड़ रूपये व्यय करेगी। साथ ही, उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रत्येक ब्लॉक में एक मॉडल आंगनबाड़ी केन्द्र का भी शीघ्र शुभारंभ करेगी।मुख्यमंत्री ने कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के लिए जल्द ही आमुखीकरण कार्यशाला आयोजित की जाएगी। जिसके माध्यम से कार्यकर्ताओं को नवाचार एवं नवीन तकनीकों का प्रशिक्षण दिया जाएगा। शर्मा ने विभाग के अधिकारियों को महिला सुरक्षा एवं सलाह केन्द्र की संख्या बढ़ाने के लिए भी निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि इन केन्द्रों के माध्यम से 24 हजार से अधिक प्रकरणों में सामाजिक एवं पारिवारिक स्तर हिंसा से पीड़ित महिलाओं को मार्गदर्शन एवं सहायता प्रदान की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार पंडित दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म मानववाद एवं अन्त्योदय की परिकल्पना को साकार करने के लिए नीति एवं कार्यक्रमों के माध्यमों से प्रभावी कदम उठा रही है। महिला एवं बच्चे समाज के प्रमुख अंग है, जिनके उत्थान के लिए हम कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। बैठक में उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी, महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री डॉ. मंजू बाघमार, मुख्य सचिव सुधांश पंत, मुख्यमंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव शिखर अग्रवाल एवं प्रमुख सचिव आलोक गुप्ता, शासन सचिव महिला एवं बाल विकास महेन्द्र सोनी सहित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

साल 2025 में 76 दिन बजेगी शहनाई

जल्द ही नया साल 2025 शुरू होने वाला है। अंग्रेजी कैलेंडर के अनुसार नया साल का पहला महीना जनवरी होता है। नए साल के शुरू होने पर लोग आने वाले महीनों में शुभ मुहूर्त में विवाह और अन्य तरह के मांगलिक कार्य करते हैं। हिंदू धर्म में सभी 16 संस्कारों में विवाह को सबसे महत्वपूर्ण संस्कारों में से एक माना जाता है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि मुहूर्त 15 जनवरी 2025 से शुरू होंगे। आगामी 6 जुलाई 2025 देवशयनी एकादशी से चातुर्मास प्रारंभ होगा। इस कारण जुलाई से अक्टूबर तक विवाह मुहूर्त नहीं रहेंगे। मुहूर्त 1 नवंबर को देव उठनी एकादशी पर रहेगा, परंतु इसके परंतु इसके बाद विवाह मुहूर्त सीधे 21 नवंबर से से शुरू होंगे। साल 2025 में गुरु 12 जून से 9 जुलाई तक 27 दिन के लिए अस्त होने वाले हैं। इसके अलावा शुक्र ग्रह 19 मार्च से 23 मार्च तक 4 दिन तक अस्त रहेंगे। इसके बाद दोबारा से 12 दिसंबर से 31 दिसंबर तक 24 दिन तक शुक्र अस्त रहेंगे। इस दौरान शुभ काम नहीं होंगे। विवाह मुहूर्त मकर संक्राति के अगले दिन 15 जनवरी 2025 से शुरू होंगे। खास बात यह है कि आने वाले नए साल में विवाह मुहूर्त का टोटा नहीं रहेगा। यद्यपि साल में केवल 8 माह ही विवाह होंगे। परंतु इस अवधि में 76 दिन विवाह मुहूर्त रहेंगे।, जबकि इस वर्ष 2024 में कुल 62 दिन के विवाह मुहूर्त रहे। नए साल में फरवरी माह और मई माह भी मुहूर्त से भरा रहेगा। अक्षय तृतीया पर 30 अप्रैल को तो विवाह होंगे।

वैदिक ज्योतिष में गुरु को शुभ फलदायी ग्रह माना गया है। जन्म कुंडली में गुरु ग्रह की स्थिति शुभ होने पर व्यक्ति को हर क्षेत्र में सफलता हासिल होती है। गुरु की कमजोर स्थिति से जातक को मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। गुरु धनु व मीन राशि के स्वामी ग्रह हैं। यह कर्क राशि में उच्च व शनिदेव की राशि मकर में नीच के माने जाते हैं। प्रत्येक गुरुवार शिवजी को बेसन के लड्डू चढ़ाने चाहिए। गुरुवार को व्रत करें। इस दिन पीली वस्तुओं का दान अपने सामर्थ्यनुसार करें। गुरुवार के दिन विष्णु भगवान को घी का दीपक लगाएं। शास्त्रों के मुताबिक विवाह में गुरु ग्रह को उदय होना आवश्यक माना जाता है। हमारे षोडश संस्कारों में विवाह का बहुत महत्त्व है। विवाह का दिन व लग्न निश्चित करते समय वर एवं वधु की जन्म पत्रिका अनुसार सूर्य, चंद्र व गुरु की गोचर स्थिति का ध्यान रखना अति आवश्यक होता है। जिसे त्रिबल शुद्धि कहा जाता है।

शुक्र – गुरु ग्रह के अस्त होने पर विवाह नहीं होते

विवाह मुहूर्त की गणना करते समय शुक्र तारा और गुरु तारा पर विचार किया जाता है। बृहस्पति और शुक्र के अस्त होने पर विवाह और अन्य मांगलिक कार्यक्रम नहीं किए जाते है। इसलिए, इस दौरान कोई विवाह समारोह नहीं किया जाना चाहिए।

जुलाई से अक्टूबर में कोई भी शुभ मुहूर्त नहीं

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार देवशयनी एकादशी से लेकर देवउठनी एकादशी तक भगवान विष्णु योगनिद्रा में रहते हैं। इस अवधि में विवाह और अन्य शुभ कार्यों पर रोक लग जाती है। वर्ष 2025 में 6 जुलाई को देवशयनी एकादशी पड़ रही है, जिसके बाद भगवान विष्णु चार महीने तक विश्राम करेंगे। यह अवधि नवंबर में 1 तारीख को देवउठनी एकादशी पर समाप्त होगी। इन चार महीनों को चातुर्मास कहा जाता है, जो धार्मिक दृष्टि से विशेष होता है इस दौरान शुभ कार्यों की मनाही होती है। इस दौरान शादी-विवाह जैसे मांगलिक कार्य करना ज्योतिषीय नियमों के अनुसार वर्जित होता है। ऐसे में यदि आप ज्योतिष और शुभ मुहूर्त का पालन करते हैं, तो इन महीनों में विवाह या उससे संबंधित कार्य करने से बचें। यह समय पूजा-पाठ और आत्मचिंतन के लिए उपयुक्त माना जाता है। देवउठनी एकादशी के बाद से विवाह और अन्य मांगलिक कार्यों के लिए शुभ मुहूर्त पुनः आरंभ हो जाएंगे। इसलिए अपने विवाह की योजना बनाते समय इन बातों का अवश्य ध्यान रखें और शुभ समय का चयन करें ताकि आपका दांपत्य जीवन सुखी और समृद्ध हो।

विवाह का धार्मिक महत्व

सनातन धर्म दुनिया के सबसे पुराने धर्मों में से एक है, जो कई प्रकार की परंपराओं और मान्यताओं से समृद्ध है। इस परंपरा में से एक शुभ विवाह भी है, यह जीवन का सबसे खुशनुमा पल होता है। विवाह कई तरह से किए जाते हैं, प्रत्येक के अपने-अपने रीति-रिवाज और महत्व होते हैं। हिंदू धर्म में यह 16 संस्कारो मे से एक होता है और इसके बगैर कोई भी व्यक्ति ग्रहस्थाश्रम में प्रवेश नहीं कर सकता है। इसलिए हमारे शास्त्रों में विवाह को सबसे महत्वपूर्ण और कल्याणकारी माना जाता है।

शुभ विवाह मुहूर्त 2025

जनवरी: 16, 17, 18, 19, 21, 22, 24, 26, 30

फरवरी: 3, 4, 6, 7, 13, 14, 15, 18, 19, 20, 21, 25

मार्च: 3, 5, 6, 7, 11, 12, 13, 14

अप्रैल: 14, 15, 16, 18, 19, 20, 21, 25, 29, 30

मई: 1, 5, 6, 7, 8, 9, 10, 11, 12, 13, 14, 15, 16, 17, 18, 22, 23, 24, 28

जून: 1, 2, 4, 5, 6, 7, 8

नवंबर: 21, 22, 23, 24, 25, 26, 30

दिसंबर: 1, 4, 5, 6

(कुछ पंचांग में भेद होने के कारण तिथि घट बढ़ सकती है और परिवर्तन हो सकता है।)

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

जनवरी महीने में इतने दिन बजेगी शहनाइयां

शुभ मुहूर्त एवं तिथि

सनातन धर्म में खरमास का विशेष महत्व है। इस दौरान कोई भी शुभ कार्य नहीं किया जाता है। इसके साथ ही विवाह और सगाई जैसे भी शुभ कार्य वर्जित हैं। साल 2025 में खरमास 14 जनवरी को समाप्त होगा। इससे पूर्व 15 दिसंबर को सूर्य देव धनु राशि में गोचर करेंगे। इस दिन से खरमास शुरू होगा। अतः 14 जनवरी के बाद से विवाह समेत सभी प्रकार के मांगलिक कार्य किए जाएंगे। वैदिक पंचांग के अनुसार, 14 जनवरी को मकर संक्रांति है। इसके पश्चात विवाह का लग्न शुरू होगा। जनवरी महीने में अंतिम लग्न यानी विवाह मुहूर्त 27 तारीख को है। इस दिन तिथि त्रयोदशी है। वहीं, नक्षत्र मूल है। इसके पश्चात, फरवरी महीने में विवाह मुहूर्त है। हालांकि, स्थानीय तिथि अनुसार विवाह मुहूर्त में अंतर हो सकता है। अतः विवाह मुहूर्त एवं तिथि निर्धारण के लिए स्थानीय पंडित से अवश्य सलाह लें। माघ का महीना विवाह के लिए शुभ माना जाता है।

कब लगता है खरमास?

ज्योतिषियों की मानें तो सूर्य देव के धनु और मीन राशि में गोचर करने के दौरान खरमास लगता है। सूर्य देव मार्गशीर्ष पूर्णिमा पर धनु राशि में गोचर करेंगे। वहीं, मार्च महीने में सूर्य देव मीन राशि में गोचर करेंगे। इस दौरान खरमास लगेगा। अतः मार्च के दौरान भी मांगलिक कार्यों पर प्रतिबंध रहेगा।

कब समाप्त होगा खरमास?

ज्योतिषियों की मानें तो 14 जनवरी को सुबह 08 बजकर 55 मिनट पर सूर्य देव धनु राशि से निकलकर मकर राशि में प्रवेश करेंगे। अतः 14 जनवरी को मकर संक्रांति है। इस दिन ही खरमास समाप्त होगा। इसके अगले दिन से विवाह का लग्न है।

जनवरी माह विवाह मुहूर्त

16 जनवरी को विवाह मुहूर्त है। इस दिन तिथि तृतीया और नक्षत्र मघा है।

17 जनवरी को विवाह मुहूर्त है। इस दिन तिथि चतुर्थी और नक्षत्र मघा है।

19 जनवरी को विवाह मुहूर्त है। इस दिन तिथि षष्ठी और नक्षत्र उत्तर फाल्गुनी है।

20 जनवरी को विवाह मुहूर्त है। इस दिन तिथि षष्ठी और नक्षत्र हस्त है।

21 जनवरी को विवाह मुहूर्त है। इस दिन तिथि अष्टमी और नक्षत्र रेवती है।

22 जनवरी को विवाह मुहूर्त है। इस दिन तिथि अष्टमी और नक्षत्र रेवती है।

23 जनवरी को विवाह मुहूर्त है। इस दिन तिथि दशमी और नक्षत्र अनुराधा है।

24 जनवरी को विवाह मुहूर्त है। इस दिन तिथि दशमी और नक्षत्र अनुराधा है।

26 जनवरी को विवाह मुहूर्त है। इस दिन तिथि द्वादशी और नक्षत्र मूल है। 27 जनवरी को विवाह मुहूर्त है। इस दिन तिथि त्रयोदशी और नक्षत्र मूल है।

शुरू होते ही बंद हो जाएगी शहनाइयों की गूंज

दिसंबर की इस दिन को होगा आखिरी विवाह

दिसंबर का पहला पखवाड़ा शहर में शहनाइयों की गूंज से गूंजायमान है। साल 2024 के अंतिम विवाह मुहूर्त ने हर ओर उल्लास और उत्साह का माहौल बना दिया है। शुभ मुहूर्तों की शुरुआत हो चुकी है और अब छह शुभ तिथियां शेष हैं।

14 दिसंबर को साल का आखिरी विवाह मुहूर्त होगा। फिर पौष मास प्रारंभ होते ही विवाह वर्जित हो जाएंगे। देवकार्य जारी रहेंगे। मांगलिक कार्यों के लिए नए वर्ष की प्रतीक्षा करनी होगी। 14 दिसंबर के बाद पौष मास की शुरुआत होगी, जिसमें शुभ कार्य वर्जित माने जाते हैं।

दिसंबर के महीने में शादी के मुहुर्त

ज्योतिषाचार्य पंडित रामेश्वर दूबे ने बताया कि देव पंचांग अनुसार 4 दिसंबर पानी ग्रहण का समय शाम 6:30 से रात्रि 8:16 तक, छह दिसंबर को पानी ग्रहण का मुहूर्त सुबह 7:14 से सुबह 9:20 तक, दिन में 2:15 से 3:56 तक, शाम को 4:30 से 6:6 तक, रात में 2:42 से 4:55 तक

सात दिसंबर पानी ग्रहण का मुहूर्त सुबह 7:10 से 9:16 तक, दिन में 2:11 से 3:52 तक, 12 दिसंबर पानी ग्रहण का मुहूर्त सुबह 6:50 से 8:56 तक और 14 दिसंबर पानी ग्रहण मुहूर्त रात 4:23 से रात 6:39 तक है। इसी तरह पुष्पांजलि पंचांग में विवाह मुहूर्त दिसंबर में 2, 3, 4, 9, 10, 11 और 14 तारीख है। 14 दिसंबर को व्रत पूर्णिमा है। 14 दिसंबर को शाम पांच बजे से पूर्णिमा है, इसमें व्रत कर सकते हैं। 15 को दोपहर 2:30 तक पूर्णिमा रहने वाली है। इसके बाद प्रतिपदा तिथि लग जाएगी। 15 तारीख को स्नान दान पूर्णिमा होगी। दोपहर 2:30 के बाद प्रतिपदा तिथि लग रही है। इसी के साथ पौष मास शुरू हो जाएगा।

2 शुभ योग में 6 दिसंबर को मनाई जायेगी विवाह पंचमी

- विवाह पंचमी पर करे वैवाहिक समस्या को दूर
- विवाह पंचमी करें वैवाहिक जीवन को सफल बनाने के लिए उपाय

मार्गशीर्ष मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी को विवाह पंचमी के रूप में मनाया जाता है। शास्त्रों के अनुसार इस दिन का विशेष महत्व है। प्रथा है कि इस दिन पुरुषोत्तम श्रीराम का विवाह माता सीता से हुआ था। हर साल इस दिन को भगवान राम और मां सीता की शादी की सालगिरह के रूप में मनाया जाता है पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि मार्गशीर्ष माह के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को विवाह पंचमी मनाई जाती है। इस साल 6 दिसंबर 2024 को विवाह पंचमी का पर्व मनाया जाएगा। मान्यता है कि इस दिन भगवान राम और माता सीता का विवाह हुआ था। इसलिए इस दिन उनकी पूजा अर्चना करने से साधक को मनोवांछित फलों की प्राप्ति होती हैं। इतना ही नहीं वैवाहिक जीवन भी सुखमय होता है। इस दिन सीता-राम के मंदिरों में विशाल आयोजन होते हैं। भक्त पूजा, यज्ञ और अनुष्ठान करते हैं। कई स्थानों पर श्री रामचरितमानस का पाठ भी किया जाता है।

विवाह पंचमी

तिथि आरंभ: 05 दिसंबर 2024 दोपहर 12:49 मिनट

तिथि समाप्त: 06 दिसंबर 2024 दोपहर 12:07 मिनट पर

2 शुभ योग– इस बार विवाह पंचमी के दिन 2 शुभ योग बन रहे हैं। पहला सर्वार्थ सिद्धि योग और दूसरा रवि योग बन रहा है। उस दिन सर्वार्थ सिद्धि योग सुबह में 07:00 बजे से लेकर शाम 5:18 मिनट तक है। पंचमी को शाम 5:18 मिनट से रवि योग भी बन रहा है, जो अगले दिन 7 दिसंबर को सुबह 7:01 मिनट तक है। इनके अलावा ध्रुव योग प्रात:काल से लेकर सुबह 10:43 मिनट तक रहेगा। फिर व्याघात योग बनेगा। विवाह पंचमी को प्रात:काल से श्रवण नक्षत्र है, तो शाम को 5:18 मिनट तक रहेगा। उसके बाद से धनिष्ठा नक्षत्र है।

सुयोग्य जीवनसाथी के लिए उपाय

जिन लोगों के विवाह में बाधाएं आ रही हो या फिर विलंब हो रहा हो उन्हें विवाह पंचमी के दिन व्रत रखना चाहिए और विधि-विधान के साथ भगवान राम और माता सीता का पूजन करना चाहिए। इसी के साथ प्रभु श्री राम और माता सीता का विवाह संपन्न करवाना चाहिए। पूजन के दौरान अपने मन में मनोकामना कहनी चाहिए। मान्यता है कि इससे शीघ्र विवाह के योग बनते हैं साथ ही सुयोग्य जीवन साथी की प्राप्ति होती है।

शीघ्र विवाह और सुखी वैवाहिक जीवन के लिए उपाय

जिन लोगों के विवाह में देरी हो रही हो या वैवाहिक जीवन में समस्याएं चल रही हो उन्हें विवाह पंचमी के दिन विधिपूर्वक पूजन करने के साथ ही रामचरितमानस में दिए गए राम-सीता प्रसंग का पाठ करना चाहिए। मान्यता है कि पूर्ण श्रद्धा से यह पाठ करने पर वैवाहिक जीवन सुखमय बनता है और विवाह में आने वाली बाधाएं भी दूर होती हैं।

रामचरितमानस का पाठ

मार्गशीर्ष की पंचमी तिथि को ही तुलसीदास जी ने रामचरितामानस पूर्ण की थी, साथ ही राम जी और सीता जी का विवाह भी इसी दिन हुआ था इसलिए विवाह पंचमी के दिन रामचरितमानस का पाठ करना बेहद शुभ माना जाता है। मान्यता है कि यदि इस दिन रामचरितमानस का पाठ किया जाए तो घर में सुख-शांति आती है साथ ही मनोकामना पूर्ण होती है।

विवाह पंचमी का महत्व

यह दिन उन लोगों के लिए बहुत शुभ माना जाता है। जिनके विवाह में कोई बाधा आ रही है। ऐसे व्यक्तियों को विवाह पंचमी के दिन विधि विधान से भगवान श्रीराम और माता सीता की पूजा करनी चाहिए। इससे शादी में आ रही रुकावटें दूर होती हैं। साथ ही अच्छा जीवनसाथी प्राप्त करें। इतना ही नहीं अगर शादीशुदा लोग इस व्रत को रखते हैं, तो विवाह में होने वाली सभी परेशानियां दूर हो जाती है। विवाह पंचमी के दिन घर में रामचरितमानस का पाठ करने से घर में सुख-शांति बनी रहती है।

विवाह पंचमी पूजा विधि

इस दिन जातक सुबह जल्दी उठें, स्नान करें और पूजा के लिए साफ कपड़े पहनें। भगवान राम और माता सीता की मूर्ति स्थापित करें। प्रभु राम को पीले वस्त्र और माता सीता को लाल वस्त्र अर्पित करें। फिर तिलक करें, धूप करें और विधि-विधान से पूजा शुरू करें। साथ ही मिट्टी के दीये जलाएं और इससे अपने घर को सजाएं।

विवाह पंचमी पर क्या करें

विवाह पंचमी पर उपवास रखना शुभ माना जाता है। इस दिन प्रभु राम और देवी सीता की विधिवत पूजा करनी चाहिए। इस दिन ज्यादा से ज्यादा धार्मिक कार्य करने चाहिए। इस दिन ब्रह्मचर्य का पालन करना चाहिए। इस दिन गंगा नदी में पवित्र स्नान करना चाहिए। इस पावन तिथि पर सात्विक भोजन ही ग्रहण करना चाहिए। इस दिन असहाय लोगों की मदद करनी चाहिए। इस दिन रामसीता के मंदिरों में दर्शन के लिए जाना चाहिए।

विवाह पंचमी पर क्या न करें

इस शुभ दिन पर भूलकर भी तामसिक भोजन जैसे - अंडा, प्याज, लहसुन और मांस आदि का सेवन न करें। इस तिथि पर शराब का सेवन करने से बचना चाहिए। इस दिन बाल और नाखून नहीं काटने चाहिए। इस दिन जीवनसाथी के साथ विवाद करने से भी बचना चाहिए। इस दिन जुए नहीं खेलना चाहिए। इस दिन बड़ों का अपमान करने से बचना चाहिए।

बेटी को विदाई में भूलकर भी न दें ये चीजें बढ़ सकती हैं जीवन की मुश्किलें

हर माता-पिता की यह चाहत होती है कि उसकी बेटी का वैवाहिक जीवन खुशियों से भरा हो और उसे किसी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े। इसके लिए वह उसे विदाई के दौरान उपयोग की सभी वस्तुएं भी उपहार के रूप में देते हैं। ऐसे में चलिए जानते हैं कि वह कौन-सी चीजें हैं, जिन्हें माता-पिता द्वारा विदाई के मौके पर अपनी बेटी को देने से न केवल बेटी पर बल्कि माता-पिता पर भी इसका बुरा प्रभाव देखने को मिलता है।

बढ़ सकती हैं मुश्किलें

विदाई के दौरान बेटी को घरेलू उपयोग की चीजें जैसे बर्तन आदि भी दिए जाते हैं। लेकिन कभी भी बेटी को आटे की छलनी नहीं देनी चाहिए। क्योंकि ऐसा करना बिल्कुल भी शुभ नहीं माना जाता। मान्यता है कि इससे आने वाले वैवाहिक जीवन में मुश्किलें बढ़ सकती हैं।

न दें ये चीजें

हिंदू धर्म में झाड़ू को मां लक्ष्मी से जोड़कर देखा जाता है। लेकिन ऐसा माना जाता है कि विदाई के दौरान माता-पिता को अपनी बेटी को झाड़ू नहीं देना चाहिए, इससे मां लक्ष्मी नाराज हो सकती हैं। इसी के साथ अपनी बेटी को नुकीली चीजें जैसे सुई, चाकू, कैंची आदि भी नहीं देना चाहिए। वरना इसका आने वाले जीवन पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।

रिश्तों में आ सकती है खटास

ऐसा भी मान्यता है कि बेटी को विदाई के वक्त अचार नहीं देना चाहिए। क्योंकि ऐसा माना जाता है कि बेटी को शगुन में खट्टी चीजें देने से उसके वैवाहिक रिश्तों में भी खटास पैदा हो सकती है। साथ ही माता-पिता के जीवन पर भी इसका अच्छा परिणाम नहीं देखने को मिलता। इसलिए विदाई के दौरान अपनी बेटी को भूल से भी अचार या खट्टी चीजें न दें।

वनवास का ट्रेलर रिलीज

दिल छू लेने वाली कहानी लेकर आए नाना पाटेकर और उत्कर्ष शर्मा

निर्देशक अनिल शर्मा पिछले काफी समय से फिल्म वनवास को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म में उनके बेटे उत्कर्ष शर्मा ने मुख्य भूमिका निभाई है, जो उनकी फिल्म गदर और गदर 2 में थे।फिल्म में नाना पाटेकर भी मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म के पोस्टर से लेकर टीजर और गाने तक दर्शकों को बेहद पसंद आए हैं।अब इस फिल्म का ट्रेलर भी रिलीज हो गया है, जिसकी चर्चा सोशल मीडिया पर खूब हो रही है।ट्रेलर की शुरुआत में उत्कर्ष कहते हैं, माता-पिता का कर्म होता है बच्चों को पालना और बच्चों का धर्म होता है मां-बाप को संभालना।फिल्म की कहानी उन लोगों पर है, जो पालकर अपने बच्चों को बड़ा करते हैं, लेकिन जब बच्चे बड़े हो जाते हैं तो मां-बाप को छोड़ देते हैं। नाना ऐसे ही शख्स के किरदार में हैं, जिन्हें उनके बच्चों ने उन्हें रास्ते पर छोड़ दिया है।ट्रेलर में भावुक कर देने वाले पल हैं।एक यूजर ने लिखा, मारधाड़ वाली फिल्मों के बीच एक महत्वपूर्ण विषय वाली फिल्म का ट्रेलर देख मजा आ गया। वाह!एक लिखते हैं, मैं फिल्म का पहले दिन का पहला शो देखूंगा। ऐसी फिल्मों को समर्थन मिलना चाहिए।एक ने लिखा, क्या गजब ट्रेलर है। ऐसा सिनेमा तो अब खो ही गया है।एक लिखते हैं, पिछले कुछ सालों से ऐसी ही फिल्म की तलाश थी, वहीं कुछ को सिमरत कौर और उत्कर्ष की केमिस्ट्री भी पसंद आई है।निर्देशक अनिल शर्मा कहते हैं, यह फिल्म मेरे बेहद करीब है, क्योंकि ये प्यार, बलिदान और परिवार के असली मतलब को समझाती है। नाना, उत्कर्ष, सिमरत, राजपाल यादव और बाकी कलाकारों ने अपने-अपने किरदारों से फिल्म में गहरी और असली भावनाएं डाली है। मैं दर्शकों को उनका सफर पर्दे पर दिखाने के लिए काफी उत्साहित हूं।उधर नाना के मुताबिक, वनवास सिर्फ एक कहानी नहीं है, ये उन भावनाओं का आईना है, जिन्हें हम अक्सर अपने अंदर दबाकर रखते हैं।ज़ी स्टूडियोज के बैनर तले बनी यह फिल्म 20 दिसंबर को सिनेमाघरों में आएगी। पिछली बार अनिल फिल्म गदर 2 लाए थे, जिसने बॉक्स ऑफिस पर कई नए रिकॉर्ड बनाए और धराशायी किए।फिल्म में उत्कर्ष और सिमरत दिखे थे। वनवास में यह जोड़ी दोबारा दर्शकों का दिल जीतने आ रही है।इस फिल्म में परिवार के सच्चे अर्थ को दिखाया गया है और बताया गया है कि रिश्ते खून से नहीं, बल्कि प्यार और स्वीकार्यता से बनते हैं।

सान्या मल्होत्रा ने अपनी आगामी म्यूजिक वीडियो आंख का धमाकेदार पोस्टर किया रिलीज

सान्या मल्होत्रा प्रतिष्ठित गायिका सुनिधि चौहान के साथ मिलकर अपने पहले संगीत वीडियो ट्रैक 'आंख' में अभिनय करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। अपने सिग्नेचर डांस मूव्स और करिश्मा दिखाते हुए, सान्या इस बहुप्रतीक्षित आगामी म्यूजिक वीडियो में सेंटर स्टेज लेने के लिए तैयार हैं। पोस्टर को सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए, सान्या को एक शानदार हरे रंग के आउटफिट में देखा जा सकता है, जो आत्मविश्वास और स्टाइल से भरपूर है। फैंस हमेशा से सान्या को और अधिक परफॉर्म करते हुए देखना चाहते थे और अब जब यह आ-खिरकार हो रहा है, तो वे यह जानने के लिए उत्साहित हैं कि आगे क्या होने वाला है। यह ट्रैक 5 दिसंबर को रिलीज़ होने वाला है, और सान्या और सुनिधि की बोल्ड और मजबूत छवि वाले पोस्टर ने पहले ही उत्साह बढ़ा दिया है।

इसकी बोल्ड थीम को देखते हुए, उम्मीद है कि सान्या अपने शानदार डांस मूव्स और मंत्रमुग्ध कर देने वाली उपस्थिति से स्क्रीन पर धमाल मचा देंगी। इस बीच, सान्या की फिल्म 'मिसेज' हाल ही में प्रीमियर हुई और 55वें इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया में स्टैंडिंग ओवेशन प्राप्त किया। उन्होंने अपनी आगामी धर्मा प्रोडक्शंस की फिल्म 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी के लिए उदयपुर शेड्यूल भी पूरा कर लिया है, जिसमें उनके सह-कलाकार वरुण धवन, जान्हवी कपूर और रोहित सराफ हैं। इसके अलावा, सान्या अनुराग कश्यप के साथ एक अनटाइटल्ड प्रोजेक्ट की तैयारी कर रही हैं, जहां वह बॉबी देओल के साथ स्क्रीन साझा करेंगी।

द डर्टी पिक्चर वाली सिल्क स्मिता की बायोपिक का ऐलान

विद्या बालन, नसीरुद्दीन शाह और इमरान हाशमी स्टारर फिल्म द डर्टी पिक्चर तो आपने देखी ही होगी। द डर्टी पिक्चर साउथ एक्ट्रेस सिल्क स्मिता की पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ पर आधारित है। द डर्टी पिक्चर को मिलन लूथरिया ने डायरेक्ट किया था, जो साल 2011 में रिलीज हुई थी। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर मोटी कमाई की थी और इस फिल्म से विद्या बालन का करियर टॉप पर पहुंच गया था। अब दिवंगत साउथ एक्ट्रेस सिल्क स्मिता की बर्थ एनिवर्सरी पर उनकी बायोपिक सिल्क स्मिता- क्वीन ऑफ द साउथ का एलान हुआ है और साथ ही एक्ट्रेस का फर्स्ट लुक भी सामने आया है।बता दें, एसटीआरआई सिनेमास ने सिल्क स्मिता की बायोपिक का एलान किया है। इसमें भारतीय मूल की आस्ट्रेलियाई एक्ट्रेस चंद्रिका रवि एक्ट्रेस सिल्क स्मिता का रोल करने जा रही हैं। बायोपिक सिल्क स्मिता- क्वीन ऑफ द साउथ के टीजर में चंद्रिका रवि का बतौर सिल्क स्मिता फर्स्ट लुक सामने आया है, जिसमें वह बेहद सुंदर दिख रही हैं। बता दें, बायोपिक सिल्क स्मिता- क्वीन ऑफ द

चंद्रिका रवि करेगी क्वीन ऑफ द साउथ का रोल, फर्स्ट लुक भी आया सामने

साउथ का निर्देशन जयराम शंकरण कर रहे हैं और एसबी विजय अमृतराज बायोपिक के निर्माता हैं।वहीं, मेकर्स ने सिल्क स्मिता- क्वीन ऑफ द साउथ अनाउंसमेंट टीजर शेयर किया है, जिसमें सिल्क स्मिता का चंद्रिका रवि के रूप में फर्स्ट लुक दिख रहा है। टीजर की शुरुआत देश की पहली महिला प्रधानमंत्री श्रीमति इंदिरा गांधी के केबिन से शुरू होता है, जिसमें वह कुछ अखबार और मैगजीन में देखती हैं कि हर तरफ सिल्क स्मिता छाई हुई हैं। इतना देखने के बाद श्रीमति इंदिरा गांधी पूछती हैं यह सिल्क कौन हैं इसके बाद सिल्क स्मिता के रोल में चंद्रिका रवि कार से अपने सिजलिंग लुक में निलकती हैं और लोगों की नजरें उनपर टिक जाती हैं।वहीं, सिल्क स्मिता- क्वीन ऑफ द साउथ बायोपिक के लिए दर्शकों के लंबा इंतजार करना पड़ सकता है, क्योंकि बायोपिक सिल्क स्मिता- क्वीन ऑफ द साउथ अगले साल 2025 के शुरू में फ्लोर पर आएगी।सिल्क स्मिता का जन्म 2 दिसंबर 1960 को एलुरू (आंध्र प्रदेश) में हुआ था और 23 सितंबर 1966 को महज 36 साल की उम्र में उनका निधन हो गया था। सिल्क ने अपने 17 साल के फिल्मी करियर में पांच भाषाओं में 450 फिल्में की थी। सिल्क का असली नाम विजयालक्ष्मी विदलपति था। वहीं, इनका स्टेज नेम सिल्क स्मिता था।

नागा चैतन्य से शादी के बंधन में बंधेगी शोभिता धुलिपाला

नाग चैतन्य और सोभिता धुलिपाला की शादी पिछले कुछ महीनों से सुर्खियों में बनी हुई है। अगस्त में सगाई के बाद से ही दोनों के रिश्ते की चर्चा जोरों पर है। अब यह खूबसूरत जोड़ी अपनी शादी के दिन को लेकर तैयार है। 4 दिसंबर, 2024 को हैदराबाद के अन्नपूर्णा स्टूडियो में शादी के दौरान सभी तेलुगु रस्मों का पालन करेंगे। शादी की रस्में शुरू हो चुकी हैं। इस जोड़ी का नया सफर शुरू होने वाला है।

सोभिता धुलिपाला की फिल्मी करियर

सोभिता धुलिपाला ने 2016 में फिल्म रमन राघव 2.0 से अभिनय की दुनिया में कदम रखा था। हालांकि फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ज्यादा सफल नहीं रही, लेकिन उनकी एक्टिंग को काफी सराहा गया। उन्होंने फिल्म में स्मृति नायडू के किरदार को निभाया था।

इसके बाद सोभिता ने कई फिल्मों और वेब शो में काम किया, जिनमें 'घोस्ट स्टोरीज', 'बार्ड ऑफ ब्लड', 'कुरुप', 'पोन्नियिन सेलवन', 'गुडाचारी', 'मंकी मैन', 'द नाइट मैनेजर' और 'मेड इन हेवन' जैसी प्रमुख प्रोजेक्ट्स शामिल हैं।

सोभिता का जन्म 31 मई 1992 को आंध्र प्रदेश के तेनाली में हुआ था। अभिनय के साथ-साथ उन्होंने 2013 में 'फेमिना मिस इंडिया' प्रतियोगिता में भी भाग लिया था, जहां वह फाइनलिस्ट रही थीं। इसके बाद उन्होंने एक्टिंग में अपना करियर बनाने का फैसला किया।

हिंदी और दक्षिण भारतीय सिनेमा में कई सालों तक काम करने के बावजूद सोभिता को सबसे ज्यादा लोकप्रियता 'मेड इन हेवन' शो से मिली, जिसमें उन्होंने तारा खन्ना का रोल निभाया। इस शो में एक वेडिंग प्लानर की भूमिका ने उन्हें विशेष पहचान दिलाई।

नाग चैतन्य और सोभिता धुलिपाला का रिश्ता

नाग चैतन्य और सोभिता धुलिपाला के रिश्ते की अफवाह 2022 में शुरू हुई, जब सोभिता को चैतन्य की बर्थडे पार्टी में देखा गया। उसके बाद दोनों की छुट्टियों की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो गईं। हालांकि दोनों ने इस रिश्ते को लेकर चुप्पी साधे रखी, लेकिन फिर नागार्जुन ने अपनी सगाई की घोषणा कर दी। इसके बाद से सोभिता अपने सोशल मीडिया पर शादी से पहले की रस्मों की तस्वीरें शेयर करती रही हैं।

एक जबरदस्त थ्रिलर होने का वादा करती है मिशन ग्रे हाउस

अपकमिंग फिल्म 'मिशन ग्रे हाउस' का सोमवार को पहला पोस्टर सामने आया। इस पोस्टर में एक रहस्यमयी व्यक्ति को दिखाया गया है जो मशाल जैसी वस्तु पकड़े हुए है। बीच में अबीर खान के किरदार कबीर राठौड़ को भी देखा जा सकता है। यह फिल्म कबीर राठौड़ (अबीर खान द्वारा अभिनीत) की यात्रा पर आधारित है, जो एक युवा पुलिस अधिकारी है। फिल्म में कबीर मामले को अपने हाथों में लेते हुए अपराध से लड़ना शुरू कर देता है। जब उसके काम पर कियारा के पिता का, जो इंस्पेक्टर जनरल हैं, ध्यान जाता है तो वह उन्हें एक खतरनाक मामले को सुलझाने की जिम्मेदारी सौंपते हैं।

अभिनेता को ग्रे हाउस में हो रही रहस्यमयी हत्याओं को उजागर करने के मिशन पर भेजा जाता है। फिल्म में कबीर जल्द ही खुद को खतरे में फंसा पाता है, मगर इस केस में उनका अस्तित्व दांव पर लगा है। अपने किरदार के बारे में बात करते हुए अबीर खान ने कहा, मैं इस पहली झलक के माध्यम से कबीर को दुनिया के सामने लाने के लिए रोमांचित हूं। यह मेरे लिए एक रोमांचक यात्रा रही है। मैं दर्शकों को 'मिशन ग्रे हाउस' द्वारा पेश की जाने वाली रहस्य की दुनिया में ले जाने के लिए इंतजार नहीं कर सकता।''

फिल्म का निर्देशन नौशाद ने किया है। इसमें पूजा शर्मा, राजेश शर्मा, किरण कुमार, निखत खान, कमलेश सावंत और अनुभवी अभिनेता रजा मुराद भी हैं। फिल्म के फर्स्ट लुक पर टिप्पणी करते हुए निर्देशक नौशाद ने कहा कि फर्स्ट लुक में फिल्म का सार, रहस्य, सस्पेंस और हर कोने में छिपे खतरे को दिखाया गया है।अबीर खान के किरदार कबीर को जोखिम की दुनिया में धकेल दिया गया है और पोस्टर में इसे बखूबी देखा जा सकता है। रफत फिल्म्स एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित और रिलायंस एंटरटेनमेंट द्वारा प्रस्तुत यह फिल्म 17 जनवरी 2025 को सिनेमाघरों में आएगी।

खबरें जो सोच बदल दें शुभ लाभ हिंदी दैनिक समाचार पत्र

महाकुंभ के लिए केंद्र सरकार देगी 2100 करोड़

केंद्र सरकार ने 1050 करोड़ की पहली किस्त जारी की

लखनऊ, 03 दिसंबर (एजेंसियां)। जनपद प्रयागराज में आगामी जनवरी माह से शुरू हो रहे विश्व के सबसे बड़े सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक समागम महाकुंभ-2025 के लिए केंद्र सरकार की ओर से बड़ा उपहार भेजा गया है। उत्तर प्रदेश सरकार के अनुरोध पर केंद्र सरकार ने 2100 करोड़ रुपए की विशेष अनुदान सहायता राशि स्वीकृत करते हुए पहली किस्त के रूप में 1050 करोड़ रुपए निर्गत कर दिये हैं। महाकुंभ का आयोजन 13 जनवरी 2025 से 26 फरवरी 2025 के मध्य निर्धारित है। महाकुंभ मेला के सकुशल आयोजन के लिए भारत सरकार से एकमुश्त विशेष सहायता अनुदान के रूप में धनराशि स्वीकृत किये जाने उप्र शासन द्वारा केंद्र सरकार से विशेष से अनुरोध किया गया था।

उत्तर प्रदेश की योगी सरकार पहले ही 5435.68 करोड़ रुपए भव्य, दिव्य और डिजिटल महाकुंभ के आयोजन पर खर्च कर रही है। सरकार द्वारा महाकुंभ के लिए 421 परियोजनाओं पर यह धनराशि खर्च की जा रही है। प्रदेश सरकार की ओर से अबतक 3461.99 लाख की वित्तीय स्वीकृति निर्गत की जा चुकी है। इसके अतिरिक्त विभिन्न विभागों, जिसमें लोक निर्माण विभाग, आवास एवं शहरी नियोजन विभाग, सेतु निगम, पर्यटन विभाग, सिंचाई, नगर निगम प्रयागराज, द्वारा विभागीय बजट मद से 1636.00 करोड़ रुपए की 125 परियोजनाओं को क्रियान्वित कराया जा रहा है।

महाकुंभ 2025 के अन्तर्गत अवसंरचनात्मक सुविधायें, जिसमें रेलवे ओवरब्रिज, रेलवे अण्डरब्रिज, सड़कों का सुदृढ़ीकरण एवं चौड़ीकरण का कार्य, नदी के किनारे कटाव निरोधक कार्य सहित इण्टरलॉकिंग सड़क मार्ग, रिवर फ्रन्ट का निर्माण, स्मार्ट सिटी एवं प्रयागराज विकास प्राधिकरण के समन्वय से प्रयागराज को सर्वश्रेष्ठ स्मार्ट सिटी के रूप में विकसित किये जाने की कार्ययोजना के अन्तर्गत समस्त चौराहों का थीम बेस्ड सौन्दर्याकरण, आईटी बेस्ड मॉनिटरिंग इत्यादि कार्य एवं श्रद्धालुओं के लिए स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था का सुचारू रूप से संचालन किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त स्वच्छ भारत मिशन एवं नगर निगम, प्रयागराज के समन्वय से शहर की साफ-सफाई एवं स्वच्छता के लिए उच्च कोटि की व्यवस्था की जा रही है। सॉलिड वेस्ट प्रबन्धन एवं शहर को 100 प्रतिशत सीवरेज ट्रीटमेन्ट से आच्छादित किया जा रहा है।

इसके अतिरिक्त महाकुंभ 2025 के अन्तर्गत विभिन्न अभिनव प्रयोग यथा, जिसमें डिजीटल कुंभ म्यूजियम का निर्माण एवं पर्यटन रूट सर्किट (प्रयागराज-अयोध्या-वाराणसी-विन्ध्यांचल-चित्रकूट) का निर्माण इत्यादि किये जा रहे हैं। महाकुंभ 2025 के अन्तर्गत श्रद्धालुओं, पर्यटकों एवं दर्शनार्थियों के आवागमन एवं पुण्य स्नान किये जाने की अत्युत्तम व्यवस्था की जा रही है।

साथ ही महाकुंभ 2025 को दिव्य महाकुंभ, भव्य महाकुंभ के साथ-साथ स्वच्छ महाकुंभ, सुरक्षित महाकुंभ, सुगम महाकुंभ, डिजिटल महाकुंभ, ग्रीन महाकुंभ की अवधारणा के रूप में विकसित किये जाने का लक्ष्य है।

सर्वे से क्यों डर रहा मुस्लिम पक्ष?

बदायूं के जामा मस्जिद मामले में सुनवाई टली

हिंदू पक्ष ने बताया नीलकंठ महादेव मंदिर

बदायूं, 03 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में संभल की शाही जामा मस्जिद के बाद अब बदायूं की जामा मस्जिद सुर्खियों में छाई हुई है। बदायूं के नीलकंठ महादेव मंदिर बनाम जामा मस्जिद मामले में आज कोर्ट में सुनवाई होने वाली थी। कोर्ट में बहस पूरी नहीं होने की वजह से इसे टाल दिया गया है। अब मामले की अगली सुनवाई दस दिसंबर को होगी। डिस्ट्रिक्ट कोर्ट में हिंदू पक्ष ने दलील देते हुए सर्वे की मांग की थी तो वहीं मुस्लिम पक्ष ने जवाब देते हुए इस माहौल बिगाड़ने की कोशिश बताया।

मुस्लिम पक्ष के वकील अनवर आलम ने कोर्ट में कहा कि यह मामला सुनने लायक नहीं है। हिंदू महासभा को इसमें वाद दायर करने का कोई भी अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा कि इन्होंने वादी नीलकंठ महादेव को बनाया है और वादी कोई प्रत्यक्ष व्यक्ति होता है। हिंदू पक्ष की बहस नहीं हुई है। मुस्लिम पक्ष के मंदिर के अस्तित्व को नहीं मानने पर हिंदू पक्ष के वकील ने कहा कि अगर यहां पर मंदिर का कोई अस्तित्व ही मौजूद नहीं है तो सर्वे कराने से क्यों डर रहे हैं।

अब विवाद पर गौर करें तो हिंदू महासभा ने अध्यक्ष मुकेश पटेल ने कोर्ट में वाद दाखिल किया है। उन्होंने कहा कि जिस जगह पर जामा मस्जिद मौजूद है वहां पर नीलकंठ महादेव का मंदिर था। इस बात के सबूत भी हैं। आज भी यहां पर मूर्तियां, पुराने खंभे और नीचे सुरंग भी है। पहले यहां पर तालाब भी हुआ करता था। जब मुस्लिम आक्रांता आए तो मंदिर को तोड़ दिया गया। मुकेश पटेल ने दावा किया है कि कुतुबुद्दीन ऐबक के समय मंदिर को तोड़कर मस्जिद का निर्माण किया गया। 1875 से 1978 तक के गजट में इसके सबूत भी मिलते हैं। इसमें लिखा है कि मंदिर को तोड़कर मस्जिद बनाई गई। बता दें कि सिविल जज सीनियर डिवीजन फास्ट ट्रैक कोर्ट के न्यायाधीश अमित कुमार के न्यायालय में यह मामला विचाराधीन हैं।

ऐसा ही एक विवाद संभल में भी जारी है। यहां पर हिंदू पक्ष ने दावा किया कि संभल की जामा मस्जिद को तोड़कर मंदिर का निर्माण किया गया है। कोर्ट के आदेश के बाद सर्वे की टीम पहुंची तो जमकर बवाल हो गया। उपद्रवियों ने पुलिस पर जमकर पत्थर बरसाए। इसके बाद हालात पर काबू पाने के लिए पुलिस को काफी कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। इस बवाल में चार लोगों की मौत हो गई थी और कई लोग घायल हो गए थे। मामले पर सियासी बयानबाजी आज भी जारी है।

हाकुंभ में होगा सितारों का संगम

गंगा पंडाल में सुर बिखेरेंगे शंकर महादेवन, कैलाश खेर, सोनू निगम और श्रेया घोषाल

विशाल भारद्वाज, ऋचा शर्मा और जुबिन नौटियाल भी श्रद्धालुओं को सुर पर झुमाएंगे

प्रयागराज, 03 दिसंबर (एजेंसियां)। महाकुंभ 2025 में सिर्फ देश और विदेश के श्रद्धालु गंगा, यमुना और सरस्वती के संगम में पवित्र डुबकी ही नहीं लगाएंगे, बल्कि वो बॉलीवुड के सितारों के संगम से भी सराबोर होंगे। मेला क्षेत्र में बन रहे गंगा पंडाल में ये सितारे पूरे महाकुंभ के दौरान अपनी प्रस्तुतियों से श्रद्धालुओं के लिए इस आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महाआयोजन को और अधिक पावन बनाएंगे। इनमें सिंगर और कंपोजर शंकर महादेवन, कैलाश खेर, सोनू निगम, विशाल भारद्वाज, ऋचा शर्मा, जुबिन नौटियाल और श्रेया घोषाल जैसे सितारे अपनी प्रस्तुतियां देंगे। इस पूरे आयोजन को उत्तर प्रदेश संस्कृति विभाग भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के सहयोग से आयोजित करेगा। इन कलाकारों की प्रस्तुतियों के लिए शेड्यूल भी प्रस्तावित किया गया है, लेकिन यह उनकी उपलब्धता पर निर्भर करेगा। आयोजन में सम्मिलित होने पर असमर्थता जताने पर उनकी जगह किसी अन्य कलाकार की प्रस्तुति का प्रयास किया जाएगा।

प्रस्तावित योजना के अनुसार गंगा पंडाल में इन सितारों की प्रस्तुतियां आयोजित की जाएंगी। मेला क्षेत्र स्थित गंगा पंडाल में 10 हजार लोगों की मौजूदगी में यह कार्यक्रम संपन्न किया जाएगा। इसके लिए शाम 4 बजे से रात 8 बजे तक का समय निर्धारित किया गया है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि महाकुंभ की शुरुआत भले ही 13 जनवरी से हो रही हो, लेकिन भक्तिमय सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की शुरुआत 10 जनवरी से ही हो जाएगी। प्रस्तावित शेड्यूल के अनुसार 10 जनवरी को शुक्रवार के दिन फेमस सिंगर और म्यूजिक कंपोजर शंकर महादेवन अपनी प्रस्तुतियों से श्रद्धालुओं को झूमने पर मजबूर कर देंगे तो वहीं 11 जनवरी को प्रदेश की चर्चित लोकगायिका मालिनी अवस्थी अपनी प्रस्तुति से लोगों को मंत्र मुग्ध करेंगी।

अपनी आवाज से लोगों को अपना दीवाना बनाने वाले सिंगर कैलाश खेर भी महाकुंभ में लोगों को अपनी भक्तिमय सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से सराबोर करने के लिए उपस्थित रहेंगे। कैलाश खेर की प्रस्तुति के लिए 18 जनवरी का दिन प्रस्तावित है।

इसी तरह 19 जनवरी की शाम को सोनू निगम भी श्रद्धालुओं के बीच अपनी जादुई आवाज का जलवा बिखेर सकते हैं। फेमस लोकगायिका मैथिली ठाकुर 20 जनवरी को, कविता पौडवाल 31 जनवरी को, विशाल भारद्वाज एक फरवरी को, ऋचा शर्मा 2 फरवरी को, जुबिन नौटियाल 8 फरवरी को, रसिका शेखर 10 फरवरी को, हंसराज रघुवंशी 14 फरवरी को और श्रेया घोषाल 24 फरवरी को अपनी सुरीली आवाज से श्रद्धालुओं को आध्यात्म और श्रद्धा के रस में सराबोर करेंगी।

महाकुंभ-2025: 45 करोड़ श्रद्धालुओं की सुरक्षा के हो रहे पुख्ता उपाय

700 झंडे लगी नाव पर 24 घंटे तैनात रहेंगे सुरक्षाबल

लाइफ जैकेट, नई फ्लोटिंग जेटी और रेस्क्यू ट्यूब आए

प्रयागराज, 03 दिसंबर (एजेंसियां)। महाकुंभ 2025 को सनातन धर्म का सबसे बड़ा आयोजन बनाने के लिए प्रतिबद्ध योगी सरकार हर आपात स्थिति से निपटने के लिए तैयार है। दुनिया के सबसे बड़े सांस्कृतिक कार्यक्रम में हर परिस्थिति में 45 करोड़ लोगों के संगम स्नान का पूरा सुरक्षित प्लान तैयार कर लिया गया है। इसके लिए पीएसी के साथ एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीम मिलकर काम कर रही हैं। जिसमें बाकायदा एक-एक श्रद्धालु की सुरक्षा को लेकर रणनीति बनाई जा रही है। यहां 700 झंडे लगी नाव पर 24 घंटे पीएसी, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ के जवान तैनात रहेंगे। संगम में स्नान करने वाले श्रद्धालुओं को मौजगिरी के रास्ते सुरक्षित निकाले जाने की योजना बनाई गई। सबसे खास बात यह है कि संगम नोज से किलाघाट तक सभी जर्जर नाव हटाई जाएंगी। इसी क्रम में देश विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए बड़े पैमाने पर रिमोट लाइट बॉय तैनात किए गए हैं, जो पलक झपकते कहीं भी पहुंचने में सक्षम हैं और किसी भी अनहोनी से पहले व्यक्ति को सुरक्षित स्थान ले जाने में सक्षम हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर महाकुंभ को धरती का सबसे बड़ा सांस्कृतिक आयोजन बनाने की तैयारी दिन रात चल रही है। इसके दृष्टिगत सीएम योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर प्रभारी पुलिस महानिरीक्षक, पूर्वी जोन, प्रयागराज डॉ. राजीव नारायण मिश्र और कमांडेंट एसडीआरएफ सतीश कुमार संगम नोज और वीआईपी घाट पहुंचे। उन्होंने जवानों को सुरक्षा व्यवस्था चाक चौबंद रखने का निर्देश दिया। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर एक-एक श्रद्धालु की सुरक्षा पर नजर रखी जाएगी। साथ ही पीएसी, एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीम के जवानों को हर आधुनिक टेक्नोलॉजी से प्रशिक्षित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि जवानों के लिए अत्याधुनिक लाइफ जैकेट, 04 नई फ्लोटिंग जेटी और बड़े पैमाने पर रेस्क्यू ट्यूब मंगा लिए गए हैं, जिससे किसी भी विषम परिस्थिति से निपटने में हमारे जवान सक्षम रहेंगे।

वीआईपी मूवमेंट वाले किला घाट पर सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए गए हैं। यहां पर स्पेशल फोर्स की तैनाती की जा रही है, जिससे देश विदेश से आने वाले एक भी श्रद्धालु को किसी प्रकार की दिक्कत न होने पाए। यही नहीं, सरस्वती घाट से लेकर संगम घाट तक कड़ी सुरक्षा का विशेष इंतजाम किया जा रहा है। यहां डीप बैरिकेडिंग की जा रही है। इसके अलावा घाट पर चारों तरफ जाल लगाने का काम अपने अंतिम चरण में पहुंच गया है।

महाकुंभ को सकुशल एवं निर्विघ्न सम्पन्न कराने के उद्देश्य से 4वीं वाहिनी एवं 42वीं वाहिनी के पीएसी के बाढ़ राहत दलों ने संगम घाट और विकसित किए जा रहे विभिन्न स्नान घाटों की भौगोलिक स्थिति का भी निरीक्षण किया। साथ ही किसी भी विषम परिस्थिति से निपटने के लिए पूर्वाभ्यास भी किया गया। प्रभारी पुलिस महानिरीक्षक, पूर्वी जोन, प्रयागराज डॉ. राजीव नारायण मिश्र ने जवानों को सजग रहकर अपने दायित्व का निर्वाहन करने का निर्देश दिया। दलनायक बाढ़ राहत दल 4वीं वाहिनी पीएसी रवीन्द्र प्रसाद, दलनायक 42वीं वाहिनी मिथिलेश राय ने भी जवानों की टीम को श्रद्धालुओं की सुरक्षा में मुस्तैद रहने के तरीके बताए।

डॉ. राजीव नारायण मिश्र ने बताया कि महाकुंभ में देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए 07 कंपनी पीएसी तैनात कर दी गई है, जिसके तहत एक कंपनी जीआरपी में और एक कंपनी को कमिश्नरेट में तैनात किया गया है। इसके अलावा पांच कंपनी मेले में लगाई गई है। जिनमें से दो कंपनियां बाढ़ राहत दल में तैनात हैं। सभी कुशल तैराकों को इस राहत वाली टीम में लगाया गया है, जो किसी भी विषम परिस्थिति से निपटने में सक्षम हैं।

महाकुंभ को लेकर सुरक्षा व्यवस्था में तैनात जवानों को कम्युनिकेशन में दक्ष बनाया जा रहा है। इन्हें सिखाया जा रहा है कि एक नाव से दूसरे नाव में तैनात जवान किस प्रकार से एक दूसरे से कम्युनिकेशन करेंगे। इसके अलावा बोट पलटने या किसी के साथ अनहोनी होने पर उसे बचाने के लिए क्या तात्कालिक व्यवस्था करनी है, इसके तहत जवानों ने पूर्वाभ्यास किया। साथ ही पेट्रोलिंग करके प्रभारी पुलिस महानिरीक्षक, पूर्वी जोन, प्रयागराज डॉ. राजीव नारायण मिश्र और कमांडेंट एसडीआरएफ सतीश कुमार के समक्ष अपनी कुशलता का प्रदर्शन किया।

महाकुंभ में तीर्थयात्रियों के स्वागत के लिए रेलवे तैयार

992 स्पेशल ट्रेनों के अलावा हाइटेक गेमिंग जोन और फ्रेट कॉरिडोर भी

प्रयागराज, 03 दिसंबर (एजेंसियां)। महाकुंभ 2025 का आयोजन 13 जनवरी से 26 फरवरी तक प्रयागराज में होने वाला है। दुनियाभर के करोड़ों श्रद्धालुओं के जुटने की उम्मीद के बीच, भारतीय रेलवे ने आयोजन को सफल और सुगम बनाने के लिए कई अत्याधुनिक व्यवस्थाएं शुरू की हैं। रेलवे का मुख्य उद्देश्य महाकुंभ के दौरान तीर्थयात्रियों को सुविधाजनक, सुरक्षित और समय पर यात्रा का अनुभव प्रदान करना है।

प्रयागराज मंडल का नया कंट्रोल रूम अत्याधुनिक तकनीक से लैस है। यहां बड़ी स्क्रीन पर स्टेशनों की ट्रेन वेक्टर रीडआउट, सिग्नल इंटरलॉकिंग प्लान, यार्ड डायग्राम और लाइन की उपलब्धता की जानकारी उपलब्ध रहेगी। आपात स्थिति में डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर के कंट्रोल रूम से सीधा संवाद स्थापित करने की व्यवस्था की गई है। इसके अलावा, सीसीटीवी के जरिए प्रमुख स्टेशनों पर भीड़ प्रबंधन पर नजर रखी जाएगी। रेलवे ने कुंभ मेले के दौरान 992 विशेष ट्रेनें चलाने की घोषणा की है। इनमें से 300 से ज्यादा ट्रेनें मौनी अमावस्या के विशेष स्नान पर्व के दौरान चलाई जाएंगी। इसके साथ ही 140 गुजरने वाली ट्रेनों को प्रयागराज क्षेत्र में ठहराव दिया गया है, जिससे अधिक से अधिक श्रद्धालु इनका लाभ उठा सकें। इसमें उत्तर रेलवे, उत्तर मध्य रेलवे और पूर्वोत्तर रेलवे डिवीजन की अहम भूमिका होगी।

रेलवे ने इन विशेष ट्रेनों के लिए 174 लंबी रेक तैनात करने की योजना बनाई है। यात्री सुविधाओं को बढ़ाने के लिए 933 करोड़ रुपए की राशि आवंटित की गई है। इसके अलावा, 3,700 करोड़ रुपए की लागत से रेलवे ट्रैक को दोगुना करने की परियोजना शुरू की गई है। महाकुंभ में आने वाले तीर्थयात्रियों के मनोरंजन का भी ध्यान रखा गया है। प्रयागराज जंक्शन पर रेलवे द्वारा एक गेमिंग जोन बनाया जा रहा है। इस गेमिंग जोन में हाई-एंड वीआर क्रिकेट बॉक्स, मोशन थिएटर, जंगल सफारी, एयर हॉकी, और अन्य आकर्षक गेम्स शामिल हैं। यह सुविधा जनवरी 2025 से शुरू होगी, जिससे तीर्थयात्री आध्यात्मिकता के साथ-साथ मनोरंजन का भी आनंद ले सकेंगे।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने एक उच्चस्तरीय बैठक में कुंभ मेले की तैयारियों की समीक्षा की। बैठक में सुरक्षा और संरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए गए। मंत्री ने त्योहारी सीजन में भीड़ प्रबंधन और पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने पर जोर दिया। प्रयागराज शहर के अंदर कुल 10 रेलवे स्टेशन हैं।

ऑपरेशन के लिए तैयार आईएनएस विक्रांत

समुद्री इतिहास में निर्मित सबसे बड़ा युद्धपोत

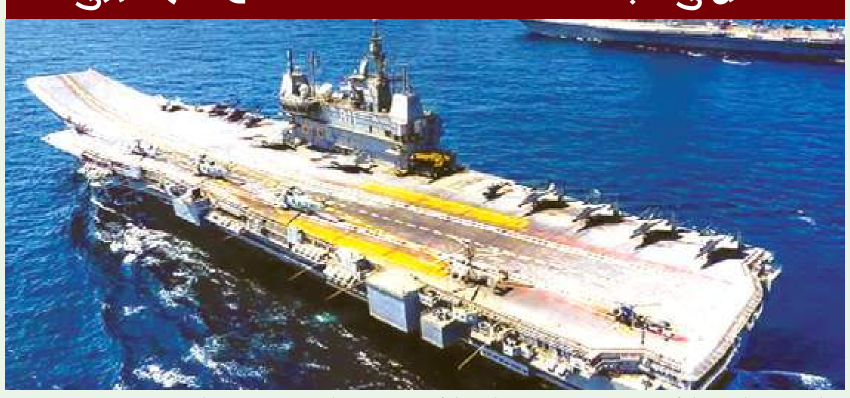

कोच्चि, 03 दिसंबर (एजेंसियां)। दक्षिणी नौसेना कमान के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ वाइस एडमिरल वी श्रीनिवास ने कहा कि भारत के स्वदेशी विमान वाहक पोत आईएनएस विक्रांत ने पूर्ण परिचालन स्थिति हासिल कर ली है।

इसके पहले आईएनएस ने इस साल अपनी अंतिम परिचालन मंजूरी हासिल की थी। कोच्चि में नौसेना के जहाज आईएनएस शार्दुल पर मीडिया से बातचीत में श्रीनिवास ने कहा कि विभिन्न परीक्षणों के पूरा होने और जहाज के बेड़े के एकीकरण के साथ आईएनएस विक्रांत अब पूरी तरह से चालू हो चुका है। वह पश्चिमी बेड़े के तहत काम कर रहा है।

श्रीनिवास ने इस बात पर जोर दिया कि देश और नौसेना के लिए गौरव का प्रतीक यह युद्धपोत भारतीय नौसेना के सभी अभियानों और प्रतिबद्धताओं को पूरा करने में पूरी तरह सक्षम है। पोत को 2022 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से सेना में शामिल किया गया था। इसे भारतीय नौसेना के युद्धपोत डिजाइन ब्यूरो (डब्लूडीबी) ने डिजाइन किया है और इसका निर्माण कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड की ओर से किया गया है।

आईएनएस विक्रांत भारत के समुद्री इतिहास में अब तक निर्मित सबसे बड़ा युद्धपोत है। अत्याधुनिक स्वचालन सुविधाओं से युक्त इस जहाज में लगभग 2,200 कंपार्टमेंट हैं। जिन्हें महिला अधिकारियों और नाविकों समेत लगभग 1,600 लोगों के चालक दल को समायोजित करने के लिए डिजाइन किया गया है। इसमें मिग-29के लड़ाकू जेट, कामोव-31 हेलीकॉप्टर, एमएच-60आर मल्टी-रोल हेलीकॉप्टर, और स्वदेशी रूप से निर्मित उन्नत हल्के हेलीकॉप्टर (एएलएच) और हल्के लड़ाकू विमान (एलसीए) तैनात हैं।

किसानों के प्रदर्शन से राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में अफरा तफरी

नोएडा में हंगामा, खाली कराया दलित प्रेरणा स्थल

कई किलोमीटर तक लगा रहा जाम, लोग परेशान

नोएडा, 03 दिसंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट की हिदायत के बावजूद आम नागरिकों की दिनचर्या में बाधा पहुंचा रहे प्रदर्शनकारी किसानों को दलित प्रेरणा स्थल से हटाया गया। किसानों ने नोएडा में काफी बवाल किया। पुलिस ने कई किसानों को हिरासत में लिया है। किसानों के बवाल करने से सड़क पर लंबा जाम लग गया। किसानों को पुलिस ने जैसे ही हिरासत में लिया, उसके बाद राकेश टिकैत ने ऐलान कर दिया कि वह नोएडा पहुंच रहे हैं। इस पर किसानों ने और भी हो हल्ला मचाया।

हिरासत में लिए गए प्रदर्शनकारी किसानों को ग्रेटर नोएडा की लुक्सर जेल भेजा गया है। करीब पांच बसों में किसानों को जेल ले जाया गया है। किसान यहां पर अपना धरना जारी रखे हुए हैं। इस बीच नई दिल्ली क्षेत्र में बीएनएस की धारा 163 लागू हो गई है। किसानों के दिल्ली चलो मार्च को लेकर विभिन्न स्थानों पर सुरक्षा व्यवस्था पर संयुक्त सीपी संजय कुमार ने कहा, संसद सत्र को देखते हुए नई दिल्ली क्षेत्र में बीएनएस की धारा 163 लागू की गई है। सोमवार को भी किसानों के प्रदर्शन के कारण दिल्ली और ग्रेटर नोएडा के बीच एक्सप्रेस-वे पर ट्रैफिक पूरी तरह से ठप्प पड़ गया था।

वक्फ बोर्ड घोटाले में अमानतुल्लाह की रिहाई के खिलाफ ईडी

ट्रायल कोर्ट के फैसले को हाईकोर्ट में दी चुनौती

नई दिल्ली, 03 दिसंबर (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी (आपा) के ओखला से विधायक अमानतुल्लाह खान की मुश्किलें कम होने का नाम ही नहीं ले रही हैं। वक्फ बोर्ड मनी लॉन्ड्रिंग के केस में प्रवर्तन निदेशालय ने दिल्ली हाई कोर्ट में अपील की। इसमें जांच एजेंसी ने ट्रायल कोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी है, जिसमें कोर्ट ने उसके पूरक आरोप पत्र पर संज्ञान लेने से इंकार कर दिया था। साथ ही कोर्ट ने अमानतुल्लाह खान को ईडी की ज्यूडिशियल कस्टडी से भी तुरंत रिहा करने का आदेश दिया था। कोर्ट का कहना था कि ईडी ने अभियोजन पक्ष की अपेक्षित मंजूरी ही नहीं ली। मामले की सुनवाई करते हुए दिल्ली हाईकोर्ट ने ईडी से इस अपराध पर अपना रुख स्पष्ट करने और पीएमएलए एक्ट के तहत मंजूरी की आवश्यकता पर भी विचार करे। ईडी ने अपनी याचिका में आरोप लगाए हैं कि ट्रायल कोर्ट ने पीएमएलए एक्ट के तहत कड़े प्रावधानों और धारा 45 पर विचार किए बिना ही आपा विधायक को रिहा कर दिया।

ईडी का आरोप है कि अगर राउज एवेन्यू कोर्ट चाहता तो जमानत याचिका पर सुनवाई के दौरान इन सभी मुद्दों को सुलझा सकता था, लेकिन ऐसा करने की बजाय कोर्ट ने सीधे आरोपी को छोड़ दिया। हालांकि, कोर्ट ने गलत कार्यों के सबूतों को जरूर स्वीकार कर लिया। गौरतलब है कि 2 सितंबर 2024 को ईडी की टीम ने ईडी की टीम मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच के सिलसिले में अमानतुल्लाह के ओखला स्थित आवास पर पहुंची। ईडी की छह सदस्यीय टीम ने उनसे लंबी पूछताछ करने के बाद गिरफ्तार कर लिया। उल्लेखनीय है कि आम आदमी पार्टी के विधायक दिल्ली वक्फ बोर्ड से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी की जांच के घेरे में हैं। विधायक पर आरोप है कि उन्होंने दिल्ली वक्फ बोर्ड का अध्यक्ष रहते हुए 32 लोगों की अवैध रूप से भर्ती कराई और फंड का गलत इस्तेमाल किया। दिल्ली वक्फ बोर्ड के तत्कालीन सीईओ ने इस तरह की अवैध भर्ती को लेकर बयान दिया था।

भीषण सर्दी के बीच कश्मीर में बिजली की आंख मिचौली

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 03 दिसंबर (ब्यूरो)। हाड़ कंपा देने वाली सर्दी के समय से पहले आने और बिजली की अत्यधिक खपत के कारण कश्मीर घाटी में हर दिन औसतन अलग-अलग लोड क्षमता वाले कम से कम 50 वितरण ट्रांसफार्मर (डीटी) क्षतिग्रस्त हो रहे हैं। जबकि दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले के पंद्रह गांव पिछले दो सप्ताह से बिजली की गंभीर कमी से जूझ रहे हैं। रेडवई बाला, हवूरा, मिशिपोरा, विदोवपोरा, कलाद्रंग, कुज्जर तेंगबल, बाटापोरा, गुंडबल, नौबल, एनपीकेपी, ओडिपोरा, वानपोरा और आसपास के इलाकों के निवासियों को लंबे समय से बिजली कटौती के कारण भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

कश्मीर पावर डिस्ट्रीब्यूशन कारपोरेशन लिमिटेड (केपीडीसीएल) के एक शीर्ष अधिकारी ने बताया कि पिछले एक महीने से अधिक समय से बड़ी संख्या में डीटी क्षतिग्रस्त हो रहे हैं, जिनमें से कुछ को तुरंत मरम्मत कर दिया गया है, जबकि अन्य को कार्यशालाओं में ले जाया गया है। अधिकारी ने बताया कि औसतन, हर दिन कम से कम 50 डीटी क्षतिग्रस्त हो रहे हैं। डीटी के क्षतिग्रस्त होने का मुख्य कारण ओवरलोडिंग और कच्चे हीटिंग गैजेट का उपयोग करना है। उन्होंने कहा कि अधिकांश डीटी ग्रामीण क्षेत्रों में क्षतिग्रस्त हो रहे हैं, जहां अधिकांश उपभोक्ता बिना मीटर के हैं। डीटी की क्षति लागत के बारे में अधिकारी ने कहा कि औसतन, क्षतिग्रस्त डीटी में से अधिकांश की लागत 2 लाख रुपए से 2.5 लाख रुपए तक है। इस बीच, केपीडीसीएल ने एक बयान में कहा कि नवंबर महीने में कम से कम 1043 डीटी क्षतिग्रस्त हो गए और 1035 को एक साथ बहाल किया गया।

केपीडीसीएल के मुख्य अभियंता (वितरण) आकिब वहीद देवा ने एक बयान में उपभोक्ताओं को सलाह दी कि वे कटौती के घंटों के बाद बिजली आपूर्ति फिर से शुरू होने पर अपने हीटिंग लोड को समायोजित करें। उन्होंने कहा कि 15 या 20 मिनट के भीतर बिजली गुल होना मुख्य रूप से सभी हीटिंग गैजेट्स को एक साथ चालू करने के कारण होता है।

मुख्य अभियंता ने आश्वासन दिया कि यदि हीटिंग लोड को उपभोक्ताओं के स्वीकृत लोड के साथ विवेकपूर्ण तरीके से सिंक्रोनाइज़ किया जाता है, तो अनिर्धारित बिजली कटौती गायब हो जाएगी। देवा ने आगे कहा कि केपीडीसीएल विभिन्न डिवीजनल वर्कशॉप के साथ-साथ सेंट्रल वर्कशॉप पंपोर में अपने क्षतिग्रस्त डीटी को पुनः प्राप्त करके 1554 डीटी का बफर स्टॉक बनाए रख रहा है। इस बीच दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले के पंद्रह गांव पिछले दो सप्ताह से बिजली की गंभीर कमी से जूझ रहे हैं। रेडवई बाला, हवूरा, मिशिपोरा, विदोवपोरा, कलाद्रंग, कुज्जर तेंगबल, बाटापोरा, गुंडबल, नौबल, एनपीकेपी, ओडिपोरा, वानपोरा और आसपास के इलाकों के निवासियों को लंबे समय से बिजली कटौती के कारण भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

ग्रामीणों ने बताया कि बिजली की कमी ने रोजमर्रा की जिंदगी को बाधित कर दिया है, जिससे बुजुर्ग, मरीज और बच्चे जैसे कमजोर वर्ग बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। उन्होंने कहा कि चिकित्सा उपकरणों पर निर्भर बुजुर्ग व्यक्ति और मरीज जीवन के लिए खतरनाक कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं, जबकि बच्चे उचित रौशनी की कमी के कारण पढ़ाई करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। ग्रामीणों ने कहा कि उन्होंने जिला मजिस्ट्रेट को पत्र लिखकर बिना किसी देरी के इस मुद्दे को हल करने का आग्रह किया है। हम जिला विकास आयुक्त से तुरंत हस्तक्षेप करने का आग्रह कर रहे हैं, बिजली कटौती के कारणों की गहन जांच का अनुरोध कर रहे हैं। उन्होंने कहा, हम स्थिर विद्युत आपूर्ति की शीघ्र बहाली की भी मांग करते हैं।

एक आतंकी ढेर, पूर्व वीडीजी सदस्य का शव मिला

जम्मू, 03 दिसंबर (ब्यूरो)। जम्मू कश्मीर में आज चार अलग अलग घटनाओं में एक आतंकी को मार गिराया गया तो एक पूर्व वीडीजी सदस्य का शव रहस्यमय परिस्थितियों मेम मिला है। जबकि एक सैन्यकर्मी की मौत उस समय हो गई जब उसकी बंदूक से गलती से गोली चल गई जबकि एक केरिपुब जवान ने अपने आपको गोली मार कर आत्महत्या कर ली।

जम्मू कश्मीर में सुरक्षा बलों को बड़ी कामयाबी मिली है। सुरक्षाबलों ने श्रीनगर के हरवान इलाके में एक मुठभेड़ में एक आतंकी को मार गिराया है। फिलहाल इलाके में सर्च आपरेशन जारी है। इलाके को सील कर गहन तलाशी अभियान चलाया गया है। जानकारी के अनुसार विशिष्ट खुफिया इनपुट के आधार पर सेना और जम्मू कश्मीर पुलिस द्वारा श्रीनगर के हरवान में एक संयुक्त अभियान शुरू किया गया। तलाशी के दौरान सुरक्षा बलों के संदिग्ध स्थान की ओर आगे बढ़ने पर आतंकियों ने गोलीबारी की। इस दौरान सुरक्षाबलों ने भी जवाबी कार्रवाई की। इस तरह दोनों के बीच गोलीबारी शुरू हो गई। इस गोलीबारी में एक आतंकी मारा गया।

इलाके में कितने आतंकी फंसे हैं इसके बारे में जानकारी नहीं मिली है। फिलहाल इलाके में तलाशी अभियान जारी है। मुठभेड़ स्थल की ओर जाने वाली सभी सड़कों को पुलिस ने सील कर दिया गया है। पुलिस के अनुसार दाचीगाम के जंगल में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में एक आतंकवादी मारा गया। इस बीच केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के एक जवान ने मंगलवार को अपनी सर्विस राइफल से खुद को गोली मार ली। जवान दक्षिण कश्मीर के शोपियां जिले में तैनात था। मृतक सीआरपीएफ जवान की पहचान 178 बटालियन के परमवीर के रूप में हुई है। इस संबंध में एक अधिकारी ने कहा कि यह घटना शोपियां जिले के जैनापोरा बागवानी फार्म में उस समय हुई, जब सीआरपीएफ के एक जवान ने अपनी ही सर्विस राइफल से खुद को गोली मार ली। अधिकारियों ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि आखिर जवान ने यह कदम क्यों उठाया गया।

वहीं, एक अन्य घटना में जम्मू कश्मीर के किश्तवाड़ जिले के छातरू इलाके में एक सैन्यकर्मी की गोली लगने से मौत हो गई। सूत्रों के अनुसार एक सैन्यकर्मी की सर्विस राइफल से अचानक गोली चल जाने से उसकी मौत हो गई, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया था। सूत्रों ने बताया कि सैनिक को तुरंत उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक सैनिक की पहचान सत गणम सिंह पुत्र बलकार सिंह निवासी न्यू दीवान गृह चकरोही, सुचेतगढ़ जम्मू के रूप में हुई है. पुलिस ने इस संबंध में भी मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। दूसरी ओर उधमपुर जिले के चापर इलाके के जंगलों में मंगलवार को एक पूर्व ग्राम रक्षा दल सदस्य का शव रहस्यमयी परिस्थितियों में मिला। अधिकारियों ने बताया कि चापर के जंगलों में एक वीडीजी का शव रहस्यमयी परिस्थितियों में राइफल (303) के साथ मिला। उसकी पहचान अशोक कुमार (45) पुत्र रोमल चंद निवासी चापर उधमपुर के रूप में हुई है। पुलिस की एक टीम तुरंत मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर चिकित्सकीय-कानूनी औपचारिकताओं के लिए भेज दिया। इस संबंध में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

दो महिला ओजीडब्लू गिरफ्तार, पीएसए लगा

जम्मू, 03 दिसंबर (ब्यूरो)। जम्मू संभाग के उधमपुर जिले में एक बड़े सुरक्षा अभियान में पुलिस ने जम्मू कश्मीर की सुरक्षा और स्थिरता के लिए एक बड़ा खतरा पैदा करने वाली गतिविधियों में शामिल होने के लिए दो महिला ओजीडब्लू को सार्वजनिक सुरक्षा अधिनियम (पीएसए) के तहत हिरासत में लिया है।

पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि आरोपियों की पहचान लौधरा, बसंतगढ़ के मोहम्मद शफीक की पत्नी मरियमा बेगम और राय चक, बसंतगढ़ के दिवंगत जमाल दीन की पत्नी अरशद बेगम के रूप में हुई है, जो आतंकवादी संगठनों की सहायता करने में शामिल थी। पुलिस के बयान के अनुसार, हिरासत में ली गई महिलाओं ने आतंकवादी समूहों के लिए रसद सहायता प्रदान की और मार्गदर्शक के रूप में काम किया, जिससे सार्वजनिक सुरक्षा और व्यवस्था के लिए लगातार खतरा पैदा हो रहा था।

बयान में कहा गया है कि ये महिलाएं आतंकवादी संगठनों की गतिविधियों को सुविधाजनक बनाने में सक्रिय रूप से शामिल थीं, जिससे क्षेत्र की सुरक्षा और सुरक्षा को गंभीर खतरा था। इस खतरे को बेअसर करने और सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पीएसए के तहत उनकी हिरासत आवश्यक थी। पुलिस ने कहा कि हिरासत जिले में कानून और व्यवस्था बनाए रखने की उनकी प्रतिबद्धता के अनुरूप है। बयान में आगे कहा गया है कि हम अपने नागरिकों की सुरक्षा और सुरक्षा से समझौता करने वाली किसी भी कार्रवाई को बर्दाश्त नहीं करेंगे। आतंकवाद की सहायता या उसे बढ़ावा देने वाले किसी भी व्यक्ति को सख्त कानूनी परिणाम भुगतने होंगे।

अधिकारियों ने निवासियों से सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना निकटतम पुलिस स्टेशन को देने का आग्रह किया है। मामले में शामिल अन्य लिंक या सहयोगियों का पता लगाने के लिए जांच जारी है। दो महिला आतंकवादी सहयोगियों की गिरफ्तारी उधमपुर जिले के चापर वन क्षेत्र में एक पूर्व वीडीजी का शव बरामद होने के तुरंत बाद हुई है।

झारखंड में पहली बार मिला उड़ने वाला तक्षक नाग

रांची, 03 दिसंबर (एजेंसियां)। झारखंड में पहली बार ऑर्नेट फ्लाइंग स्नेक मिला है। राजधानी रांची के नामकुम स्थित आसीएच दफ्तर में यह दुर्लभ सांप मिला है। इस उड़ने वाले सांप को तक्षक नाग के नाम से बुलाया जाता है। झारखंड में पहली बार इस प्रजाति का सांप मिला है।

आसीएच दफ्तर में सांप देखने के बाद हड़कंप मच गया। डर के मारे कर्मचारी दफ्तर छोड़कर भाग गए। कर्मचारियों ने सांप पकड़ने वाले यानी स्नेक कैचर रमेश महतो को बुलाया। उन्होंने सांप सावधानी पूर्वक पकड़कर एक कार्टन में डालकर सुरक्षित रेस्क्यु किया। ऑर्नेट फ्लाइंग स्नेक को उड़ने वाला सांप माना जाता है। जर्नल ऑफ एक्सपेरिमेंटल बायोलॉजी के मुताबिक, यह दुर्लभ सांप एक तरीके से लहराता है। इससे वायुगतीय बल उतपन्न होता है। सांप जब उड़ते हैं, तो वो अपने आकार को बदलते हैं। सापों की गति और वायुगतीय बल इसे आकाश में तैरने का भ्रम उतपन्न करने में सक्षम बनाते हैं। एक शोध के मुताबिक, फ्लाइंग स्नेक अपने एरोडायनेमिक शरीर की वजह से छलाक लगाकर दूर तक

जा सकते हैं। इस गुण के कारण खतरों से बचने में उन्हें मदद मिलती है।

सांप का रेस्क्यू करने वाले रमेश कुमार महतो ने कहा कि झारखंड में ऑर्नेट फ्लाइंग स्नेक का पहला रेस्क्यु किया गया है।

इसमें थोड़ा जहर होता है, जिससे यह अपना शिकार करता है। छोटी छिपकलियों को खाता है। रांची में मिला सांप मादा है और तीन फीट से अधिक लंबा है। यह सांप शिकार करने के लिए एक पेड़ से दूसरे पेड़ पर छलांग लागता है। सबसे खास बात यह है कि तक्षक नाग 50 से 100 फीट तक छलांग लगा सकता है। इसकी उम्र 12 साल होती है। रमेश ने बताया कि यह सांप बहुत दुर्लभ है। इसकी सुरक्षा के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। इस सांप को बिरसा जूलॉजिकल पार्क के स्नेक हाउस में रखा जाएगा।

महाभारत ग्रंथ में भी तक्षक नाग का जिक्र मिलता है। प्रजापति कश्यप की पत्नी कद्रू से तक्षक नाग उत्पन्न हुआ था। कद्रू से एक हजारों सापों का जन्म हुआ था। तक्षक नाग वासुकी से छोटा व दूसरे सांपों में सबसे भयानक था, जो पाताल लोक के आठ मुख्य नागों में से एक है। तक्षक नाग को नागों का राजा भी कहा जाता है।

संपादकीय

केजरीवाल हमले की सियासत

आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल पर एक बार फिर किसी ने हमला किया। एक नाराज नागरिक ने पूर्व मुख्यमंत्री पर पानी फेंका, जिसे 'आप' नेताओं ने 'स्प्रिट' करार दिया। कुछ ने तेजाब जैसा ज्वलनशील माना। दिल्ली सरकार के मंत्री सौरभ भारद्वाज ने बेहद उत्तेजित, पर भ्रामक आरोप चस्पा किया कि भाजपा समर्थक व्यक्ति ने केजरीवाल को जिंदा जलाने की कोशिश की, क्योंकि हमलावर के हाथ में माचिस भी थी। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने हमले का पूरा आरोप भाजपा और केंद्र सरकार पर मढ़ दिया। यह हास्यास्पद और सवालिया है कि केंद्र सरकार एक चर्चित विपक्षी नेता की मौत पर राजनीति क्यों करेगी? क्या ऐसा साबित होने से देश भर में भाजपा के खिलाफ आम आदमी का रोष और गुस्सा नहीं भडक़ेगा? क्या 'आप' के नेता अतिशयोक्तिवाद की ही राजनीति के आदी हैं? बहरहाल केजरीवाल पर हमला कोई सामान्य घटना नहीं मानी जा सकती और न ही उसे हल्के में लिया जा सकता है। एक पूर्व मुख्यमंत्री की सुरक्षा में सेंध लगाई गई है। एक सुरक्षा-व्यवस्था की दरारें स्पष्ट हुई हैं। केजरीवाल पर काली स्याही फेंक कर भी हमला किया गया था। किसी ने उन पर जूता भी उछाला था। शायद एक विक्षुब्ध नागरिक ने उन्हें थप्पड़ मारने की भी कोशिश की थी! ये तमाम हमले 'मुख्यमंत्री केजरीवाल' पर किए गए थे। वे आरोपी कौन थे? किसी साजिश का हिस्सा थे? अथवा केजरीवाल की राजनीति से असंतुष्ट थे? इन सवालों के ठोस जवाब हमारे सामने नहीं हैं। दरअसल पहले केजरीवाल प्रधानमंत्री मोदी को गरियाया करते थे, अब उनके निशाने पर गृहमंत्री अमित शाह हैं। दिल्ली में सुरक्षा-व्यवस्था की पूरी जवाबदेही गृहमंत्री की ही है, बेशक दिल्ली 'अपराध की राजधानी' बन चुकी है। अपराध के आंकड़े खुलासा करते हैं कि औसतन 3 महिलाएं हररोज बलात्कार का शिकार होती हैं। यह तो दर्ज आंकड़ों का सच है। जो वारदात दर्ज नहीं होतीं, उनके सच की कल्पना ही की जा सकती है। राजधानी में खुलेआम और अक्सर गोलियां चलती हैं, हत्याएं की जाती हैं, कुछ हत्याएं बेहद बर्बर और राक्षसी तरीके से की गईं, फिरौती-वसूली का धंधा सरेआम चल रहा है और खासकर व्यापारियों को धमकियां दी जाती हैं। आजकल कुछ आपराधिक गिरोहों के नाम भी सुर्खियों में हैं। बहरहाल केजरीवाल पर हमले की शुरुआती जांच में पुलिस ने खुलासा किया है कि एक बोतल में करीब 500 एमएल पानी भर कर उससे हमला किया गया था। बोतल में न तो स्प्रिट थी और न ही कोई अन्य ज्वलनशील द्रव्य था। हमलावर पूर्व बस मॉर्शल था। ये सभी अपनी पक्की नौकरी के लिए संघर्ष कर रहे हैं। 'आप' और पुलिस जांच में बिल्कुल विरोधाभास हैं। चूंकि अगले दो माह के दौरान दिल्ली में विधानसभा चुनाव होने हैं, लिहाजा केजरीवाल और 'आप' की टीमें पदयात्रा कर रही हैं, घर-घर जा रही हैं। केजरीवाल की राजनीति 10 साल की सत्ता के बाद दांव पर है। जो मुद्दे 2020 के चुनावों में थे और जिन कामों, बदलावों पर केजरीवाल जनादेश मांगते रहे हैं, आज 2024-25 में भी वही मुद्दे सामने हैं। लगभग मुफ्त बिजली, पानी, स्वास्थ्य, मुहल्ला क्लीनिक, महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा आदि। केजरीवाल की ये रेवड़ियां 2015 से हिट साबित हुई हैं। कमोबेश विधानसभा चुनाव में 'आप' को एकतरफा जनादेश मिलता रहा है। अब केजरीवाल और उनकी 'आप' पर कई सवाल हैं। दरअसल अब केजरीवाल जनता की अदालत में मौजूद हैं और उन्हें आरोपों का बिंदुवार स्पष्टीकरण देना है। दिल्ली में अपराध बढ़ रहे हैं, पर उनकी सुरक्षा पुख्ता होनी चाहिए।

> दिल्ली सरकार के मंत्री सौरभ भारद्वाज ने बेहद उत्तेजित, पर भ्रामक आरोप चस्पा किया कि भाजपा समर्थक व्यक्ति ने केजरीवाल को जिंदा जलाने की कोशिश की, क्योंकि हमलावर के हाथ में माचिस भी थी। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने हमले का पूरा आरोप भाजपा और केंद्र सरकार पर मढ़ दिया। यह हास्यास्पद और सवालिया है कि केंद्र सरकार एक चर्चित विपक्षी नेता की मौत पर राजनीति क्यों करेगी? क्या ऐसा साबित होने से देश भर में भाजपा के खिलाफ आम आदमी का रोष और गुस्सा नहीं भडक़ेगा? क्या 'आप' के नेता अतिशयोक्तिवाद की ही राजनीति के आदी हैं? बहरहाल केजरीवाल पर हमला कोई सामान्य घटना नहीं मानी जा सकती और न ही उसे हल्के में लिया जा सकता है। एक पूर्व मुख्यमंत्री की सुरक्षा में सेंध लगाई गई है। एक सुरक्षा-व्यवस्था की दरारें स्पष्ट हुई हैं। केजरीवाल पर काली स्याही फेंक कर भी हमला किया गया था। किसी ने उन पर जूता भी उछाला था।

देश में 1.5 लाख प्राथमिक दुग्ध सहकारी समितियां कार्यरत हैं

भारत में सहकारिता आंदोलन को सफल होना ही होगा

प्रह्लाद सबनानी

> सहकारिता आंदोलन को सफल बनाना बहुत जरूरी है। वैसे तो हमारे देश में सहकारिता आंदोलन की शुरुआत वर्ष 1904 से हुई है एवं तब से आज तक सहकारी क्षेत्र में लाखों समितियों की स्थापना हुई है। कुछ अत्यधिक सफल रही हैं, जैसे अमूल डेयरी, परंतु इस प्रकार की सफलता की कहानियां बहुत कम ही रही हैं। कहा जाता है कि देश में सहकारिता आंदोलन को जिस तरह से सफल होना चाहिए था, वैसा हुआ नहीं है। बल्कि, भारत में सहकारिता आंदोलन में कई प्रकार की कमियां ही दिखाई दी हैं। देश की अर्थव्यवस्था को यदि 5 लाख करोड़ अमेरिकी डालर के आकार का बनाना है तो देश में सहकारिता आंदोलन को भी सफल बनाना ही होगा।

भारत में आर्थिक विकास को गति देने के उद्देश्य से सहकारिता आंदोलन को सफल बनाना बहुत जरूरी है। वैसे तो हमारे देश में सहकारिता आंदोलन की शुरुआत वर्ष 1904 से हुई है एवं तब से आज तक सहकारी क्षेत्र में लाखों समितियों की स्थापना हुई है। कुछ अत्यधिक सफल रही हैं, जैसे अमूल डेयरी, परंतु इस प्रकार की सफलता की कहानियां बहुत कम ही रही हैं। कहा जाता है कि देश में सहकारिता आंदोलन को जिस तरह से सफल होना चाहिए था, वैसा हुआ नहीं है। बल्कि, भारत में सहकारिता आंदोलन में कई प्रकार की कमियां ही दिखाई दी हैं। देश की अर्थव्यवस्था को यदि 5 लाख करोड़ अमेरिकी डालर के आकार का बनाना है तो देश में सहकारिता आंदोलन को भी सफल बनाना ही होगा। इस दृष्टि से केंद्र सरकार द्वारा एक नए सहकारिता मंत्रालय का गठन भी किया गया है। विशेष रूप से गठित किए गए इस सहकारिता मंत्रालय से अब "सहकार से समृद्धि" की परिकल्पना के साकार होने की उम्मीद भी की जा रही है। भारत में सहकारिता आंदोलन का यदि सहकारिता की संरचना की दृष्टि से आंकलन किया जाय तो ध्यान में आता है कि देश में लगभग 8.5 लाख से अधिक सहकारी साख समितियां कार्यरत हैं। इन समितियों में कुल सदस्य संख्या लगभग 28 करोड़ है। हमारे देश में 55 किस्मों की सहकारी समितियां विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर रही हैं। जैसे, देश में 1.5 लाख प्राथमिक दुग्ध सहकारी समितियां कार्यरत हैं। इसके अतिरिक्त 93,000 प्राथमिक कृषि सहकारी साख समितियां कार्यरत हैं। ये मुख्य रूप से ग्रामीण इलाकों में कार्य करती हैं। इन दोनों प्रकार की लगभग 2.5 लाख सहकारी समितियां ग्रामीण इलाकों को अपनी कर्मभूमि बनाकर इन इलाकों की 75 प्रतिशत जनसंख्या को अपने दायरे में लिए हुए है। उक्त के अलावा देश में सहकारी साख समितियां भी कार्यरत हैं और यह तीन प्रकार की हैं। एक तो वे जो अपनी सेवाएं शहरी इलाकों में प्रदान कर रही हैं। दूसरी वे हैं जो ग्रामीण इलाकों में तो अपनी सेवाएं प्रदान कर रही हैं, परंतु कृषि क्षेत्र में ऋण प्रदान नहीं करती हैं। तीसरी वे हैं जो उद्योगों में कार्यरत श्रमिकों एवं कर्मचारियों की वित्त सम्बंधी जरूरतों को पूरा करने का प्रयास करती हैं। इसी प्रकार देश में महिला सहकारी साख समितियां भी कार्यरत हैं। इनकी संख्या भी लगभग एक लाख है। मछली पालन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मछली सहकारी साख समितियां भी स्थापित की गई हैं, इनकी संख्या कुछ कम है।

ये समितियां मुख्यतः देश में समुद्र के आसपास के इलाकों में स्थापित की गई हैं। देश में बुनकर सहकारी साख समितियां भी गठित की गई हैं, इनकी संख्या भी लगभग 35,000 है। इसके अतिरिक्त हाउसिंग सहकारी समितियां भी कार्यरत हैं। उक्तवर्णित विभिन क्षेत्रों में कार्यरत सहकारी समितियों के अतिरिक्त देश में सहकारी क्षेत्र में तीन प्रकार के बैंक भी कार्यरत हैं। एक, प्राथमिक शहरी सहकारी बैंक जिनकी संख्या 1550 है और ये देश के लगभग सभी जिलों में कार्यरत हैं। दूसरे, 300 जिला सहकारी बैंक कार्यरत हैं एवं तीसरे, प्रत्येक राज्य में एपेक्स सहकारी बैंक भी बनाए गए हैं। उक्त समस्त आंकडें वर्ष 2021-22 तक के हैं। इस प्रकार यह कहा जा सकता है कि हमारे देश में सहकारी आंदोलन की जड़ें बहुत गहरी हैं। दुग्ध क्षेत्र में अमूल सहकारी समिती लगभग 70 वर्ष पूर्व प्रारम्भ हुई है, जिसे आज भी सहकारी क्षेत्र की सबसे बड़ी सफलता के रूप में गिना जाता है। सहकारी क्षेत्र में स्थापित की गई समितियों द्वारा रोजगार के कई नए अवसर निर्मित किए गए हैं। सहकारी क्षेत्र में एक विशेषता यह पाई जाती है कि इन समितियों में सामान्यतः निर्णय सभी सदस्यों द्वारा मिलकर लिए जाते हैं। सहकारी क्षेत्र देश के आर्थिक विकास में अपनी अहम भूमिका निभा सकता है। परंतु इस क्षेत्र में बहुत सारी चुनौतियां भी रही हैं। जैसे, सहकारी बैंकों की कार्य प्रणाली को दिशा देने एवं इनके कार्यों को प्रभावशाली तरीके से नियंत्रित करने के लिए अपेक्स स्तर पर कोई संस्थान नहीं है। जिस प्रकार अन्य बैंकों पर भारतीय रिजर्व बैंक एवं अन्य वित्तीय संस्थानों का नियंत्रण रहता है ऐसा सहकारी क्षेत्र के बैंकों पर नहीं है। इसीलिए सहकारी क्षेत्र के बैंकों की कार्य पद्धति पर हमेशा से ही आरोप लगते रहे हैं एवं कई तरह की धोखेबाजी की घटनाएं समय समय पर उजागर होती रही हैं। इसके विपरीत सरकारी क्षेत्र के बैंकों का प्रबंधन बहुत पेशेवर, अनुभवी एवं सक्रिय रहा है। ये बैंक जोखिम प्रबंधन की पेशेवर नीतियों पर चलते आए हैं जिसके कारण इन बैंकों की विकास यात्रा अनुकरणीय रही है। सहकारी क्षेत्र के बैंकों में पेशेवर प्रबंधन का अभाव रहा है एवं ये बैंक पूंजी बाजार से पूंजी जुटा पाने में भी सफल नहीं रहे हैं। अभी तक चूंकि सहकारी क्षेत्र के संस्थानों को नियंत्रित करने के लिए प्रभावी तंत्र का अभाव था केंद्र सरकार द्वारा किए गए नए मंत्रालय के गठन के बाद सहकारी क्षेत्र के संस्थानों को नियंत्रित करने में कसावट आएगी एवं इन संस्थानों का प्रबंधन भी पेशेवर बन जाएगा जिसके चलते इन संस्थानों की कार्य प्रणाली में भी निश्चित ही सुधार होगा। सहकारी क्षेत्र पर आधरित आर्थिक मोडेल के कई लाभ हैं तो कई प्रकार की चुनौतियां भी हैं। मुख्य चुनौतियां ग्रामीण इलाकों में कार्य कर रही जिला केंद्रीय सहकारी बैंकों की शाखाओं के सामने हैं। इन बैंकों द्वारा ऋण प्रदान करने की स्कीम बहुत पुरानी हैं एवं समय के साथ इनमें परिवर्तन नहीं किया जा सका है। जबकि अब तो ग्रामीण क्षेत्रों में आय का स्वरूप ही बदल गया है। ग्रामीण इलाकों में अब केवल 35 प्रतिशत आय कृषि आधारित कार्य से होती है शेष 65 प्रतिशत आय गैर कृषि आधारित कार्यों से होती है। अतः ग्रामीण इलाकों में कार्य कर रहे इन बैंकों को अब नए व्यवसाय माडल खड़े करने होंगे। अब केवल कृषि व्यवसाय आधारित ऋण प्रदान करने वाली योजनाओं से काम चलने वाला नहीं है। भारत विश्व में सबसे अधिक दूध उत्पादन करने वाले देशों में शामिल हो गया है। अब हमें दूध के पावडर के आयात की जरूरत नहीं पड़ती है। परंतु दूध के उत्पादन के मामले में भारत के कुछ भाग ही, जैसे पश्चिमी भाग, सक्रिय भूमिका अदा कर रहे हैं। देश के उत्तरी भाग, मध्य भाग, उत्तर-पूर्व भाग में दुग्ध उत्पादन का कार्य संतोषजनक रूप से नहीं हो पा रहा है। जबकि ग्रामीण इलाकों में तो बहुत बड़ी जनसंख्या को डेयरी उद्योग से ही सबसे अधिक आय हो रही है। अतः देश के सभी भागों में डेयरी उद्योग को बढ़ावा दिए जाने की आवश्यकता है। केवल दुग्ध सहकारी समितियां स्थापित करने से इस क्षेत्र की समस्याओं का हल नहीं होगा। डेयरी उद्योग को अब पेशेवर बनाने का समय आ गया है। गाय एवं भैंस को चिकित्सा सुविधाएं एवं उनके लिए चारे की व्यवस्था करना, आदि समस्याओं का हल भी खोजा जाना चाहिए।

दृष्टि कोण

सांप्रदायिक सद्भाव की रक्षा करिए

हम भाजपाई हो सकते हैं या कांग्रेसी, या समाजवादी या बहुजनवादी। वाम हो सकते हैं या दक्षिण, किन्तु अंत में हम सब भारतीय हैं, और भारत की सुरक्षा, समृद्धि और आपसी सद्भाव से ही हमारा भविष्य जुड़ा है। हम कुछ भी होकर सोचें, भारत के भविष्य से हमारा भविष्य अलग नहीं हो सकता। हमें विकास चाहिए तो उसको भोगने के लिए शांतिपूर्ण माहौल भी चाहिए, जो आन्तरिक और बाह्य दोनों प्रकार से वांछित है। एक देश के अंदर हम समुदायों, संप्रदायों की भिन्नता के कारण उलझते रहें या देशों के आपसी विवादों के कारण, अंत में आम आदमी को ही इन विवादों का शिकार होना है। अधिकांश विवाद प्रभुत्व की भूख के चलते ही होते हैं। फिर चाहे बहाना आप सांप्रदायिक बना लें या आर्थिक, विस्तारवादी बना लें, विचारधारा के प्रति प्रतिबद्धता का बना लें, निचोड़ तो प्रभुत्व की भूख ही है। प्रभुत्व के बजाय समानता को लक्ष्य बना लें तो अपने आप निष्कर्ष ऐसे आने लगेंगे जिनमें टकराव की जरूरतें ही कम होती जाएंगी। यह विश्लेषण जितना भारत के लिए प्रसंगिक है, उतना ही वैश्विक पटल के लिए भी है। फिलहाल बात तो भारत की कर लें। आजकल बड़ी दुविधाजनक स्थिति में से हम गुजर रहे हैं। विकास की दौड़ में हमें अच्छी सफलताएं मिल रही हैं तो हम सभी मिल कर उसका फल उपभोग करें, यह सर्वमान्य लक्ष्य होना चाहिए, किन्तु सरकार के यह बार-बार कहने के बाद भी उसी सरकार का दूसरा चेहरा हिन्दू-मुसलमान में उलझा रहता है। राजनीतिक दलों की ऊपरी परत कुछ और कहती है और नीचे की परतें कुछ और कहती नजर आती हैं। पत्रकारिता अर्धसत्य अनुगामी होती जा रही है और उसे नियंत्रित करने के राजनीतिक और प्रशासनिक प्रयास सामने दिखने लग जाते हैं। टीवी पर जिस तरह की बहसें मुद्दों को लेकर दिखाई जाती हैं, उनसे स्पष्ट तौर पर पता चलता है कि ये आपसी भेदभाव, खासकर हिन्दू-मुस्लिम भेदभाव को बढ़ाने के उद्देश्य से की जा रही हैं। उनमें जिस तरह के लोगों को ज्यादातर बुलाया जाता है उनमें से नगण्य ही समाधानमुखी दृष्टिकोण लेकर बैठते हैं। चाहे हिन्दू जानकार हों या मुस्लिम, सभी ढूंढ ढूंढ कर विवाद बढ़ाने वाली बातों को उछालते दीखते हैं। अधिकांश चैनल ऐसे ही कार्यक्रम लेकर आते हैं। मुसलमान नेतृत्व में छुपे तौर पर यह भावना काम करती दिखती है कि वे तो इस देश के हुक्मरान रहे हैं, इसलिए हमारा स्तर तो कुछ विशेष ही होना चाहिए। अभी तक भी उनमें से कई 'गजवा-ए-हिन्द' जैसे अप्रासंगिक विचारों के अनुगामी दीखते हैं। और हिन्दू नेतृत्व इस हीनभावना से ग्रस्त दीखता है कि क्योंकि मुस्लिम आक्रान्ताओं ने हिन्दुओं के साथ अन्याय और अत्याचार किया, इसलिए अब हमारे हाथ में बागडोर आई है, तो हम उसका बदला अब पूरा करेंगे। ये दोनों ही विचार खतरनाक हैं। क्योंकि ये दोनों विचार हमें भूतकाल में जीने की ओर ले जाते हैं, जबकि असल जिन्दगी तो वर्तमान में चलती है। हमें तो अपने वर्तमान को बेहतर बनाने के लिए संघर्ष करना है। और यह संघर्ष सारे भारत वासियों का सांझा संघर्ष है। जो हमें आपस में नहीं करना है, बल्कि वैश्विक, आर्थिक, पर्यावरणीय, तकनीकी, राजनीतिक, जलवायु परिवर्तन जनित चुनौतियों से करना है, और इसकी उपलब्धियों के फल हम सभी को सांझा करने हैं। यह बात समझना कोई कठिन बात तो नहीं है, बल्कि इससे अलग दिशा की बात को समझने के लिए ज्यादा तिकड़म और बनावटी कहानियां घडऩे और समझने की जरूरत होगी। देश में बीस करोड़ के लगभग मुस्लिम आबादी है, जिसे विकास का हिस्सेदार बनाए बिना देश का विकास संभव नहीं। विकास का हिस्सेदार बनाने का यह अर्थ नहीं कि वे अपनी शर्तों पर जो चाहे वह करने का प्रयास करें, और यह भी नहीं कि हिन्दू जो बहुमत में हैं, वे अपनी मनमानी सोच को लागू करने की दिशा में बढऩे का सोचने लगें। हम सभी धर्मों-पंथों, भाषाओं, क्षेत्रों के लोग बराबर के हिस्सेदार हैं। इसलिए कोई विशेषाधिकार न मांगें, यही न्यायपूर्ण विकास का मार्ग है। इसमें कोई शक नहीं कि मुस्लिम आक्रान्ताओं ने हमारे हिन्दू मंदिरों को तोड़ा किन्तु उन घटनाओं को हम आज के वातावरण को खराब करने का कारण नहीं बना सकते। जहां भी विवाद की स्थिति आती है तो देश के कानून और न्याय व्यवस्था से मामले हल हों। राम मन्दिर विवाद में दोनों पक्षों ने आरंभिक दुराग्रहों के बावजूद अंत में न्याय व्यवस्था पर अनुकरणीय रूप से सद्भावना स्थापित करने में योगदान दिया। अब हर जगह नए नए विवाद ढूंढने के प्रयास न किए जाएं। हम मुसलमान या हिन्दू होकर सोचना बंद करें, बल्कि भारतीय होकर सोचें तो समाधान आसानी से उपलब्ध हो सकते हैं।

कुछ अलग

जहं-जहं पांव पड़े संतन के...

देवभूमि में सत्ता पक्ष और विपक्ष में आजकल ख़ूब नूराकुश्ती चल रही है, घाटे में चल रहे हिमाचल प्रदेश विकास निगम के अठारह होटलों को लेकर। उच्च न्यायालय के सिंगल बैंच ने निगम के घाटे में चल रहे अठारह होटलों को बंद करने का निर्णय दिया तो डबल बैंच ने उसे उलट दिया या पलट दिया। पता नहीं क्या कहना ठीक होगा। अकेले जज साहिब को जो ठीक लगा उसे दो जजों ने मिलकर उलट दिया। शायद इसे ही 'एक और एक ग्यारह' होना कहते हैं। भला, यह भी कोई बात हुई कि एक अकेले जज साहिब ही इतने होटलों को बंद करने का आदेश दे दें। करोड़ों का घाटा झेलने के बाद जो हिम्मत राज्य सरकारें वर्षों से नहीं जुटा पाई, उसे अकेले जज साहिब दिखा कर क्या साबित करना चाहते थे। आखिर इन छोटे-मोटे फैसलों से प्रदेश का क्या भला होगा? अकेले जज साहिब को राज्य को हो रहा घाटा या पर्यटन विकास निगम की अकर्मण्यता बुरी लगी तो लगी। पर डबल बैंच ने साबित कर दिया कि सरकार तो होती ही घाटा उठाने के लिए है और सरकारी विभागों, निगमों या बोर्डों से कुशलता की उम्मीद करना बेकार है। जब इतने सालों से घाटा खा रहे हैं तो थोड़े बरस और सही। की फर्क पैंदा है। जित्थे इन्ने हज़ारां करोड़ दा घाटा हैगा, उत्थे पैंती-चाली करोड़ और सही। ज़्यादा से ज़्यादा क्या होगा, घाटा एक लाख करोड़ तक ज़रा जल्दी पहुंच जाएगा। पर देसी घी मिलता रहना चाहिए। भले कज़र् लेकर सही। घी खाकर सेहत ठीक रही तो कज़र् भी चुका लेंगे। फिर घाटा तो तभी होगा जब सरकारी कर्मचारी पूरी ईमानदारी के साथ निकम्मे बने रहेंगे। ऐसा न होता तो न्यायालयों में सालों से करोड़ों केस क्यों बांझ पड़े रहते? ऐसे में पर्यटन निगम राज्य सरकार से अपने कर्मचारियों के बकाए को चुकता करने के लिए कुछ करोड़ की मांग कर रहा है तो क्या बुरा है? कहीं और से उधार लेगा तो चुकता करने के लिए मेहनत करनी होगी, जो प्रदेश की सरकारी कार्य संस्कृति की परिपाटी के खिलाफ होगा। फिर सरकार ने हाल ही में मंत्रियों के साथ दो-दो सोशल मीडिया समन्वयक नियुक्त करने का जो निर्णय लिया है, वह ऐतिहासिक है। बेचारे मंत्री कहीं तो काम करते दिखें। भले सोशल मीडिया पर ही सही। यूं भी दिन में अठारह-अठारह घंटे काम करते-करते उनकी काया इतनी घिस गई है कि उनकी परछाईं उनके अपने विधानसभा क्षेत्रों से बाहर नहीं जा पाती। पता ही नहीं चलता कि वह राज्य के कैबिनेट मंत्री हैं या अपने विधानसभा क्षेत्र के। यूं भी वर्तमान सरकार ने जिस तरह अपने चहेतों को कैबिनेट रैंक बांटे हैं, उससे लगता है कि अब कोई भी अपने नाम के साथ कैबिनेट रैंक लिख सकता है। यथा- पंजू मोची कैबिनेट रैंक, नत्थू राम हलवाई कैबिनेट रैंक, छक्कू राम सब्ज़ी वाला कैबिनेट रैंक या पीए सिद्धार्थ व्यंग्यकार कैबिनेट रैंक। होटलों में कम ऑक्युपेंसी को वजह बताते हुए हाईकोर्ट ने जब उन्हें बंद करने का फैसला सुनाया तो निगम ने कहा कि अगर होटल बंद हुए तो उसकी छवि खऱाब होगी। उसने यह भी कहा कि चूंकि वह ख़ुद होटलों को चलाने में समर्थ है, उन्हें निजी हाथों में देने की ज़रूरत नहीं। पर उससे किसी ने पूछा नहीं कि भय्या अगर छवि इतनी अच्छी है और अगर वह उन्हें स्वयं चलाने में समर्थ है तो फिर घाटा क्यों? निगम से ये सवाल कोई सरकार या सरकारी अधिकारी तो पूछने से रहे। वजह साफ है माल-ए-मुफ्त, दिल-ए-बेरहम। राज्य की हवाओं में कई किस्से तैरते रहते हैं, निगम के कर्ताओं-धर्ताओं की ऐयाशियों के। कभी सुनने में आता है कि फलाने कर्ताधर्ता का घर निगम के संसाधनों की देन है तो कभी सुनने में आता है कि ढिकाने कर्ताधर्ता अपने मित्रों के साथ निगम के होटलों में मौज़ करते रहे। चंदन मुफ्त का हो तो सभी घिसते हैं।

देश दुनिया से

ट्रंप के राष्ट्रवाद की जीत

राष्ट्रवाद वैश्वीकरण, आतंकवाद और धार्मिक उन्माद, युद्ध और आर्थिक उथल-पुथल के चलते पूरी दुनिया में राष्ट्रवाद उभार पर है। वर्तमान अमरीकी राष्ट्रपति चुनाव के नतीजे भी उसी तर्ज पर माने जा सकते हैं। गौरतलब है कि ट्रंप जब पहली बार राष्ट्रपति बने थे, तो उन्होंने चुनाव से पहले और चुनाव के बाद भी इस बात को बार-बार दोहराया था कि वे चीनी वस्तुओं के अंधाधुंध आयात के कारण जंग खाती फैक्ट्रियों को दोबारा शुरू करना चाहते हैं। वे अमरीका की अप्रवासी नीतियों में भी आमूलचूल परिवर्तन चाहते हैं ताकि अमरीकियों के रोजगार की रक्षा हो सके। उन्होंने तो यहां तक कहा कि वे मैक्सिको से हो रही गैर-कानूनी घुसपैठ को रोकने के लिए पूरी सीमा पर दीवार खड़ी करना चाहते हैं। उनका इस बात पर जोर रहा था कि अमरीका को दूरदराज के देशों में सशस्त्र दखल रोकना है, ताकि अमरीका को गैर जरूरी खर्चों से बचाया जा सके। रूस जैसे देश जिसके साथ अमेरिका के संबंध कभी भी मधुर नहीं रहे, उसके साथ भी ट्रंप ने दोस्ती का हाथ बढ़ाया और रूस के राष्ट्रपति पुतिन के साथ उनकी मित्रता भी काफी चर्चा में रही। अपनी इन्हीं नीतियों के कारण ट्रम्प बहुसंख्यक अमरीकियों में अपनी लोकप्रियता के चलते पुनः राष्ट्रपति बनने में सफल हो सके। अमेरिका प्रथम ट्रंप प्रशासन का मूल मंत्र रहा है। यानी कुल मिलाकर अमेरिका में ट्रंप के राष्ट्रवाद का जादू सिर चढक़र बोल रहा है।

उधर यूरोप में भी राष्ट्रवाद पुनः उभार ले रहा है। द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद यूरोपीय देशों में पहले उदारवाद और बाद में भूमंडलीकरण और यहां तक कि खुली अप्रवासी नीति भी अपनाई जाने लगी थी। लेकिन आज यूरोपीय देश राष्ट्रवाद पर सवार होकर अपनी अर्थव्यवस्था और समाज की चिंता कर रहे हैं। सबसे पहले ब्रिटेन ने ब्रेक्सिट के माध्यम से स्वयं को यूरोपीय समुदाय से अलग किया। हालांकि ब्रिटेन के अलावा यूरोपीय समुदाय के सभी देश भी समुदाय में बने हुए हैं, लेकिन सभी देशों में जहां पूर्व में उदारवादी सरकारों का बोलबाला था, अब राष्ट्रवाद का ज्वार बढ़ता दिख रहा है। छह प्रमुख यूरोपीय देशों इटली, फिनलैंड, स्लोवाकिया, हंगरी, क्रोएशिया और चेक गणराज्य में तो राष्ट्रवादी सरकारें पहले से ही स्थापित हो चुकी हैं, कई अन्य देशों में राष्ट्रवादी पार्टियां काफी ताकतवर हो रही हैं। स्वीडन में सरकार का अस्तित्व राष्ट्रवादी दल नेशनलिस्ट स्वीडेन डेमोक्रेट के समर्थन पर टिका है। नीदरलैंड में इस्लाम विरोधी ग्रीट वाइल्डर का दल सत्ता में महत्वपूर्ण भूमिका में है। जर्मनी और फ्रांस में भी राष्ट्रवादी राजनीतिक दलों का प्रभाव अभूतपूर्व रूप से बढ़ रहा है, और वो सत्ता के काफी नजदीक पहुंच रहे हैं। इन सब बदलावों का असर यूरोपीय समुदाय के चुनावों पर भी दिख रहा है। पंथनिरपेक्षता के नाम पर जैसे जैसे अल्पसंख्यक समुदायों का तुष्टिकरण बढ़ा, और तुष्टिकरण के साथ ही साथ अतिवाद भी बढ़ा। साथ हाल ही में फ्रांस और इंग्लैंड में इस अतिवाद के भयानक दृश्य भी सामने आए। इन सब घटनाओं से भी यूरोप और अमरीका में ही नहीं पूरी दुनिया में जनमानस का मूड बदला है।

राष्ट्रवाद की जीत के मायने : चाहे यूरोप हो या अमरीका, राष्ट्रवाद की जीत के कई निहितार्थ हैं। सबसे पहले समझना होगा कि यह अतिवादी ताकतों की एक बड़ी हार है। ट्रम्प ने अपने चुनावी भाषणों में हिंदुओं की भूरि-भूरि प्रशंसा की है और अमरीका में उनकी भूमिका को सराहा है, और यहां तक कि स्वयं को हिंदुओं का बड़ा प्रशंसक तक बताया है। इससे पहले किसी अमरीकी राष्ट्रपति ने ऐसा नहीं किया। उधर हालांकि ट्रम्प मुस्लिमों के खिलाफ तो नहीं, लेकिन उन्होंने साफ-साफ कहा है कि जो मुस्लिम अप्रवासी हमास का समर्थन करेंगे, वे उन्हें अमरीका से बाहर कर देंगे। यानी ट्रम्प किसी भी प्रकार के अतिवाद के विरोधी हैं। गौरतलब है कि बाईडेन प्रशासन ने अतिवादी ताकतों का समर्थन करने वाली कनाडा सरकार का समर्थन किया था। आने वाला ट्रम्प प्रशासन ऐसा नहीं करेगा। महत्वपूर्ण है कि जहां अतिवादी, वामपंथी, वोक, समलैंगिक मानवाधिकार समर्थक एक तरफ खड़े दिखाई देते हैं, ट्रंप ने स्पष्ट रूप से अमरीकी राष्ट्रवाद (अमेरिका प्रथम) का जो नारा दिया और जीत हासिल की, वह इस बात का प्रमाण है कि ट्रंप की जीत एक प्रकार से अतिवादी, वामपंथी, वॉकिज़्म आदि ताकतों की भी हार है।

एलन मस्क की भूमिका : अमेरिकी चुनावों में अमेरिका के एक बड़े उद्योगपति और अरबपति एलन मस्क की भूमिका भी अमेरिकी चुनावों में महत्वपूर्ण रही। समझना होगा कि एलन मस्क निजी तौर पर वॉकिज़्म शिकार हुए हैं। अमेरिका खास तौर पर कैलिफोर्निया राज्य में विद्यालय वॉकिज़्म इस कदर शिकार हैं कि पांच वर्ष के बच्चे से भी कहा जाता है कि वो स्वयं के बारे में निर्णय करने के लिए स्वतंत्र है कि वो किस लिंग को अपनाना चाहता है। बच्चों को लिंग बदलने के लिए प्रेरित ही नहीं प्रोत्साहित भी किया जाता है। इसी प्रकार एलन मस्क के पुत्र को भी बरगलाया गया और एलन मस्क से भी धोखे से सहमति ले ली गई और उनके पुत्र को हार्मोन्स देकर बालिका में बदल दिया गया। वॉकिज़्म की शिकार पुत्र से परिवर्तित पुत्री ने एलन मस्क से अपने रिश्ते भी तोड़ दिए। ऐसे में खिन्न एलन मस्क ने वॉकिज़्म के खिलाफ काम करने का निर्णय ले लिया। यह महज संयोग नहीं कि चाहे एलन मस्क पहले तो ट्रंप के विरोधी थे, लेकिन बाद में वो उनके समर्थक हो गए। ट्विटर सोशल मीडिया प्लेटफार्म को खरीदने के बाद ट्रम्प को ट्विटर पर बहाल किया और यही नहीं अपने उदासीन रुख को छोडक़र वे सीधे सीधे ट्रंप के समर्थन में आ गए। ट्रंप की जीत में एलन मस्क की महत्वपूर्ण भूमिका बतायी जा रही है। यह भी समझा जा सकता है कि यह चुनाव वॉकिज़्म के खिलाफ भी एक चुनाव है। हम समझते हैं कि यह चुनाव आर्थिक मुद्दों के अलावा वोकिज्म, अतिवाद, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता बनाम सेंसरशिप के मुद्दों पर लड़ा गया था, जहां ट्रम्प घरेलू व्यवसायों की रक्षा और बढ़ावा देकर, अप्रवास को प्रतिबंधित करके और अनिर्दिष्ट अप्रवासियों को निर्वासित करके, अमेरिकियों के लिए नौकरियों की रक्षा के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका में काम करके अमेरिका को फिर से महान बनाने के अपने संकल्प को दोहरा रहे थे।

आप का नजरिया

कालेजों का हुलिया बदले

अंततः शिक्षा का हुलिया किससे पूछा जाए। छात्रों को संख्या में ढूंढा जाए या रोजगार में देखा जाए। ऊंची इमारतों में क्षेत्रीय अपेक्षाओं के मकसद खोजे जाएं या सफल भविष्य की रफ्तार में प्रासंगिकता के सवाल खड़े किए जाएं। जो भी हो शिक्षा में उत्तीर्ण होने के लिए अब छात्र नहीं, बल्कि इसके साथ जुड़े संपूर्ण समुदाय से पूछा जाए। पूछा जाना चाहिए कि हम पढ़ा क्या रहे और किस तरह पढ़ा रहे। पढ़ क्या रहे और कर क्या रहे। रोजगार के बाजार में हम किस डिग्री को ओढ़े और किस भाषा के बोले पर गोले लगा रहे हैं। स्कूल-कालेज परिसर से इतर हमारे पास अध्ययन व ज्ञान की अधोसंरचना व अवसर हैं क्या। मुकाबला तो यह भी है कि सरकारी व गैरसरकारी संस्थानों के बीच खाई क्यों बढ़ रही है। सरकारी शिक्षण पद्धति के आचरण में आखिर गिरावट के कारण क्या और समाधान क्या। विभागीय पक्ष हमेशा बचाव की मुद्रा में क्यों रहता है और क्यों वार्षिक व अवसर विशेष के अवकाशों में शिक्षा विभाग की माथापच्ची आज भी जारी है। बेशक प्राथमिक सीढियों में हिमाचल को मात्रात्मक शिक्षा की आवश्यकता थी और इसकी बदौलत जागरूकता व समृद्धि आई, लेकिन यही पहचान राजनीतिक कारणों से इतनी बिखर रही है कि दर्जनों इमारतें अपनी प्रासंगिकता खोने लगी हैं। इसी परिप्रेक्ष्य में उच्च शिक्षा में बदलाव लाने की एक चेष्टा शिमला में दिखाई दी, जहां सबसे बड़ा सवाल कालेजों में घटती छात्रों की संख्या से उत्पन्न हुआ। आश्चर्य यह कि हिमाचल ने 138 सरकारी कालेज बना दिए जो राष्ट्रीय औसत और पंजाब के मुकाबले भी बहुत अधिक हैं, जबकि इनमें 55 की काबिलीयत सौ छात्रों के प्रवेश को भी संभव नहीं बना पा रही। यह दीगर है कि मंडी में 5681 और धर्मशाला जैसे कालेजों में 5459 छात्र पढ़ रहे हैं, अतः जरूरत को समझने के लिए शिक्षा परिसर की गुणवत्ता अहम हो जाती है। ऐसे बहुत सारे कालेज हैं जिन्हें एक दूसरे में कलस्टर के आधार पर समाहित किया जा सकता है या इन्हें देश के चर्चित शिक्षा प्रतिष्ठानों को पीपीपी मोड के तहत आबंटित कर देना चाहिए। विडंबना यह है कि कालेजों को स्नातकोत्तर का दर्जा देने में भी यह नहीं सोचा कि पाठ्यक्रम से इतर ज्ञान के स्रोत हैं कहां। उदाहरण के लिए घुमारवीं के कालेज में दस-ग्यारह विषयों में स्नातकोत्तर पढ़ाई तो शुरू हो गई, लेकिन वांछित सुविधाएं, फैकल्टी व वातावरण नहीं दे पाए। इतना ही नहीं, अब तो मंडी विश्वविद्यालय खुलने के बाद कालेजों के आबंटन तक में शिक्षा बिखर रही है। होना यह चाहिए था कि हिमाचल विश्वविद्यालय के ही चार या पांच अध्ययन केंद्र बना कर वहां विषयों के आधार पर स्नातकोत्तर अध्ययन करवाया जाता। इसके अलावा कुछ महाविद्यालयों को राज्य स्तरीय दर्जा देकर, कालेज ऑफ इक्नोमिक्स, कालेज ऑफ लैंग्वेज, कालेज ऑफ डिफेंस स्टडीज, कालेज ऑफ परफार्मिंग आर्ट्स, कालेज ऑफ साइंसेज, स्टेट बिजनेस स्कूल, कालेज ऑफ ट्राइबल स्टडीज, कालेज ऑफ फिशरी स्टडीज, कालेज ऑफ म्युजिक तथा राज्य खेल महाविद्यालय का दर्जा देकर अध्ययन व शोध की परिपाटी को नए आयाम तक पहुंचाया जा सकता है। इस दौरान दो तरह की पढ़ाई हो रही। एक वही पुराना सरकारी ढर्रा जहां घोषणाओं पर शिक्षा को राजनीतिक उद्देश्यों पर लाद कर बर्बाद किया जा रहा और समूचा छात्र समुदाय भटक रहा है।

वित्त मंत्री ने लोकसभा में बैंकिंग कानून (संशोधन) विधेयक, 2024 पेश किया

नई दिल्ली,03 दिसंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को लोकसभा में बैंकिंग कानून (संशोधन) विधेयक, 2024 को पेश किया। इस विधेयक में बैंक खाताधारक को अपने खाते में अधिकतम 4 नामांकित व्यक्ति रखने की अनुमति देने का प्रस्ताव है।

सीतारमण ने बैंकिंग कानून (संशोधन) विधेयक, 2024 को लोकसभा में पेश करते हुए सदन को बताया कि प्रस्तावित संशोधनों से भारतीय बैंकिंग क्षेत्र में प्रशासन मजबूत होगा और इसके साथ ही नामांकन और निवेशकों की सुरक्षा के संबंध में उपभोक्ता और ग्राहकों की सुविधा बढ़ेगी। इस विधेयक में बैंक खाताधारक को अपने खाते में अधिकतम 4 नामांकित व्यक्ति रखने की अनुमति देने का प्रस्ताव है।

सीतारमण ने इस विधेयक को लोकसभा में विचारार्थ और पारित करने के लिए पेश करते हुए कहा कि

प्रस्तावित संशोधनों से भारतीय बैंकिंग क्षेत्र में प्रशासन मजबूत होगा

भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम-1934, बैंकिंग विनियमन अधिनियम-1949, भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम-1955, बैंकिंग कंपनियां (उपक्रमों का अधिग्रहण और हस्तांतरण) अधिनियम-1970 और बैंकिंग कंपनियां (उपक्रमों का अधिग्रहण और हस्तांतरण) अधिनियम, 1980 में बदलाव लाने के लिए कुल 19 संशोधन प्रस्तावित किए जा रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि इस विधेयक में दावा न किए गए लाभांश, शेयर और ब्याज या बांड के मोचन को निवेशक शिक्षा और संरक्षण कोष में स्थानांतरित करने का भी प्रावधान है, जिससे व्यक्तियों को इस कोष से स्थानांतरण या रिफंड का दावा करने की अनुमति मिलेगी। इससे निवेशकों के हितों की रक्षा होगी। इस विधेयक के उद्देश्यों और कारणों के मुताबिक बैंकिंग क्षेत्र में पिछले कुछ वर्षों में काफी विकास हुआ है। इसको देखते हुए बैंक प्रशासन तथा निवेशक संरक्षण में सुधार के उद्देश्य से पांच अधिनियमों में कुछ संशोधन करना जरूरी हो गया है।

न्यूज़ ब्रीफ

लगातार तीसरे दिन मजबूती के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स और निफ्टी की बड़ी छलांग

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार लगातार तीसरे कारोबारी दिन मजबूती के साथ बंद हुआ। के कारोबार की शुरुआत भी बढ़त के साथ हुई थी। हालांकि शुरुआती कारोबार में बिकवाली का दबाव बनने की वजह से शेयर बाजार की चाल में गिरावट भी आई लेकिन पहले 15 मिनट के कारोबार के बाद ही तेजड़ियों ने बाजार में अपना जोर बना दिया। तेजड़ियों की ओर से लगातार हो रही लिवाली की वजह से शेयर बाजार की चाल में तेजी आ गई। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.74 प्रतिशत और निफ्टी 0.75 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए। दिनभर के कारोबार के दौरान पीएसयू बैंक, मीडिया, ऑयल एंड गैस और मेटल सेक्टर के शेयरों में सबसे अधिक खरीदारी होती रही। इसी तरह पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, टेक, हेल्थ केयर, कंज्यूमर ड्यूरेबल, ऑटोमोबाइल और आईटी इंडेक्स भी मजबूती के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, एफएमसीजी और रियल्टी सेक्टर के शेयरों में बिकवाली का दबाव बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में भी लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.92 प्रतिशत की तेजी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 1.03 प्रतिशत की मजबूती के साथ के कारोबार का अंत किया। शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में साढ़े तीन लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन के कारोबार के बाद बढ़ कर 453.41 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी सोमवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 449.69 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को के कारोबार से करीब 3.72 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,067 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,738 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,227 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 102 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में 2,509 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,850 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 659 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 25 शेयर बढ़त के साथ और 5 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 41 शेयर हरे निशान में और 9 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स 281.12 अंक की मजबूती के साथ 80,529.20 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही बिकवाली का दबाव बन जाने की वजह से ये सूचकांक गिर कर लाल निशान में 80,244.78 अंक तक पहुंच गया। इस गिरावट के बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया। लगातार हो रही लिवाली की वजह से सेंसेक्स की चाल में तेजी आ गई। का कारोबार खत्म होने के थोड़ी देर पहले ये सूचकांक 701.02 अंक की बढ़त के साथ 80,949.10 अंक के स्तर तक पहुंच गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 597.67 अंक की मजबूती के साथ 80,845.75 अंक के स्तर पर बंद हुआ सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने 91.45 अंक उछल कर 24,367.50 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही बिकवाली के दबाव की वजह से ये सूचकांक पहले 15 मिनट में ही गिर कर 24,280 अंक के स्तर तक पहुंच गया, लेकिन इसके बाद खरीदारी के सपोर्ट से इस सूचकांक ने रफ्तार पकड़ ली।

एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी के शेयरों ने शेयर बाजार में जबरदस्त प्रदर्शन किया

मुंबई। हाल ही में लिस्ट हुई कंपनी एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड के शेयरों ने शेयर बाजार में जोरदार प्रदर्शन किया है। बीएसई पर मंगलवार को शेयर 10 फीसदी की तेजी के साथ 142.10 रुपए पर पहुंच गए, जो कंपनी के लिस्टिंग के बाद का सबसे बड़ा उछाल है। 27 नवंबर को लिस्टिंग के बाद यह पहला मौका है जब कंपनी के शेयरों में अपर सर्किट लगा। सोमवार को शेयर 129.20 रुपए पर बंद हुए थे, जिससे निवेशकों को मिले शानदार रिटर्न। शेयर अब तक 31 फीसदी की वृद्धि दर्ज कर चुके हैं। ग्रीन एनर्जी सेक्टर में बढ़ते निवेश और कंपनी की मजबूत स्थिति के कारण विश्लेषकों का मानना है कि कंपनी के शेयरों में और भी तेजी जारी रह सकती है। एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी का बाजार पूंजीकरण 1.19 लाख करोड़ रुपए के पार चला गया है, जो दर्शाता है कि इसकी मान्यता बाजार में बढ़ती जा रही है। शेयर के स्थिर ग्रोथ और निवेशकों के विश्वास के साथ, एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी ने अपने आईपीओ से कुल 10,000 करोड़ रुपए जुटाए थे, जो इसके भविष्य की रोशनी में और भी उजागर करता है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

मोहम्मद यूनुस है...

मास-किलिंग के लिए जिम्मेदार माना जा रहा है। लेकिन असल में मोहम्मद यूनुस वो शख्स है जो मास-किलिंग में लिप्त हैं। कट्टरपंथी छात्रों के साथ मिलकर पूरा प्लान बनाया गया है। यह लोग ही असली मास्टरमाइंड हैं। पूर्व पीएम ने कहा, आज शिक्षकों, वकीलों, नागरिकों सभी को मारा जा रहा है। हिंदू, बौद्ध, ईसाई सभी धर्मों के लोगों पर हमले हो रहे हैं। चर्च और कई मंदिरों को निशाना बनाया गया है। सवाल तो पूछा जाएगा ही कि अल्पसंख्यकों पर बांग्लादेश में हमले क्यों हो रहे हैं? बांग्लादेश की यूनुस सरकार दुनिया के कई मुल्कों के निशाने पर है। जिस तरह से वहां पर बेहिसाब हिंसा हो रही है, उसे देखते हुए चिंताएं काफी बढ़ गई हैं।

शेख हसीना ने कहा, सत्ता में बने रहकर वह नरसंहार का हिस्सा नहीं बनना चाहती थीं। मुझे सत्ता की लालच नहीं। मैं खूनखराबा रोकना चाहती थी, इसलिए देश छोड़ने का फैसला लिया। हथियारबंद लोग मेरी हत्या की योजना बना रहे थे। अगर मैं रुकती, तो नरसंहार होता। न्यूयॉर्क के अवामी लीग के कार्यकर्ताओं को वर्चुअली संबोधित करते हुए शेख हसीना ने कहा कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हमले बढ़ते जा रहे हैं। हिंदुओं, बौद्धों और ईसाइयों को निशाना बनाया जा रहा है। 11 चर्च, दर्जनों मंदिर और इस्कॉन पर भी हमले हुए हैं। मोहम्मद यूनुस एक तय योजना के तहत देश को अस्थिर कर रहे हैं। इन हमलों का मकसद अल्पसंख्यक समुदाय को डराना और उन्हें देश से बाहर करना है। शेख हसीना ने कहा, बांग्लादेश नेशनल पार्टी (बीएनपी) के नेता तारिक रहमान ने खुद कहा था कि अगर हत्याएं जारी रहीं तो सरकार नहीं टिकेगी। शेख हसीना ने यह भी आरोप लगाया कि अंतरिम यूनुस सरकार के पाकिस्तान की ओर झुकाव के चलते बांग्लादेश के ऐतिहासिक नेताओं और स्थलों को अपमानित किया जा रहा है। बंगबंधु शेख मुजीबुर रहमान की प्रतिमा तोड़ी गई और उनकी तस्वीरें सरकारी दफ्तरों से हटा दी गईं। यहां तक कि उनके योगदान से जुड़े राष्ट्रीय अवकाश भी रद्द कर दिए गए हैं। यह कितना दुर्भाग्यपूर्ण है।

अगरतला में बांग्लादेश के वाणिज्य दूतावास पर हिंदू समुदाय के लोगों और संगठनों के प्रदर्शन पर भी बांग्लादेश सरकार को नाराजगी है। बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने भारतीय उच्चायुक्त प्रणय वर्मा को तलब किया और अगरतला के वाणिज्य दूतावास पर हुए प्रदर्शन को हमला बताया। बांग्लादेश के अगरतला स्थित बांग्लादेश सहायक उच्चायोग में वीजा और काउंसलर सेवाओं को तत्काल प्रभाव से बंद कर दिया गया है।

अगरतला में बांग्लादेश के वाणिज्य दूतावास पर प्रदर्शनकारियों के उग्र प्रदर्शन के बाद दिल्ली के चाणक्यपुरी स्थित बांग्लादेश उच्चायोग की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। उच्चायोग के चारों ओर अतिरिक्त पुलिस कर्मियों को तैनात किया गया है। बांग्लादेश में हिंदू साधु चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी के साथ-साथ हिंदू समुदाय पर हमलों के विरोध में देश के लोगों में भारी गुस्सा है। सोमवार को त्रिपुरा की राजधानी अगरतला में हजारों लोगों ने बांग्लादेशी मिशन के पास बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने बांग्लादेश के वाणिज्य दूतावास में तोड़फोड़ की। हिंदू संघर्ष समिति के कार्यकर्ता, हिंदू नेता चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी और बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर अत्याचार के विरोध में प्रदर्शन कर रहे थे। विदेश मंत्रालय ने इस घटना पर दुख जताया है। हालांकि बांग्लादेश सरकार ने वाणिज्य दूतावास के घेराव को काफी बढ़ा चढ़ा कर पेश किया है।

हालांकि त्रिपुरा सरकार ने वाणिज्य दूतावास की सुरक्षा में हुई कथित चूक के मामले में चार पुलिस अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की है। इस घटना में शामिल सात लोगों को गिरफ्तार भी किया गया है। पश्चिम त्रिपुरा के पुलिस अधीक्षक (एसपी) किरण कुमार ने बताया कि कथित लापरवाही के लिए तीन उपनिरीक्षकों को निलंबित कर दिया गया है और एक पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) को पुलिस मुख्यालय में रिपोर्ट करने का निर्देश दिया गया है। घटना को लेकर न्यू कैपिटल कॉम्प्लेक्स (एनसीसी) पुलिस स्टेशन में स्वत: संज्ञान लेते हुए मामला दर्ज किया गया है।

उल्लेखनीय है कि इस्कॉन चटगांव के प्रमुख चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी ने हिंसा को और भड़काया है। इस गिरफ्तारी के खिलाफ शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे हिंदुओं पर जमात और बीएनपी के कार्यकर्ताओं ने हमले किए। इन हमलों में 50 से ज्यादा लोग घायल हो गए। कई हिंदू संगठनों ने इन घटनाओं के लिए सरकार को जिम्मेदार ठहराया है। बांग्लादेश में हालात तभी से खराब हैं जब शेख हसीना को अपना मुल्क छोड़ना पड़ा था।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के विरोध में आरएसएस के विभिन्न अनुषांगिक संगठनों ने उत्तर प्रदेश की धर्मनगरी अयोध्या में जन आक्रोश रैली निकाली और सरकार से सीधे हस्तक्षेप की मांग की। बांग्लादेश में हिंदुओं के उत्पीड़न के विरोध में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के आनुषंगिक संगठनों के पदाधिकारी और सदस्य सड़क पर उतर आए और जन आक्रोश रैली निकाली। यह रैली मंगलवार को अयोध्या के ऐतिहासिक गुलाबबाड़ी मैदान से निकली और शहर के विभिन्न मार्गो से होते हुए गांधी पार्क के लिए रवाना हुई।

रैली में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय भी शामिल हुए। उन्होंने अपने संबोधन में केंद्र की मोदी सरकार से बांग्लादेश के प्रकरण में सीधा हस्तक्षेप करने की मांग की। रैली में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए थे। इसे लेकर प्रशासन ने पहले से ही सुरक्षा के प्रबंध कर लिए थे और बड़ी संख्या में फोर्स तैनात कर दिया था। रामजन्मभूमि के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास बोले- कहीं ऐसा न हो कि बांग्लादेश में हिंदुओं का सफाया हो जाए। रामजन्मभूमि मंदिर के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास ने बांग्लादेश में हिंदू संत चिन्मय कृष्ण प्रभु के वकील पर हुए हमले को बेहद डरावना बताया है। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में हिंदू बिल्कुल भी सुरक्षित नहीं है। हमें नहीं पता है कि वहां अब तक कितने हिंदुओं को मारा जा चुका है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार को हिंदुओं की सुरक्षा के लिए हस्तक्षेप करना चाहिए। अगर ऐसा नहीं किया गया तो पाकिस्तान की तरह बांग्लादेश से भी हिंदुओं का सफाया हो जाएगा।

चिन्मय कृष्ण के ...

बांग्लादेश में हिंदू पुजारी चिन्मय कृष्ण दास की जमानत याचिका पर होने वाली सुनवाई मंगलवार को टाल दी गई। चटगांव की अदालत में इस मामले में चिन्मय दास की तरफ से दलील रखने के लिए कोई वकील मौजूद नहीं था। इसके बाद कोर्ट ने मामले की सुनवाई टाल दी। इस बीच इस्कॉन ने कहा है कि चिन्मय दास के वकील रामेन रॉय, जिन पर हाल ही में हमला हुआ था, कि हालत गंभीर बनी हुई है।इस्कॉन कोलकाता के प्रवक्ता राधारमण दास ने मंगलवार को कहा कि उन्होंने बांग्लादेश में मौजूद संस्था से जुड़े पुजारियों से अपील की है कि वह सार्वजनिक तौर पर भगवा कपड़े न पहनें और न ही तिलक लगाएं। उन्होंने कहा, हमने सलाह दी है कि वह अपनी आस्था का विनम्र ढंग से पालन करें। इससे पहले राधारमण दास ने दावा किया था कि बांग्लादेश में हिंदू समुदाय के प्रमुख चेहरे चिन्मय कृष्ण दास प्रभु का बचाव करने वाले वकील रामेन रॉय पर क्रूरतापूर्वक हमला किया गया है। वह हमले में गंभीर रूप से घायल हुए हैं और अस्पताल में अपने जीवन के लिए लड़ रहे हैं। दास ने कहा कि वकील रॉय की एकमात्र गलती अदालत में चिन्मय प्रभु का बचाव करना था।

राधारमण दास ने दावा किया कि चिन्मय कृष्ण दास का बचाव कर रहे वकील रामेन रॉय पर बांग्लादेश में उनके घर पर इस्लामवादियों के एक समूह ने हमला किया। उन्होंने कहा कि रॉय पर हमले के बाद चिन्मय कृष्ण दास की पैरवी के लिए कोई और वकील सुरक्षा चिंताओं की वजह से आगे नहीं आया है। उन्होंने कहा, हम बांग्लादेश सरकार से अनुरोध करेंगे कि जो वकील मामले में चिन्मय कृष्ण दास की पैरवी करने के लिए तैयार हो उसे पर्याप्त सुरक्षा प्रदान की जाए।

ह्यूमन राइट्स डिफेंस इंटरनेशनल (एचआरडीआई) ने भी बांग्लादेश की अंतरिम सरकार को पत्र लिखकर हिंदुओं और अल्पसंख्यकों पर हो रही घटनाओं को रोकने के लिए ठोस कदम उठाने की अपील की है। महासचिव राजेश गोगना ने पत्र में बांग्लादेश में बढ़ती असहिष्णुता और भेदभाव पर गहरी चिंता जताई है। उन्होंने इसे हिंदू समुदाय के अस्तित्व के लिए गंभीर खतरा बताया और इसे धार्मिक स्वतंत्रता व न्यायपूर्ण समाज की नींव को कमजोर करने वाला बताया। उन्होंने हिंदू मंदिरों और पूजा स्थलों की सुरक्षा के लिए तत्काल उपाय लागू करने की मांग की। उन्होंने कहा कि धार्मिक स्थलों को हिंसा और अपवित्रता से मुक्त करना बांग्लादेश सरकार की जिम्मेदारी है।

त्रिपुरा ने किया...

एसोसिएशन ने ऐलान किया है कि बांग्लादेश के लोगों को न तो होटल में कमरा दिया जाएगा और न ही उन्हें खाना परोसा जाएगा। होटल और रेस्टोरेंट एसोसिएशन ने फैसला लिया है कि बांग्लादेश में भारतीय ध्वज का अपमान हुआ है। ऐसे में बांग्लादेश के मेहमानों को खाना नहीं परोसा जाएगा। एसोसिएशन का कहना है कि बांग्लादेश में लगातार हिंदुओं को टारगेट किया जा रहा है। ऐसे मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। अब बांग्लादेश में स्थिति चिंताजनक हो गई है। बता दें कि बांग्लादेश में बायकॉट मूवमेंट लगातार तेज होता जा रहा है। इससे पहले त्रिपुरा के मल्टी-स्पेशलिटी प्राइवेट अस्पताल आईएलएस हॉस्पिटल ने भी बांग्लादेश के किसी भी मरीज का इलाज नहीं करने की घोषणा की थी। यह अस्पताल किफायती कीमत में बेहतर इलाज के लिए चर्चित है। इससे पहले कोलकाता के माणिकतला स्थित जेएन रे अस्पताल ने भी बांग्लादेशी मरीजों को इलाज देने से इंकार कर दिया था। होटल एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन (एएचटीआरओए) के महासचिव सैकत बंदोपाध्याय ने कहा कि सोमवार को हुई एक आपात बैठक में यह फैसला किया गया। सैकत ने कहा, हम एक धर्मनिरपेक्ष देश हैं और सभी धर्मों का सम्मान करते हैं। हमारे राष्ट्रीय ध्वज का अपमान किया गया है और बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों को कट्टरपंथियों के एक वर्ग द्वारा उत्पीड़न का सामना करना पड़ रहा है। पहले भी ऐसी घटनाएं होती थीं लेकिन अब हद पार हो गई है।

एलएसी पर शांति...

संख्या में सैनिकों को एकत्र करने के बाद कई बिंदुओं पर हमारी सेनाओं के साथ आमना-सामना हुआ। इस स्थिति के कारण गश्ती गतिविधियों में भी बाधा पैदा हुई। यह हमारे सशस्त्र बलों के लिए श्रेय की बात है कि रसद संबंधी चुनौतियों और तत्कालीन कोविड स्थिति के बावजूद, वे तेजी से और प्रभावी ढंग से जवाबी तैनाती करने में सक्षम थे।बता दें कि बीते 21 अक्टूबर को भारत और चीन की सेनाओं ने विवादित पूर्वी लद्दाख के देपसांग और डेमचोक क्षेत्रों से अपने-अपने सामान समेटने शुरू किए थे और नवंबर महीने से पहले ही इसे पूरा कर लिया गया था। भारत और चीन के संबंध 2020 के जून में गलवान घाटी में हुई घातक झड़प के बाद काफी बिगड़ गए थे। यह झड़प दशकों में दोनों पक्षों के बीच सबसे गंभीर सैन्य संघर्ष थी।

कांग्रेस के....

25 नवंबर से शुरू हुए संसद के शीतकालीन सत्र में लगातार गतिरोध बना हुआ है। कांग्रेस पार्टी का पूरा फोकस अडाणी मामले को लेकर है, लेकिन समाजवादी पार्टी संभल हिंसा पर चर्चा की मांग कर रही है। इससे पहले सोमवार को संसद की कार्यवाही से पहले इंडी ब्लॉक के नेताओं की मुलाकात राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे से हुई थी, जिसमें राहुल गांधी तो शामिल हुए थे, लेकिन टीएमसी का कोई सांसद नहीं पहुंचा था।तृणमूल कांग्रेस चाहती है कि सदन में महंगाई, बेरोजगारी, किसान, उर्वरक, विपक्षी राज्यों को मिलने वाले पैसे में कटौती और मणिपुर जैसे मुद्दों को लेकर चर्चा हो। वहीं कांग्रेस चाहती है कि अडाणी मुद्दे पर ही चर्चा हो। कांग्रेस के रुख से सपा भी किनारा करती दिख रही है। अन्य विपक्षी दल भी चाहते हैं कि किसान, संभल और मणिपुर जैसे मुद्दों पर भी चर्चा हो। यानि विपक्षी दलों में टीएमसी का रुख साफ है कि संसद में सभी मुद्दों पर चर्चा हो, कमोबेश ऐसा ही कुछ समाजवादी पार्टी भी चाहती है।

सपा सांसदों ने आज लोकसभा अध्यक्ष से मुलाकात की और संभल मुद्दे पर चर्चा का अनुरोध किया। सपा नेताओं के अनुसार अडाणी का मुद्दा संभल जितना बड़ा नहीं है। सपा सांसद धर्मेंद्र यादव ने कहा कि हमारे लिए अडाणी से बड़ा मुद्दा किसान हैं। यानि कांग्रेस भले ही अडाणी की रट लगाए बैठी हो, मगर विपक्ष के कई दल और भी मुद्दों पर बहस करना चाहते हैं। सपा की सांसद इकरा हसन ने कहा, चूंकि संभल में पांच लोगों की मौत हुई है, इसलिए संभल समाजवादी पार्टी के लिए सर्वोच्च प्राथमिकता वाला मुद्दा है।अडाणी मामले चल रहे विरोध में टीएमसी के शामिल न होने पर कांग्रेस राज्यसभा सांसद नासिर हुसैन ने कहा, जो मुद्दे हम सबने तय किए थे उन पर हम चाहते हैं कि बात हो। इसके लिए हम आने वाले समय में और बात करेंगे। हम चाहते हैं सदन चले और बात हो। बांग्लादेश के मुद्दे पर भी बात होनी चाहिए। वहां अल्पसंख्यकों को सुरक्षा मिलनी चाहिए। अडाणी मामले पर संसद में इंडी गठबंधन के विरोध में टीएमसी के शामिल नहीं होने पर भाजपा सांसद समिक भट्टाचार्य ने कहा, आप गठबंधन की स्थिति देख सकते हैं। कभी टीएमसी गायब है तो कभी आम आदमी पार्टी गायब है। कांग्रेस जहां भी लोगों के पास जाती है, जनता उन्हें वहां ठुकरा देती है। कांग्रेस के पास अब सिर्फ एक जगह है संसद का गेट या फिर सदन नहीं चलने देना। यही कांग्रेस का एजेंडा है। कोई नहीं जानता कि टीएमसी कब और कहां जाएगी। ममता बनर्जी चाहती थीं कि मल्लिकार्जुन खड़गे इस गठबंधन का चेहरा बनें। उन्होंने उन्हें देश का पीएम बनने का प्रस्ताव दिया था। वही मल्लिकार्जुन खड़गे के स्पष्ट आह्वान में अब टीएमसी शामिल नहीं है। अब यह सब नाटक है। वे लोकतंत्र की मर्यादा को नुकसान पहुंचा रहे हैं।

अमेरिकी फंड से ...

यूएसएड के यूरोप और यूरेशिया के सीनियर एडवाइजर माइक हेनिंग ने ओसीसीआरपी को यूएसएड की सबसे बड़ी उपलब्धि में से एक बताया था। ओसीसीआरपी ने अपने रिकॉर्ड से भी यह बात हटा दी है कि अमेरिकी सरकार ने उसकी स्थापना में क्या रोल निभाया था। इस रिपोर्ट में केवल यूनाइटेड नेशन द्वारा पैसे दिए जाने का उल्लेख किया है। ड्रयू सुलिवन ने दावा किया है कि यूनाइटेड नेशंस से मिला पैसा असल में ओसीसीआरपी को मिला पहला फंड था। ओसीसीआरपी को स्थापना के बाद से अब तक अमेरिकी सरकार से कम से कम 47 मिलियन डॉलर, यूरोपियन देशों (ब्रिटेन, स्वीडन, डेनमार्क, स्विट्जरलैंड, स्लोवाकिया और फ्रांस) से 14 मिलियन डॉलर तथा यूरोपियन यूनियन से 1.1 मिलियन डॉलर मिल चुके हैं। यह धनराशि ओसीसीआरपी ने अपनी वेबसाइट पर नहीं बताई है।

मीडियापार्ट के अनुसार, ओसीसीआरपी ने एक और प्रोजेक्ट को भी चलाया है जिसके अंतर्गत यह उन रिपोर्ट के आधार पर कानूनी कार्रवाई करता है जिनकी इसने जांच की है। दिलचस्प बात यह है कि तथाकथित स्वतंत्र संगठन अमेरिकी सरकार की कभी आलोचना नहीं करता है। इसकी अधिकांश रिपोर्ट रूस, माल्टा, साइप्रस और वेनेजुएला जैसे देशों के बारे में खूब एक्टिविज्म करता है। मीडियापार्ट ने खुलासा किया है कि अमेरिका के विदेश विभाग ने वेनेजुएला के भ्रष्टाचार को उजागर करने और उसका मुकाबला करने के मिशन के लिए ओसीसीआरपी को 173,324 डॉलर भी दिए है। वेनेजुएला पर अमेरिका ने सैंक्शन लाद रखे हैं। मीडियापार्ट ने कहा, एक पत्रकार संगठन द्वारा अमेरिका की पहल पर और उससे पैसे लेकर ऐसी गतिविधियों का नेतृत्व करना, यहां तक कि एक उचित कारण के लिए भी, महत्वपूर्ण नैतिक प्रश्न उठाता है।

अगस्त 2023 में यह उजागर हुआ था कि ओसीसीआरपी अमेरिका स्थित शॉर्ट सेलर हिंडनबर्ग रिसर्च के नक्शेकदम पर चलते हुए भारतीय बाजार में उथल-पुथल मचाने की योजना बना रहा है। यह खुलासा हुआ था कि ओसीसीआरपी को भारत (मोदी) विरोधी अमेरिकी धनपशु जॉर्ज सोरोस के ओपन सोसाइटी फाउंडेशन (ओएसएफ), फोर्ड फाउंडेशन और रॉकफेलर ब्रदर्स फाउंडेशन जैसी संस्थाओं से फंड मिलता है। ओएसएफ ने संगठन की क्रॉस-बॉर्डर रिपोर्टिंग को मजबूत करने और प्रभाव बढ़ाने के लिए कथित रूप से गठित ओसीसीआरपी को 8,00,000 डॉलर (6.61 करोड़ रुपए) का अनुदान भी दिया।

भारत का सर्वोच्च न्यायालय भी कह चुका है कि ओसीसीआरपी की रिपोर्ट का इस्तेमाल सेबी द्वारा चल रही जांच पर संदेह जताने के लिए किया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि बिना किसी सत्यापन के किसी संगठन की रिपोर्ट पर सबूत के तौर पर भरोसा नहीं किया जा सकता। फ्रांस के अखबार मीडियापार्ट के खुलासे ऐसे समय में हुए हैं जब गौतम अडाणी को रिश्वतखोरी के कथित आरोपों को लेकर अमेरिका में परेशान किया जा रहा है। गौरतलब है कि जिस यूएसएड से ओसीसीआरपी पैसा लेता है, वह कई देशों में सरकारें बदलने के लिए ज़िम्मेदार रहा है।यूएसएड हाल ही में बांग्लादेश भी सत्ता परिवर्तन के खेल में शामिल था। यूएसएड ने यहां ऐसी एजेंसियों को मदद दी थी जो शेख हसीना की सत्ता को अस्थिर करने के लिए लगी हुई थीं। बांग्लादेश में यह योजना अमेरिका ने 2019 से ही चालू कर दी थी। यूएसएड ने यहां आईआरआई नाम की एक संस्था को पैसा दिया था। आईआरआई ने इसके लिए एक कार्यक्रम चलाया और यह जनवरी 2021 तक चला। आईआरआई ने कहा इस कार्यक्रम का उद्देश्य बांग्लादेश के भीतर उन लोगों को आवाज देना है, जो हसीना की दमनकारी सत्ता के विरुद्ध खड़े हो सकें। आईआरआई ने अपने इस कार्यक्रम में एलजीबीटी, बिहारी और बाकी समुदायों के लोगों के समूहों को समर्थन दिया।इसके तहत 77 एक्टिविस्ट को ट्रेनिंग भी दी गई थी। इन लोगों को बड़ी धनराशि भी दी गई थी। इसका अर्थ यह लगाया जा सकता है कि अमेरिका उन लोगों को अपने पक्ष में बोलने के लिए तैयार कर रहा था जो हसीना का विरोध कर सकें। आईआरआई ने 2021 में एक और प्रोग्राम चलाया था। इसके लिए उसे अमेरिकी एजेंसी एनईडी से 9 लाख डॉलर की मदद मिली थी। इस कार्यक्रम के तहत आईआरआई ने उन नेताओं को तैयार करने का लक्ष्य रखा था जो आगे जाकर बड़ी आवाज बन सकें।

21 हजार करोड़...

ये जहाज तटीय रक्षा के लिए विमान वाहक, विध्वंसक और फ्रिगेट्स, पनडुब्बियों जैसी इकाइयों को एस्कॉर्ट करने सहित कई भूमिकाएं निभाने में सक्षम हैं।खरीद परिषद ने इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर सूट की खरीद के लिए जरूरत के आधार पर मंजूरी दी है जिसमें बाहरी एयरबोर्न सेल्फ प्रोटेक्शन जैमर पॉड्स, अगली पीढ़ी के रडार चेतावनी रिसीवर और सुखोई -30 एमकेआई विमान से संबंधित उपकरण शामिल हैं। यह प्रणाली सुखोई -30 एमकेआई की परिचालन क्षमताओं को बढ़ाएगी और वायु रक्षा प्रणालियों द्वारा संरक्षित दुश्मन के लक्ष्यों के खिलाफ एक मिशन को अंजाम देते हुए इसे दुश्मन के राडार और संबंधित हथियार प्रणाली से बचाएगी।

खरीद परिषद ने तटीय क्षेत्रों में तटीय सुरक्षा और निगरानी को मजबूत करने के लिए भारतीय तट रक्षक के लिए छह उन्नत हल्के हेलीकॉप्टर की खरीद के लिए स्वीकृति प्रदान की है। इसके अलावा टी-72 और टी-90 टैंकों, बीएमपी- और सुखोई लड़ाकू विमानों के इंजनों के ओवरहाल के लिए भी मंजूरी दी गयी है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, बुधवार, 04 दिसंबर, 2024

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

तेलंगाना सरकार हैदराबाद को वैश्विक शहर बनाने के लिए प्रतिबद्ध : मुख्यमंत्री

हैदराबाद, 03 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने मंगलवार शाम को एनटीआर मार्ग स्थित एचएमडीए ग्राउंड में आयोजित हैदराबाद राइजिंग समारोह के दौरान हैदराबाद को न्यूयॉर्क के बराबर वैश्विक शहर बनाने के लिए अपनी सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

यह कार्यक्रम चल रहे प्रजापालन-विजयोत्सवम समारोह का हिस्सा था, जिसमें पिछले साल सरकार की उपलब्धियों को दर्शाया गया।

गणमान्य व्यक्तियों और नागरिकों की एक सभा को संबोधित करते हुए, मुख्यमंत्री ने हैदराबाद को सतत शहरी विकास के लिए एक मॉडल बनाने के सरकार के प्रयासों पर प्रकाश डाला।

उन्होंने लोगों से शहर के बुनियादी ढांचे और वैश्विक प्रतिष्ठा को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से भविष्य की योजनाओं का समर्थन करने का आह्वान किया।

रेवंत रेड्डी ने हैदराबाद के आईटी क्षेत्र की नींव रखने, शहर की पेयजल चुनौतियों को हल करने और मेट्रो रेल और अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे जैसी ऐतिहासिक परियोजनाओं को शुरू करने का श्रेय कांग्रेस पार्टी को दिया।

मुख्यमंत्री ने 35,000 करोड़ रुपये की लागत से 360 किलोमीटर तेलंगाना मनिहारम क्षेत्रीय रिंग रोड (आरआरआर) बनाने की योजना की घोषणा की, जिसमें रेडियल सड़कें भी होंगी, जिसका उद्देश्य यातायात को कम करना और कनेक्टिविटी को बढ़ावा देना है।

इसके अलावा, उन्होंने भविष्य के 40,000 से 50,000 एकड़ में फैले शहर के लिए प्रस्तावों का खुलासा किया, जो अंतरराष्ट्रीय शहरी केंद्रों को टक्कर देगा।पिछली सरकार की आलोचना करते हुए रेड्डी ने उन पर अपने कार्यकाल के दौरान आवश्यक शहरी विकास की उपेक्षा करने का आरोप लगाया। उन्होंने शहर के पारिस्थितिक संतुलन के लिए इसके महत्व पर जोर देते हुए मूसी नदी को पुनर्जीवित करने का वादा किया। सरकार ने बाढ़ को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने के लिए 141 क्षेत्रों में जल संचयन कुओं के निर्माण की पहल की है।

केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी पर तीखा हमला करते हुए मुख्यमंत्री ने तेलंगाना के प्रति केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता पर सवाल उठाया। उन्होंने मेट्रो रेल विस्तार के लिए 35,000 करोड़ रुपये, गोदावरी के पानी को मोड़ने के लिए 7,000 करोड़ रुपये और क्षेत्रीय रिंग रोड के लिए 50,000 करोड़ रुपये सहित महत्वपूर्ण परियोजनाओं के लिए वित्तीय सहायता की मांग की। उन्होंने पूछा, अगर केंद्र सरकार गुजरात और चेन्नई में परियोजनाओं को निधि दे सकती है, तो हैदराबाद क्यों नहीं? रेवंत रेड्डी ने हैदराबाद के विकास के लिए एक व्यापक भविष्य की योजना का मसौदा तैयार करने के लिए उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क की अगुवाई में एक सर्वदलीय बैठक का प्रस्ताव रखा। उन्होंने बुद्धिजीवियों और हितधारकों से अपने सुझाव देने का आग्रह किया, शहर के विकास को सुनिश्चित करने में एकता की आवश्यकता पर बल दिया। मुख्यमंत्री ने भाजपा और बीआरएस से राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता पर लोगों के कल्याण को प्राथमिकता देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, हैदराबाद में वैश्विक निवेश के लिए एक मंच बनने की क्षमता है। आइए हम इस सपने को साकार करने के लिए मिलकर काम करें, उन्होंने वादा किया कि उनकी सरकार हैदराबाद को एक सच्चा महानगरीय शहर बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ेगी।

जीओसी टीएएसए ने सिकंदराबाद सैन्य अस्पताल में रक्तदान अभियान का उद्घाटन किया

हैदराबाद, 03 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सेना दिवस परेड 2025 की प्रस्तावना के रूप में, मुख्यालय तेलंगाना और आंध्र उप क्षेत्र (टीएएसए) और मुख्यालय दक्षिण भारत क्षेत्र के तत्वावधान में सैन्य अस्पताल, सिकंदराबाद ने मंगलवार को रक्तदान अभियान का आयोजन किया।

इस अभियान का विषय था रक्तदान करें-एक जीवन बचाएं।

इस शिविर का उद्घाटन मुख्यालय तेलंगाना और आंध्र उप क्षेत्र के जनरल ऑफिसर कमांडिंग मेजर जनरल अजय मिश्रा ने किया।इस अभियान में स्वयंसेवकों ने व्यक्तिगत रूप से सेवा की और रक्तदान के बारे में मिथकों को संबोधित किया।आउटरीच गतिविधियों के हिस्से के रूप में, एकत्रित रक्त की कुछ इकाइयों को नागरिक-सैन्य सहयोग के प्रति सेना की प्रतिबद्धता दिखाने के प्रयास के रूप में गांधी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल को दान कर दिया गया।

तेलंगाना ने अमृत योजना के तहत प्रमुख उपलब्धियां हासिल कीं, सभी परियोजनाएं पूरी कीं

नई दिल्ली/हैदराबाद, 03 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। 25 जून 2015 को लॉन्च किए गए अटल कायाकल्प और शहरी परिवर्तन मिशन (अमृत) ने तेलंगाना में महत्वपूर्ण प्रगति हासिल की है।राज्य के 12 शहरों को कवर करते हुए, इस योजना का उद्देश्य शहरी बुनियादी ढांचे और सतत विकास में सुधार करना है। इन शहरों में आदिलाबाद, ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी), करीमनगर, खम्मम, महबूबनगर, मिर्यालगुडा, नलगोंडा, निज़ामाबाद, रामागुंडम, सिद्दीपेट, सूर्यापेट और वारंगल शामिल हैं।अमृत योजना के तहत, तेलंगाना ने सभी 66 स्वीकृत परियोजनाओं को सफलतापूर्वक पूरा किया। इनमें 1,424.09 करोड़ रुपये की 27 जल आपूर्ति परियोजनाएं, 203.3 करोड़ रुपये की चार सीवरेज और सेप्टेज प्रबंधन परियोजनाएं और 35.69 करोड़ रुपये की 35 हरित स्थान और पार्क परियोजनाएं शामिल हैं। सामूहिक रूप से, परियोजनाओं ने शहरी जीवन स्तर को बढ़ाया और नागरिक सुविधाओं में महत्वपूर्ण अंतराल को संबोधित किया।

परियोजनाओं के कारण 4,336.54 किमी पानी की पाइपलाइन और 278.53 किमी सीवर पाइपलाइन बिछाई गई। इसके अतिरिक्त, घरों में 5.54 लाख पानी के नल कनेक्शन और 0.87 लाख सीवर कनेक्शन प्रदान किए गए। राज्य ने योजना के तहत 18.25 एमएलडी सीवेज उपचार संयंत्र (एसटीपी) क्षमता भी जोड़ी और 442.45 एकड़ हरित स्थान विकसित किया।इन परियोजनाओं पर 1,663.08 करोड़ रुपये का खर्च आया, जिसमें से 832.6 करोड़ रुपये केंद्रीय सहायता (सीए) के रूप में प्रदान किए गए। राज्य ने अमृत के तहत जारी 831.52 करोड़ रुपये में से 806.21 करोड़ रुपये का उपयोग किया है।यह जानकारी केंद्रीय आवास एवं शहरी मामलों के मंत्री मनोहर लाल ने मंगलवार को राज्यसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में साझा की।

सरकार ने मनाया अंतर्राष्ट्रीय विकलांग व्यक्ति दिवस

हैदराबाद, 03 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना सरकार ने मंगलवार को हैदराबाद के रवींद्र भारती में अंतरराष्ट्रीय विकलांग व्यक्ति दिवस मनाया।

इस कार्यक्रम में कई उपस्थित लोग शामिल हुए, जिनमें कई प्रतिभाशाली विकलांग व्यक्ति भी शामिल थे, जिन्होंने अपने असाधारण कौशल और लचीलेपन का प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम के सबसे प्रेरणादायक क्षणों में से एक अंजना द्वारा भरतनाट्यम प्रदर्शन था, जिसने कृत्रिम पैर का उपयोग करने के बावजूद शानदार नृत्य किया।

उनका प्रदर्शन विकलांग व्यक्तियों की अदम्य भावना के प्रमाण के रूप में खड़ा था।

एक अन्य प्रतिभागी, संकल्प ने दृढ़ संकल्प और दृढ़ता का प्रतीक, अपनी उल्लेखनीय क्षमताओं से दर्शकों को प्रभावित किया।

इस अवसर पर तेलंगाना की महिला एवं बाल कल्याण मंत्री डॉ. दानसारी अनसूया सीताक्का मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं।

अपने संबोधन में, उन्होंने सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दीं और आयोजन को सफल बनाने में उनके समर्पण के लिए आयोजकों-दिव्यांगुला फाइनेंस कॉरपोरेशन के अध्यक्ष मुट्टीनेनी वीरैया, महिला एवं बाल कल्याण सचिव अनीता रामचंद्रन और दिव्यांग अधिकारिता विभाग की संयुक्त निदेशक शैलजा-के प्रयासों की सराहना की। । सफल।

डॉ। सीताक्का ने आत्मविश्वास और लची-लेपन के महत्व पर जोर दिया और व्यक्तियों से शारीरिक चुनौतियों से निराश न होने का आग्रह किया। उन्होंने हेलेन केलर जैसी प्रेरक शख्सियतों की ओर ध्यान आकर्षित किया, साथ ही सरकारी सेवा सहित विभिन्न क्षेत्रों में सफल होने वाले विकलांग व्यक्तियों की उपलब्धियों को भी स्वीकार किया।

डॉ सीथक्का ने विकलांग व्यक्तियों के कल्याण के लिए राज्य सरकार द्वारा की गई कई पहलों की रूपरेखा तैयार की। उन्होंने उनके कल्याण के लिए 50 करोड़ रुपये के बढ़े हुए आवंटन पर प्रकाश डाला, जो पहले के 1 करोड़ रुपये से उल्लेखनीय वृद्धि है।

उन्होंने विशेष पोर्टलों के माध्यम से नौकरी के अवसर पैदा करने, निजी क्षेत्र में रोजगार प्रदान करने और स्व-रोजगार का समर्थन करने के लिए स्कूटर वितरित करने जैसे उपायों की घोषणा की।

इसके अलावा, उन्होंने पुलिस और यातायात विभागों में ट्रांसजेंडरों के लिए विशेष क्लीनिकों की स्थापना और रोजगार के अवसरों का भी उल्लेख किया।

विकलांग व्यक्तियों के लिए पेंशन बढ़ाने की राज्य सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हुए, डॉ सीताक्का ने बताया कि देरी 21,000 करोड़ रुपये की किसान ऋण माफी जैसी प्राथमिकताओं के कारण थी।

उन्होंने विकलांगता पेंशन में अपना योगदान बढ़ाने में विफल रहने के लिए केंद्र सरकार की भी आलोचना की, जो कि प्रति माह 300 रुपये है, और बढ़ती लागत के अनुरूप संशोधन का आह्वान किया।

डॉ सीताक्का ने आत्म-सम्मान और आपसी सहयोग के महत्व पर जोर देते हुए उपस्थित लोगों से एकजुट होने और एक-दूसरे का समर्थन करने का आग्रह किया। उन्होंने दर्शकों को 7 दिसंबर को होने वाले एक कार्यक्रम की याद दिलाई, जहां यातायात विभाग में कार्यरत ट्रांसजेंडरों को नियुक्ति पत्र जारी किए जाएंगे।

मंत्री ने सभी को आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करते हुए कहा, सरकार आपके साथ खड़ी है, समाज में आपके योगदान का जश्न मना रही है।

राधे राधे ग्रुप द्वारा नियमित अन्नदान के अंतर्गत मंगलवार को पा-ब्लिक गार्डन, पिलर नं. ए1265 के समीप जरूरतमंद लोगों में अल्पाहार सेवा की गई। इस अवसर पर श्रीमती प्रेमा अग्रवाल एंव श्रीमती आशा अग्रवाल ने सेवा दी। कार्यक्रम में -सतीश गुप्ता, आशा अग्रवाल, रामप्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल जगत नारायण अग्रवाल, राजकुमारी अग्रवालए महेश अग्रवाल, बबीता अग्रवाल, रोहित अग्रवाल भगतराम गोयल, मनीष फिटकारीवाला, सोनू फिटकारीवाली, संजय अग्रवाल, नंदकिशोर अग्रवाल, सुशील गुप्ता, राजेश योगा सरजी, कैलाश चंद केडिया, निर्मला केडिया, अशोक गुप्ता एसजे, अर्जुन गुप्ता, राजेंद्र अग्रवाल, प्रीतिका अग्रवाल एवं अन्य राधे राधे ग्रुप सदस्य उपस्थित थे।

एनएमडीसी ने नवंबर में रिकॉर्ड 18 प्रतिशत उत्पादन वृद्धि दर्ज की, बिक्री में 5.5 प्रतिशत की वृद्धि

हैदराबाद, 03 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भारत के सबसे बड़े लौह अयस्क उत्पादक, सरकारी स्वामित्व वाली राष्ट्रीय खनिज विकास निगम (एनएमडीसी) ने एक बार फिर अपनी परिचालन उत्कृष्टता का प्रदर्शन करते हुए स्थापना के बाद से नवंबर में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दर्ज किया है। कंपनी का उत्पादन 4.51 मिलियन टन (एमटी) रहा, जो नवंबर 2023 में 3.83 मीट्रिक टन से उल्लेखनीय वृद्धि है, और लौह अयस्क की बिक्री 4 मीट्रिक टन रही, जो पिछले नवंबर के 3.79 मीट्रिक टन के रिकॉर्ड को पार कर गई। कंपनी ने सोमवार को यहां एक विज्ञप्ति में कहा कि यह पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में उत्पादन वृद्धि में 18 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि और बिक्री में 5.5 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है। एनएमडीसी के निदेशक (वित्त) अमिताव मुखर्जी ने कहा, नवंबर के लिए अब तक के सर्वश्रेष्ठ उत्पादन और बिक्री के आंकड़े हासिल करना एनएमडीसी के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। यह टीम के दृढ़ समर्पण और कठोर प्रयासों और विकास और प्रदर्शन को आगे बढ़ाने के लिए कंपनी की प्रतिबद्धता का प्रतिबिंब है। जैसे-जैसे हम आगे बढ़ रहे हैं, हम सतत विकास और अपने हितधारकों को मूल्य प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। इस नवंबर में एनएमडीसी द्वारा प्राप्त सकारात्मक परिणाम सावधानीपूर्वक योजना, आदर्श मूल्य निर्धारण तंत्र और ग्राहकों द्वारा लगातार उठाव का प्रमाण हैं। पूरी टीम के समर्पित प्रयास इन प्रभावशाली परिणामों को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण रहे हैं, जिससे कंपनी की परिचालन दक्षता और बाजार की प्रतिक्रियाशीलता सुनिश्चित हुई है। उन्होंने कहा कि इन रणनीतिक उपायों के साथ, एनएमडीसी इस वित्तीय वर्ष में 50 मिलियन टन के अपने महत्वाकांक्षी लक्ष्य को पूरा करने के लिए सही रास्ते पर है।

विश्व एड्स दिवस सप्ताह के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम नवभारत निर्माण संघ द्वारा विद्यार्थियों के लिए प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। कार्यक्रम में समाजसेवी अमृत कुमार जैने ने रॉयल पैरा-मेडिकल कॉलेज के विद्यार्थियों को पुरस्कार वितरित किए। इस अवसर पर बहादरपुरा संघ के अध्यक्ष एस रवि कुमार, भाजपा के वरिष्ठ नेता सी. संजय कुमार, सुमन गौड़ आदि उपस्थित थे।

आईडीए डेक्कन शाखा ने डॉ. सतीश कुमार रेड्डी का अभिनंदन किया

हैदराबाद, 03 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

प्रसिद्ध ऑर्थोडॉन्टिस्ट डॉ. के. सतीश कुमार रेड्डी को 29 नवंबर से डेंटल काउंसिल ऑफ इंडिया (डीसीआई) के (कार्यवाहक) अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया है। पहले उपाध्यक्ष के रूप में कार्यरत, वह डॉ. दिब्येंदु मजूमदार का स्थान लेंगे। जिनका कार्यकाल 28 नवंबर को समाप्त हो गया। आईडीए डेक्कन शाखा ने मंगलवार को हैदराबाद जिमखाना में प्रतिष्ठित पद पर पहुंचने पर उनका अभिनंदन किया।

आईडीए डेक्कन शाखा के अध्यक्ष डॉ. निरंजन रेड्डी, सचिव डॉ. ए श्रीकांत, कोषाध्यक्ष डॉ. फरहीन मिर्जा, पूर्व राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अध्यक्ष डॉ. वाईएस रेड्डी, डॉ. आदित्य संदीप, डेंटल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. करुणाकर, डॉ. महेश, डॉ. केवी रमण रेड्डी सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति शामिल थे। डॉ. रवींद्र, कार्यकारी सदस्य डॉ. अर्जुन यादव, डॉ. श्रीचरण रेड्डी, डॉ. श्रुति, डॉ. गीता, डॉ. श्रेया, डॉ. हरीश, निर्वाचित अध्यक्ष डॉ. सूर्य प्रसन्ना, डॉ. हुसैन अली खान, संपादकीय समिति के डॉ. हसनुद्दीन, डॉ. संजय रेड्डी, डॉ. भानु, डॉ. श्रीहरि, डॉ. प्रफुल्ल, डॉ. नम्रता, अपोलो अस्पताल के वरिष्ठ डॉ. वी वेंकटेश, डॉ. आर रेडप्पा, भास्कर रेड्डी, डॉ. महेंद्रनाथ जिन्होंने इस अवसर की शोभा बढ़ाई और डॉ. को सम्मानित किया। क्लिनिकल और अकादमिक ऑर्थोडॉन्टिक्स में 20 वर्षों से अधिक की तीन दशकों की विशेषज्ञता के साथ। उनकी विशिष्टताओं में क्लियर एलाइनर्स (अदृश्य ऑर्थोडॉन्टिक्स), लिं-गुअल ऑर्थोडॉन्टिक्स, सेल्फ-लिगेटिंग सिस्टम, सर्जिकल ऑर्थोडॉन्टिक्स और माइक्रो-इम्प्लांट्स जैसी अत्याधुनिक तकनीकें शामिल हैं।

दीपावली स्नेह मिलन, अन्नकुट और भजन संध्या सम्पन्न

हैदराबाद, 03 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज अत्तापुर सेन्ट्रल शाखा के तत्वावधान में दीपावली स्नेह मिलन, भव्य अन्नकुट महाप्रसादी तथा श्याम बाबा भजन संध्या भव्यता से सम्पन्न हुआ।

आज यहाँ अग्रवाल समाज अत्तापुर सेन्ट्रल शाखा द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञाप्ती मे मंत्री विरेन्द्र कुमार अग्रवाल ने बताया कि शनिवार दि. 30 नवम्बर 2024 को रात्री 7 बजे से चिन्न अंनतगिरी शिवालय, रामबाग, अत्तापुर, पिल्लर नं. 143, हैदराबाद मे भव्य अन्नकुट महाप्रसादी कार्याम सम्पन्न हुआ। कार्याम मे सम्माननिय अतिथि के रूप मे श्री जगन्नाथ मठ जीरा सितारामबाग के महंत अच्युत रामानुजाचार्य (अजय महाराज), बी.जे.पी नेता व मैलादेवरपल्ली पार्षद तोक्कला श्रीनिवास रेड्डी वहीं विशेष रूप से अग्रवाल समाज केन्द्रीय समिति के अध्यक्ष मनीष अग्रवाल एवं लव फॉर काऊ फाउंडेशन की ट्रस्टी परमेश्वरी शर्मा ने भाग लिया।

अवसर पर अच्युत रामानुजाचार्या ने कहा कि अग्रवाल समाज केंद्रीय समाज शाखा को बहुतबहुत धन्यवाद दिया खासकर की वीरेंद्र जी अग्रवाल एवं रामकिशन जी अग्रवाल, नवीन अग्रवाल और उनके सभी जो उसे सेंट्रल शाखा

के सदस्य हैं और साथ में जो सदस्य ना होते हुए भी वहां पर सेवक प्रदान कर रहे हैं ।

अच्युत रामानुजाचार्या ने आगे कहा कि आने वाला बड़ा कठिन समय है समय जो बांग्लादेश में हाल फिलहाल पिछले कई महीनो से वहां पर हम सब फेसबुक व्हाट्सएप के माध्यम से देख रहे हैं मेरा आपसे करबद्ध यही निवेदन है कि हमें बटना नहीं है, आज आने वाले समय में हमें अपने आप को एकजुट हिंदू बनना होगा हिंदू संगठन बनाना होगा इसके लिए कोई मोदी जी कोई योगी जी या कोई कमिश्नर या कोई मिलिट्री वाला क्या आपको नहीं बतायेंगे इसके लिए हमे अपने आपको, खुद ही खड़ा होना पड़ेगा। हमारे बागेश्वरधाम के पूज्य धिरेन्द्र शास्त्री ने 170 किलोमीटर की 10 दिन की यात्रा निकाली, वैसे ही हमें भी जगह जगह पर यात्रा निकालनी होगी ।

मैं आपसे बार बार एक ही निवेदन कर रहा हू कि भगवान से मिलने का साधन तो हम सब ढूंढ रहे हैं अपने जीविका चलाने का साधन ढूंढने मगर क्या हम आने वाली पीढ़ी के लिए एक अच्छा देश बनाने की एक मुहिम नहीं चला सकते ? समय से पहले अगर हम सतर्क नहीं होंगे और अवगत नहीं होंगे तो हम लोग सिर्फ नमक रोटी के ही लालच में पड़े रहकर आने वाली पीढ़ी के लिए कुछ भी अच्छा नहीं कर पाएंगेतो इसीलिए आज मैं आपसे एक निवेदन करता हूं कि हमें हमारे बांग्लादेशी भाई हिंदू भाई बहनों के लिए आवाज उठानी है और इतनी आवाज उठानी है कि एक चक्का जाम कर देना पड़े ऐसी आवाज उठानी है

अध्यक्ष नवीनकुमार अग्रवाल ने पधारे सभी समाजबंधुओ का स्वागत किया। कार्याम का शुभारंभ श्याम बाबा व अग्रसेन महाराज की छवी पर मालायारोपण किया गया। तत्पश्चात श्याम बाबा की आरती की गयी । विख्यात संगीतकार दिपेश जोशी अपनी टीम के साथ पधारे व श्याम बाबा के भजन प्रस्तुत किये। प्रसिद्ध संगीतकार दिपेश जोशी ने भक्ति का रंग जमाया। पधारे अतिथियो, सहयोगीयो, का समाज की ओर से अभिनंदन किया गया। मंत्री विरेन्द्र अग्रवाल ने सभी का आभार प्रकट किया।कार्यक्रम में अध्यक्ष नवीनकुमार अग्रवाल, उपाध्यक्ष मुकेश अग्रवाल, मंत्री विरेन्द्रकुमार अग्रवाल, सहमंत्री प्रशांत गुप्ता, कोषाध्यक्ष राजेश अग्रवाल, केन्द्रीय समिति सदस्य ललीत अग्रवाल तथा रामकिशन अग्रवाल, गोपाल अग्रवाल, सुरेश बंसल, मयुर कंदोई, राहुल अग्रवाल, जितेन्द्र अग्रवाल, सुशांत अग्रवाल, रोशन फिटकरीवाला, राजकुमार गोयल, आदर्श पोद्दार, नितेश अग्रवाल आदि उपस्थित थे।

केप्शन : अग्रवाल समाज अत्तापुर सेन्ट्रल शाखा द्वारा आयोजित दीपावली स्नेह मिलन व भव्य अन्नकुट महाप्रसादी मे उपस्थित महंत अच्युत रामानुजाचार्य, मैलादेवरपल्ली पार्षद तोक्कला श्रीनिवास, अग्रवाल समाज अध्यक्ष मनीष अग्रवाल, परमेश्वरी शर्मा, शाखा अध्यक्ष नवीन अग्रवाल, मंत्री विरेन्द्रकुमार अग्रवाल, रामकिशन अग्रवाल, राजेश अग्रवाल, प्रशांत गुप्ता, मुकेश अग्रवाल, ललीत अग्रवाल एवं अन्य।

आर्टिलरी सेंटर में अग्निवीरों का चौथा बैच का पास आउट हुआ

हैदराबाद, 03 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। प्रतिष्ठित आर्टिलरी सेंटर में मंगलवार को अग्निवीरों के चौथे समूह के लिए पासिंग आउट समारोह आयोजित किया गया। भारतीय सेना के किसी भी रेजिमेंटल सेंटर में प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले सबसे बड़े समूहों में से एक, 2,600 से अधिक अग्निवीरों ने अपना प्रशिक्षण संतो-षजनक ढंग से पूरा किया और गनर के रूप में आर्टिलरी रेजिमेंट में शामिल हो गए। अग्निवीर अब 31 सप्ताह के गहन प्रशिक्षण के बाद अपनी मूल आर्टिलरी रेजिमेंट में शामिल होंगे। समारोह के दौरान, जिसमें एक बड़ी परेड भी शामिल थी, सैन्य अधिकारियों, नागरिक गणमान्य व्यक्तियों और उनके परिवारों ने अग्निवीरों की यात्रा को श्रद्धांजलि दी।आर्टिलरी रेजिमेंट के कर्नल कमांडेंट और जोधपुर सब एरिया के जनरल ऑफिसर कमांडिंग मेजर जनरल पुनीत मेहता ने परेड की समीक्षा की और कहा कि यह भारतीय सेना के इतिहास में एक नए युग की शुरुआत का संकेत है। जैसा कि वे राष्ट्र की सेवा के लिए प्रतिबद्ध हैं, उन्होंने राष्ट्र निर्माण में अग्निवीरों की महत्वपूर्ण भूमिका को भी रेखांकित किया।माखन सिंह स्टेडियम में अग्निवीरों ने मलखंभ, युद्ध कला और मशाल रिले के प्रदर्शन के साथ अपनी युद्ध क्षमता का प्रदर्शन करने के बाद एक नाटकीय सैन्य सिम्फनी का प्रदर्शन किया। इन अभ्यासों में अग्निवीरों की प्रतिभा, अन-ुशासन और दृढ़ संकल्प का प्रदर्शन किया गया और अब वे आर्टिलरी रेजिमेंट में नई चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार हैं। युद्ध स्मारक पर एक दुखद पुष्पांजलि समारोह ने कार्यक्रम की शुरुआत को चिह्नित किया, जिसके दौरान गणमान्य व्यक्तियों ने देश की रक्षा में अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर सैनिकों को सम्मानित किया। हैदराबाद के आर्टिलरी सेंटर में अग्निवीरों के पासिंग आउट समारोह में नए शामिल हुए गनर्स के लिए भारतीय सेना के लिए एक बड़ा मील का पत्थर और गर्व का क्षण था।

479वें नवीकरण पाठ्यक्रम का समापन

हैदराबाद, 03 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। केंद्रीय हिंदी संस्थान हैदराबाद केंद्र द्वारा गोवा राज्य के हिंदी अध्यापकों के प्रशिक्षण के लिए दिनांक 20.11.2024 से 03.12.2024 तक आयोजित 479 वें नवीकरण पाठ्यक्रम का समापन समारोह गोवा राज्य के पोरवरिम में एससीईआरटी के सभागार में दि 03.12.2024 को आयोजित किया गया। समापन समारोह की विशिष्ट अतिथि के रूप में एससीईआरटी, गोवा की निदेशक, मेघना शेटगांवकर, मुख्य अतिथि के रूप में एससीईआरटी, गोवा के प्रोफेसर-समन्वयक डॉ. गोपाल प्रधान उपस्थित थे। सम्मानित अतिथि के रूप में श्रीमती सरिता मराठे निदेशक प्रशासनिक उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रोफेसर गंगाधर वानोडे क्षेत्रीय निदेशक, हैदराबाद केंद्र द्वारा की गयी। इस कार्यक्रम में कुल 71 (महिला-59, पुरुष-12) प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

इस पाठ्यक्रम के दौरान प्रो. गंगाधर वानोडे ने भाषा विज्ञान और उसके विविध पक्ष, ध्वनि उच्चारण, भाषा परिमार्जन तथा भाषा कौशल, डॉ. फत्तारम नायक ने हिंदी साहित्य का इतिहास, भारतीय ज्ञान परंपरा डॉ. दीपेश व्यास ने हिंदी व्याकरण तथा उसके विविध पक्ष, प्रो. संदीप लौटलीकर ने भाषा शिक्षण एवं साहित्य शिक्षण विषय पर अध्यापन कार्य किया तथा प्रो. वृषाली मांद्रेकर ने ङ्गहिंदी तथा कोंकणी अनुवाद प्रक्रियाफ एवं आदित्य सिनाय भांगी ने ङ्गहिंदी तथा कोंकणी ध्वनियों का तुलनात्मक अध्ययन एवं लेखन विधिफ विषय पर विशेष व्याख्यान दिया।

गणेश स्तुति द्वारा समापन समारोह कार्यक्रम की शुरुआत की गई तथा स्वागत गीत एवं पुष्प गुच्छ से अतिथियों का स्वागत प्रतिभागी अध्यापकों द्वारा किया गया।

इस कार्यक्रम में गणेश स्तुति सौ. सुनीता नेगी एवं समूह द्वारा प्रस्तुत की गई। संस्थान गीत सौ. स्वीना वेलिप एवं समूह द्वारा प्रस्तुत किया गया। एकल प्रदर्शन प्रीति केरकर ने प्रस्तुत किया, समूह नृत्य सौ. योगिता मेहले एवं समूह द्वारा प्रस्तुत किया गया। श्री प्रकाश पार्सेकर, सौ. योगिता मेहले व रेशमा मोहिते द्वारा कार्यक्रम से संबंधित मंतव्य प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन श्री श्रीनिवास पाटिल ने किया व धन्यवाद ज्ञापन श्री उमेश महलकर ने प्रस्तुत किया। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।

डीसीए ने मेडचल-मलकाजगिरी में झोलाछाप क्लीनिक पर छापा मारा

स्टॉक में रखी दवाएं जब्त की

हैदराबाद, 03 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के ड्रग कंट्रोल एडमिनिस्ट्रेशन (डीसीए) ने एक झोलाछाप बनोथु श्रीनू पर छापा मारा, जो अपने स्थानीय क्लिनिक, अंजलि क्लिनिक में बिना उचित योग्यता के दवा का अभ्यास कर रहा था। डीसीए के महानिदेशक वीबी कमलासन रेड्डी के अनुसार , यह छापेमारी सोमवार को मेडचल-मलकाजगिरी जिले के उप्पल खालसा गांव के बीरप्पागड्डा में की गई।

रेड्डी ने कहा, वह अपने क्लिनिक, अंजलि क्लिनिक में बिना उचित योग्यता के दवा का अभ्यास कर रहा था। छापेमारी के दौरान, डीसीए अधिकारियों ने 17 प्रकार की दवाइयां पाई, जिनमें एंटीबायोटिक्स, स्टेरॉयड, एंटीफंगल दवाएं, एनाल्जेसिक और अन्य शामिल हैं, जो बिना वैध ड्रग लाइसेंस के परिसर में अयोग्य व्यक्तियों द्वारा स्टॉक की गई थीं। उन्होंने कहा, डीसीए अधिकारियों ने छापेमारी के दौरान 20,500 रुपये मूल्य का स्टॉक जब्त किया। जब्त की गई दवाओं में सेफ्ट्रिएक्सोन और एमोक्सिसिलिन जैसी कई एंटीबायोटिक्स शामिल थीं। एंटीबायोटिक्स की अंधाधुंध बिक्री से जन स्वास्थ्य पर विनाशकारी परिणाम हो सकते हैं, जिसमें रोगाणुरोधी प्रतिरोध का उभरना भी शामिल है।

रेड्डी ने क्लिनिक में डेक्सामेथासोन सहित स्टेरॉयड की मौजूदगी पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने चेतावनी दी, स्टेरॉयड का दुरुपयोग गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं, जैसे प्रतिरक्षा प्रणाली दमन, हार्मोनल असंतुलन, मांसपेशियों और हड्डियों की कमजोरी, हृदय संबंधी समस्याओं और मनोवैज्ञानिक प्रभावों को जन्म दे सकता है। स्टेरॉयड का अंधाधुंध उपयोग सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण जोखिम पैदा करता है।

उप्पल के ड्रग्स इंस्पेक्टर डॉ. बी लक्ष्मी नारायण और मेडिपली के ड्रग्स इंस्पेक्टर पी अंबेडकर ने छापेमारी की। जब्त की गई दवाओं के नमूने आगे के विश्-लेषण के लिए भेजे गए हैं और जांच पूरी होने के बाद सभी अपराधियों के खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी। डीसीए ने इस बात पर भी जोर दिया कि बिना वैध लाइसेंस के दवाओं का भंडारण और बिक्री करने वाले अयोग्य व्यक्तियों को दवाइयाँ आपूर्ति करने वाले थोक विक्रेता या डीलर ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट के तहत दंडनीय हैं। अधिकारियों ने कहा कि ऐसे आपूर्तिकर्ताओं के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

टीटीडी एक लाख देसी गौवंश से गौ महाधाम का निर्माण करें : शिवकुमार

तिरुपति/ हैदराबाद, 03 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। युग तुलसी फाउंडेशन के अध्यक्ष व तिरुमला तिरुपति देवस्थान (टीटीडी) के पूर्व बोर्ड सदस्य कोलिसेट्टी शिवकुमार नें भगवान तिरुपति बालाजी को शुद्ध देशी गौवंशों से निर्मित (नैवेद्य) दूध दही मक्खन व घी से निर्मित भोग लगाने के लिए टीटीडी के तत्वावधान में एक लाख स्वदेशी गौवंशों के साथ गौ

महाधाम बनाने की माँग करते हुए टीटीडी के कार्यकारी अधिकारी (ईओ) जे. श्यामला राव, टीटीडी के अतिरिक्त कार्यकारी अधिकारी (ऐईओ) वेंकैय्या चौधरी व टीटीडी की संयुक्त कार्यकारी अधिकारी (जेईओ) आईएएस गौतमी व जगद्गुरु शंकराचार्य विजयेंद्र सरस्वती स्वामी से एक लाख देशी गौवंशों से गौ महाधाम का निर्माण करने का अनुरोध पत्र व गौशाला निर्माण की व्यापक रिपोर्ट के साथ में श्री गौधाम महातीर्थ पथमेडा (राजस्थान) द्वारा गौशाला निर्माण हेतु भेजा गया निवेदन पत्र भी सौंपा ।

थैलेसीमिया रोगियों के लिए ऑल इंडिया पयाम ए इंसानियत फाउंडेशन द्वारा

मेगा स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन

शिविर में 632 रक्त यूनिट एकत्रित किया गया

हैदराबाद, 03 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। ऑल इंडिया पयाम ए इंसानियत फाउंडेशन ने रविवार को मलकपेट में थैलेसीमिया रोगियों के लिए मेगा स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया है। अनिल कुमार यादव, सांसद और मलकपेट विधायक अहमद बिन अब्दुल्ला बलाला और कई अन्य लोगों ने भी रक्तदान शिविर का दौरा किया । अबू ऐमल और टीएससीएस के समर्पित कर्मचारियों ने रक्तदान शिविर में भाग लिया, जहां एकत्र किया गया रक्त थैलेसीमिया रोगियों के लिए होंगी, जिन्हें जीवित रहने के लिए हर 15 दिनों में रक्त की आवश्यकता होती है और कैंसर रोगियों के लिए भी।

टीएससीएस अध्यक्ष डॉ. चंद्रकांत अग्रवाल ने सांसद और विधायक से अपील की कि वे प्रत्येक गर्भवती महिला के लिए अनिवार्य प्रसवपूर्व परीक्षण - एचबीए 2 के लिए जी.ओ जारी करने में मदद करें ताकि थैलेसीमिया प्रमुख बच्चों के जन्म को रोकने में मदद मिल सके, ताकि भारत में थैलेसीमिया मुक्त पहला राज्य घोषित किया जा सके।

टीएससीएस के संयुक्त सचिव एमए अलीम बेग ने सांसद अनिल कुमार यादव और मलकपेट विधायक अहमद बिन अब्दुल्ला बलाला को तेलंगाना में थैलेसीमिया की स्थिति और थैलेसीमिया रोगियों को रक्त चढ़ाने के लिए रक्त दाताओं को आगे आने की आवश्यकता के बारे में जानकारी दी। एकत्रित रक्त का उपयोग उन रोगियों के लिए किया जाएगा जिन्हें नियमित अंतराल पर रक्त आधान की आवश्यकता होती है। इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने कहा, हम वास्तव में 632 दाताओं और अन्य लोगों के प्रति आभारी हैं, जो थैलेसीमिया रोगियों के लिए रक्त की आवश्यकता को पूरा करने के लिए आगे आए और रक्तदान किया। हम बेहद सम्मानित महसूस कर रहे हैं कि सांसद अनिल कुमार यादव और मलकपेट विधायक अहमद बिन अब्दुल्ला बलाला ने रक्तदान शिविर का दौरा किया।

रक्तदान शिविर के बारे में बोलते हुए अबू ऐमल ने कहा, टीएससीएस हैदराबाद में मेगा रक्तदान शिविर आयोजित करने में सबसे आगे रहा है। हम उन सभी मेहमानों और दाताओं को धन्यवाद देते हैं जिन्होंने हमें अपना समर्थन दिया है और थैलेसीमिया और इसके उन्मूलन के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देने का भी वादा किया है। .

तेलंगाना स्टेट टैग ऑफ वॉर एसोसिएशन के चुनाव सम्पन्न

हैदराबाद, 03 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। फतेह मैदान क्लब, एलबी स्टेडियम में तेलंगाना स्टेट टैग ऑफ वॉर एसोसिएशन इलेक्शन 2024-2028 चार साल के लिए चुना गया। इस प्रतियोगिता में स्टेट टैगफार एसोसिएशन के अध्यक्ष पद पर निर्वाचित अदर्ला महेश, मधिरा सत्यनारायण क्षेत्रीय सचिव, जी. श्रीनिवास राव, उपाध्यक्ष अखिल भारतीय एससीएसटी कर्मचारी कल्याण संघ, अखिल भारतीय/दक्षिणी क्षेत्र द्वारा नवनियुक्त पदाधिकारियों को सम्मानित किया है । अदरला महेश को तेलंगाना टैगा ऑफ वॉर एसोसिएशन का अध्यक्ष और के. संतोष कुमार, जी. भरत रेड्डी, मोटकुर यादयाह उपाध्यक्ष मुख्य सचिव एम. ब्रह्मानंदम, अलेटी संपत कुमार सहायक सचिव, पुलकराम मल्लिकार्जुन, बी. सीएच ज्योति को दीपा और कोषाध्यक्ष चुना गया। ऑल इंडिया जीएसआई एसटी एससी वेलफेयर एसोसिएशन की क्षेत्रीय सचिव मधिरा सत्यनारायण, उपाध्यक्ष जी. श्रीनिवास राव, विट्ठल राव, यादैया, दर्शन और अन्य ने भाग लिया।

अजमेर के डिप्टी मेयर ने की सर्वे की मांग

जैन मंदिर था अढ़ाई दिन का झोपड़ा

अजमेर, 03 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के अजमेर में स्थित अढाई दिन का झोपड़ा मस्जिद के सर्वे की मांग उठी है। यह मांग अजमेर दरगाह के सर्वे की याचिका स्वीकार किए जाने के बाद उठाई गई है। यह दोनों पास में ही स्थित हैं। अजमेर के डिप्टी मेयर नीरज जैन ने कहा है कि पहले यह संस्कृत विश्वविद्यालय और मंदिर था। नीरज जैन ने एएसआई से इसका सर्वे और संरक्षण करने की मांग की है।

नीरज जैन ने कहा, यह पाठशाला करीब 1000 साल पुरानी है और यहां स्वास्तिक के निशान, घंटियां और संस्कृत में लिखे शिलालेख पाए गए हैं। इसके बाद भी इस जगह पर अवैध कब्जा किया गया है। हम पहले मांग कर चुके हैं कि इस संस्कृत पाठशाला से अवैध कब्जा हटाया जाए और जो अनैतिक गतिविधियां हो रही हैं उन्हें रोका जाए। हम चाहते हैं कि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) इसे अपने कब्जे में लेकर संरक्षित और संवर्धित करें, जैसे नालंदा विश्वविद्यालय का पुनर्निर्माण किया गया है।

नीरज जैन ने कहा, हाल ही में जैन संतों ने भी इस जगह का दौरा किया था और महसूस किया कि यहां एक जैन मंदिर भी था, क्योंकि यहां जैन धर्म से सम्बन्धित मूर्तियां मिली हैं। उनका मानना है कि यह स्थान न केवल धार्मिक आस्था का केंद्र था, बल्कि यहां संस्कृत की शिक्षा भी दी जाती थी। इस जगह का जिक्र कई ऐतिहासिक किताबों में भी मिलता है। मैं केंद्र और राज्य सरकारों से अनुरोध करता हूँ कि वह इस स्थान को संरक्षित करने और इसके गौरव को वापस लाने के लिए कदम उठाएं।

आज जिसे अढ़ाई दिन का झोंपड़ा कहा जाता है, वह मूल रूप से विशालकाय संस्कृत महाविद्यालय (सरस्वती कंठभरण महाविद्यालय) हुआ करता था, जहां संस्कृत में ही विषय पढ़ाए जाते थे। यह ज्ञान और बुद्धि की हिंदू देवी माता सरस्वती को समर्पित मंदिर था। इस भवन को महाराजा विग्रहराज चतुर्थ ने अधिकृत किया था। वह शाकंभरी चाहमना या चौहान वंश के राजा थे। कई दस्तावेजों के अनुसार, मूल इमारत चौकोर आकार की थी। इसके हर कोने पर एक मीनार थी। भवन के पश्चिम दिशा में माता सरस्वती का मंदिर था। 19वीं शताब्दी में, उस स्थान पर एक शिलालेख (स्टोन स्लैब) मिली थी जो 1153 ई. पूर्व की थी। विशेषज्ञों का मानना है कि शिलालेख के आधार पर यह अनुमान लगाया जा सकता है कि मूल भवन का निर्माण 1153 के आसपास हुआ था। हालांकि, कुछ स्थानीय जैन किंवदंतियों का कहना है कि इमारत सेठ वीरमदेव कला द्वारा 660 ई में अधिकृत किया गया था। यह एक जैन तीर्थ के रूप में बनाया गया था और पंच कल्याणक माना जाता था।

1192 ई. में, मुहम्मद गोरी ने महाराजा पृथ्वीराज चौहान को हराकर अजमेर पर अधिकार कर लिया। उसने अपने गुलाम सेनापति कुतुब-उद-दीन-ऐबक को शहर में मंदिरों को नष्ट करने का आदेश दिया। ऐसा कहा जाता है कि उसने ऐबक को 60 घंटे के भीतर मंदिर स्थल पर मस्जिद के एक नमाज सेक्शन का निर्माण करने का आदेश दिया था ताकि वह नमाज अदा कर सके। चूंकि, इसका निर्माण ढाई दिन में हुआ था, इसीलिए इसे अढ़ाई दिन का झोपड़ा नाम दिया गया।

प्रसिद्ध इतिहासकार सीताराम गोयल ने अपनी पुस्तक हिंदू टेंपल: व्हाट हैपन्ड टू देम में मस्जिद का उल्लेख किया है। उन्होंने लेखक सैयद अहमद खान की पुस्तक असर-उस-सनदीद का हवाला दिया, जिसमें उन्होंने उल्लेख किया था कि अजमेर की मस्जिद, यानी अढ़ाई दिन का झोंपड़ा, हिंदू मंदिरों की सामग्री का उपयोग करके बनाई गई थी।

अलेक्जेंडर कनिंघम को 1871 में एएसआई के महानिदेशक के रूप में नियुक्त किया गया था। उन्होंने चार रिपोर्ट्स मेड ड्यूरिंग द इयर्स, 1862-63-64-65 में मस्जिद का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया है। कनिंघम ने उल्लेख किया कि स्थल का निरीक्षण करने पर, उन्होंने पाया कि यह कई हिंदू मंदिरों के खंडहरों से बनाया गया था। उन्होंने कहा, इसका नाम अढाई दिन का झोपड़ा इसके निर्माण की तेज गति को दिखाता है और यह केवल हिंदू मंदिरों के तैयार मुफ्त सामग्री के इस्तेमाल से ही संभव था। कनिंघम ने रिपोर्ट में मस्जिद का दौरा करने वाले ब्रिटिश साम्राज्य के लेफ्टिनेंट-कर्नल जेम्स टॉड का हवाला दिया। टॉड ने कहा था कि पूरी इमारत मूल रूप से एक जैन मंदिर हो सकती है। हालांकि, उन्होंने उस पर चार-हाथ वाले कई स्तंभ भी पाए जो स्वभाविक रूप से जैन के नहीं हो सकते थे। उन मूर्तियों के अलावा, देवी काली की एक आकृति थी।

उन्होंने कहा, कुल मिलाकर, 344 स्तंभ थे, लेकिन इनमें से दो ही मूल स्तंभ थे। हिंदू स्तंभों की वास्तविक संख्या 700 से कम नहीं हो सकती थी, जो 20 से 30 मंदिरों के खंडहर के बराबर है। रिपोर्टों के अनुसार, 1990 के दशक तक, मस्जिद के अंदर कई प्राचीन हिंदू मूर्तियां बिखरी हुई थीं। 90 के दशक में, एएसआई ने उन्हें संरक्षित करने के लिए एक सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट कर दिया था। अब यह पूरा मामला भी कोर्ट में ले जाने की मांग हो रही है।

हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का चंडीगढ़ पधारने पर हार्दिक अभिनंदन एवं स्वागत किया।

ब्रह्म प्रकाश डीएवी स्कूल के छात्रों ने हिंदी ओलंपियाड में बिखेरी अपनी प्रतिभा

हैदराबाद, 03 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। ब्रह्म प्रकाश डीएवी स्कूल के छात्रों ने अखिल भारतीय राष्ट्रभाषा विकास समिति द्वारा आयोजित हिंदी ओलंपियाड (2024-25) में अद्भुत प्रदर्शन करते हुए शानदार स्थान प्राप्त किए। हमारे विद्यालय के 72 छात्रों ने इस प्रतियोगिता में हिस्सा लिया, जिन्हें आज विद्यालय परिसर में प्रशस्ति-पत्र विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री वी. एस. प्रशांत जी द्वारा प्रदान किया गया। विद्यालय की दो छात्राओं आयुषी (कक्षा-चौथी) तथा श्वेता (कक्षा-दसवीं) को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए राष्ट्रभाषा सम्मान पुरस्कार प्रदान किया गया।

यह प्रतियोगिता हिंदी भाषा के ज्ञान और कौशल का मूल्यांकन करने के लिए आयोजित की जाती है। हिंदी ओलंपियाड एक राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता है, जिसका उद्देश्य छात्रों में हिंदी भाषा के प्रति रुचि और ज्ञान को बढ़ावा देना है। विद्यालय के हिंदी विभाग के शिक्षकों ने छात्रों को हिंदी ओलंपियाड के लिए तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाया। ब्रह्म प्रकाश डी. ए. वी. स्कूल के प्रधानाचार्य श्री वी. एस. प्रशांत जी ने कहा, हमें अपने छात्रों पर गर्व है, जिन्होंने हिंदी ओलंपियाड प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। हम उम्मीद करते हैं कि वे आगे भी इसी तरह की मेहनत और प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे।

सहायक क्षेत्रीय अधिकारिणी श्रीमती के. आनंदवल्ली जी ने हिंदी ओलंपियाड प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को बधाई दीं।

उन्होंने आगे भी इसी तरह के मेहनत और प्रतिभा का प्रदर्शन करने के लिए छात्रों को प्रोत्साहित किया।फाइनेंस डायरेक्टर (मिधानि) और स्कूल-चेयरमैन श्री सी. ए. एन. गौरी शंकर राव जी ने हिंदी ओलंपियाड प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करने वाले छात्रों का अभिनंदन किया तथा उनकी सफलता के लिए शुभकामनाएँ दीं।एल एम सी (बी डी एल तथा मिधानि) के सदस्यों ने भी छात्रों को भविष्य में भी ऐसी ही उपलब्धियाँ हासिल करने की शुभकामनाएँ दीं। विद्यालय ने इस तरह के आयोजनों के माध्यम से हिंदी भाषा को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्धता दिखाई है।

सूत्रधार संस्था का वार्षिक अधिवेशन हर्षोल्लासपूर्वक सम्पन्न

हैदराबाद, 03 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। साहित्य, कला, संस्कृति, शिक्षा और समाज सेवा हेतु समर्पित अग्रणी संस्था- सूत्रधार साहित्यिक एवं सांस्कृतिक संस्था, हैदराबाद, भारत द्वारा वार्षिक अधिवेशन का भव्य आयोजन महिला नवजीवन मंडल स्कूल, रामकोट के कीमती सभागार में किया गया। इस अवसर पर संगोष्ठी, पुरस्कार वितरण एवं सम्मान समारोह तथा कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। संस्थापिका सरिता सुराणा ने सभी सम्मानित अतिथियों और सदस्यों का हार्दिक स्वागत एवं अभिनन्दन किया और वाजा इंडिया तेलंगाना इकाई के अध्यक्ष ख्याति प्राप्त वरिष्ठ साहित्यकार मुख्य वक्ता श्री एन आर श्याम और वाजा इंडिया महिला विभाग की उपाध्यक्ष विशेष वक्ता डॉ. सुमन लता रुद्रवझला तथा सेवानिवृत्त सहायक महाप्रबंधक, राजभाषा, सिंडिकेट बैंक डॉ. वी वेंकटेश्वर राव को विशेष अतिथि के रूप में मंच पर आमंत्रित किया। साथ ही साथ संस्था की उपाध्यक्ष श्रीमती ज्योति गोलामुडी और सचिव श्रीमती आर्या झा को मंच पर आमंत्रित किया। नगर द्वय की ख्याति प्राप्त वरिष्ठ साहित्यकार कादम्बिनी क्लब अध्यक्ष डॉ.अहिल्या मिश्र ने इस कार्यक्रम की अध्यक्षता की। स्वास्थ्य सम्बन्धी कारणों से वे उपस्थित नहीं हो पायीं इसलिए उन्होंने घर से ही अपना आशीर्वाद प्रदान किया। सरिता सुराणा ने आगे के कार्यक्रम के संचालन हेतु श्रीमती आर्या झा को कार्यभार सौंप दिया।

आर्या झा ने संस्था अध्यक्ष और सभी अतिथियों को दीप प्रज्ज्वलन हेतु आमंत्रित किया। तत्पश्चात् कार्यकारिणी सदस्य श्रीमती तृप्ति मिश्रा ने बहुत ही मधुर स्वर में निराला कृत सरस्वती वन्दना प्रस्तुत की। अपने स्वागत भाषण में सरिता सुराणा ने कहा कि संस्था के गठन को 4 वर्ष पूर्ण हो चुके हैं और संस्था उत्तरोत्तर विकास की ओर उन्मुख है। उन्होंने अतिथियों का परिचय प्रस्तुत करने के साथ-साथ संस्था के समूह में चलने वाली नियमित गतिविधियों की जानकारी प्रदान की और सभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि इन 4 वर्षों में संस्था ने विभिन्न पर्व-त्यौहारों के अवसर पर लगभग 400 ऑनलाइन कार्यक्रम आयोजित किए हैं। जिनमें साहित्यकार को जानें और नौ दिवसीय मातृ भक्ति गीत महोत्सव प्रमुख हैं। उन्होंने कहा कि हिन्दी दिवस के अवसर पर संस्था द्वारा विद्यार्थियों और लेखकों के लिए निबन्ध प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया था। आज उनके विजेताओं को ट्रॉफी, मोमेंटो और प्रमाण पत्र देकर के सम्मान किया जाएगा। तत्पश्चात् संस्था सदस्यों द्वारा मंचासीन अतिथियों का शॉल और मोती माला से सम्मान किया गया। सम्मान के क्रम में संस्था की उपाध्यक्ष श्रीमती ज्योति गोलामुडी द्वारा संस्था की संरक्षक सदस्यता ग्रहण करने पर शॉल, मोती माला, मोमेंटो और प्रमाण पत्र देकर के विशेष सम्मान किया गया। उसके बाद मंचासीन अतिथियों ने विजेता बच्चों को ट्रॉफी, पैन और प्रमाण पत्र प्रदान किए।

लेखकों के लिए आयोजित निबन्ध प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर श्रीमती तृप्ति मिश्रा को ट्रॉफी और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। इसमें पुणे, महाराष्ट्र के अजय कुमार सिन्हा ने द्वितीय और हैदराबाद की श्रीमती अमिता श्रीवास्तव ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। श्रीमती सविता शर्मा को सांत्वना पुरस्कार प्राप्त हुआ। श्रीमती शोभा देशपांडे ने सरिता सुराणा का शॉल ओढ़ाकर सम्मान किया।

पुरस्कार एवं सम्मान समारोह के पश्चात् संगोष्ठी के मुख्य वक्ता एन आर श्याम ने कहा कि आज की संगोष्ठी का विषय है- 'हिन्दी साहित्य के विकास में दक्षिण भारतीय साहित्यकारों का योगदान'। उन्होंने कहा कि मुनीन्द्र जी जैसे समर्पित हिन्दी सेवी की तरह हिन्दी प्रदेशों से आने वाले हिन्दी भाषियों ने दक्षिण भारत में हिन्दी भाषा के प्रचार-प्रसार में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है। दक्षिण भारतीय साहित्यकारों में बालशौरि रेड्डी, पी वी नरसिम्हा राव, भीमसेन निर्मल, शांता सुन्दरी, निखिलेश्वर, डॉ सुमन लता, टी.सी. वसंता, डॉ श्रीलक्ष्मी, जी परमेश्वर और एम रंगय्या ने अनुवाद के माध्यम से हिन्दी साहित्य के विकास में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि बालशौरि रेड्डी और स्वयं मैंने हिन्दी में मौलिक लेखन भी किया है। डॉ सुमन लता ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि तेलुगु से हिंदी और हिंदी से तेलुगु के प्रसिद्ध अनुवादक- श्री सुंदर रेड्डी, वेमूरि बंधु ,भीमसेन निर्मल, विजय राघव रेड्डी, पी माणिक्यांबा ने उल्लेखनीय कार्य किया है। साथ ही साथ पुरुषोत्तम कवि, बालशौरि रेड्डी और आरेगपुडि रमेश चौधरी का उल्लेख किया, जो अनुवादक ही नहीं बल्कि मौलिक लेखक भी थे। उन्होंने बताया कि रीतिकाल के प्रसिद्ध कवि पद्माकर और वल्लभाचार्य जी तेलुगु भाषी हैं। अन्नमाचार्य जी के पौत्र ने आठ भाषाओं में दण्ड लिखे हैं ,जिनमें शौरसेनी और मागधी भाषाएं भी हैं।

वेंकटेश्वर राव ने अपने उद्बोधन में संस्था के वार्षिक अधिवेशन पर संस्था अध्यक्ष और सभी सदस्यों को बधाई दी और कहा कि संस्था अपने लक्ष्य की ओर निरंतर गतिमान है। संस्था उपाध्यक्ष श्रीमती ज्योति गोलामुडी ने संस्था के उज्ज्वल भविष्य के लिए अपनी शुभकामनाएं दी और कहा कि वे संस्था के प्रति पूर्ण समर्पण भाव से काम करेंगी। प्रथम सत्र के समापन पर आर्या झा ने सभी सहभागियों का धन्यवाद ज्ञापित किया और द्वितीय सत्र की अध्यक्षता करने हेतु एन आर श्याम को तथा वरिष्ठ गीतकार सत्य प्रसन्न राव और नाटककार सुहास भटनागर को विशेष अतिथि के रूप में मंच पर आमंत्रित किया। इस कवि सम्मेलन में अशोक दोशी, तृप्ति मिश्रा, अंशु सक्सेना, ज्योति गोलामुडी, शोभा देशपांडे, सुनीता लुल्ला, आर्या झा और सरिता सुराणा ने काव्य पाठ किया। तत्पश्चात् सत्य प्रसन्न ने अपने अंदाज में ग़ज़ल और शृंगारिक रचनाओं का पाठ किया, जिसकी श्रोताओं ने मुक्त कंठ से प्रशंसा की। सुहास भटनागर ने अपनी कहानियों का वाचन किया, जिनमें अमृता प्रीतम और इमरोज़ की कहानी प्रमुख थी। एन आर श्याम ने अध्यक्षीय टिप्पणी प्रस्तुत करते हुए कहा कि सभी रचनाकारों की रचनाएं उत्कृष्ट थीं। उन्होंने संस्था के प्रति हार्दिक शुभकामनाएं व्यक्त की और संस्था अध्यक्ष और सभी सदस्यों को सफल कार्यक्रम हेतु बधाई दी। आर्या झा ने कुशलतापूर्वक कार्यक्रम का संचालन किया। इस कार्यक्रम में वरिष्ठ साहित्यकार टी सी वसंता, डॉ श्रीलक्ष्मी, सुश्री जयश्री, तेलंगाना समाचार के सम्पादक के राजन्ना, जयन्त कुमार मिश्रा, अमित कुमार झा, आलोक कुमार सक्सेना, चंद्र कुमार पाण्डेय, रंजना पाण्डेय, वंशिका पाण्डेय, सालेहा बेगम, सुश्री माहिरा, जे अभिषेक, सुश्री त्रीवी गुप्ता, सुश्री जोशिता एन और उनके अभिभावक गण उपस्थित थे।

शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME
I, Service No. 6946135F Nk KOTESWARA RAO IMALLA, R/o 49/E2, Phase-2, Padma Nagar Colony, Bapu Nagar, Near Community hall, Sri Ram Nagar Colony, Chintal, Medchal Malkajgiri Dist of Unit:41 FAD, C/o.56 APO that my father name & DOB is changed from **BULLIAH**, DOB:**12-4-1949** to **IMALLA BULLIAIAH**, DOB: **01-01-1951** and correct my mother name & DOB from **KRUPAMA**, DOB:**02-03-1952** to **IMALLA KRUPAMMA**, DOB :**01-01-1956** vide affidavit dt:03-12-2024.

CHANGE OF NAME
I, Service No. 6941511A Hav MD Jakir Hussain of Adm Bn, AOC Centre, Secunderabad, Telangana India hereby state that my daughter name is to be changed from **MUSHKAND HUSSAIN** to **MUSKAN HUSSAIN**.

साहित्य सेवा समीति की मासिक 118वीं गोष्ठी संपन्न

हैदराबाद, 03 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। साहित्य सेवा समिति की 118 वीं मासिक गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी दो सत्रों में संपन्न हुई। प्रथम सत्र में दिए गए विषय पर चर्चा हुई तथा द्वितीय सत्र में काव्य गोष्ठी का आयोजन हुआ। गोष्ठी में संचालन का निर्वाहन श्रीमती ममता जायस्वाल समिति के महामंत्री ने किया।

दोनो सत्रों के अध्यक्ष का कार्यवहन किया सुश्री सुनीता लुल्ला जी ने। गोष्ठी का प्रारंभ ममता सक्सेना जी के सरस्वती वंदना से हुआ। तत्पश्चात अध्यक्ष सुनीता लुल्ला जी ने सभी का अभिनंदन किया।

प्रथम सत्र में चर्चा का विषय हिन्दी साहित्य में साम्प्रदायिक सद्भाव पर विषय परिचय देते हुए कंचन श्रीवास्तव ने कहा संत साहित्य ने इस दिशा में अमूल्य कार्य किया।विषय के प्रमुख प्रवक्ता साहित्य, समाज सेवी श्री श्रुति कांत भारती जी ने कहा हर लेखन हर कार्य तभी सत्य होता है जब वह मनुष्यता को जीता है और मानवता को पोषित करता है।जो इससे परे है वह विनाश का ग्राहक है। प्राचीन साहित्यकारों से लेकर नवीन साहित्यकारों ने इसी कड़ी को पिरोया है। अंतत: जगदीश गुप्ता जी के शब्दों में कहा है कि मैं मानता हूं कि देश बड़ा है पर देश से भी बड़ी है मनुष्यता। दिल्ली से जुड़े अभिजित पाठक ने चर्चा के मुख को मोड़ते हुए कहा शक्करी ,शतुरमुर्गे चाशनी के छलावे में साहित्य को अपने खरे स्वरूप को बचाना होगा और सौहार्द के रूप में मानसिक दासता नहीं स्वीकारनी चाहिए। सी. पी .दायमा , सुनीता लुल्ला, गिरधारी लाल गुप्ता, दर्शन सिंह, उमेश चंद यादव, पुरुषोत्तम कड़ेल समेत सभी ने अंततोगत्वा इसे स्वीकारा व माना कि साहित्य से-हित ही होता है इसे भ्रम उत्पन्न करने,उकसाने के प्रयोग से वंचित रखना होगा।

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 78,770/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 92,780/- (प्रति किलोग्राम)

शेयर मार्केट

बीएसई : 80,845.75
+597.67 +0.74%↑

एनएसई :24,457.15
181.10 (0.75%) ↑

शुभ लाभ का वार्षिक सब्सक्रिप्शन लें और उतने ही मूल्य का विज्ञापन छपवाएं

शुभ लाभ — खबरें जो सोच बदल दे
R. No. 5305
SPACE COUPON Rs. 2500/-
Worth of 1 Advertisement 10x10 Sq. Cm. in Shubh Labh
Validity : 1 Year from the time of Issue
SUBSCRIPTION FORM
Name : ....
Period of Subscription : Annual Rs. 2500/-
Mode of Payment : CHEQUE / D.D.
Cheque No. & Date .... Drawn ....
Name of the Executive..........
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, T19 Towers, Ranigunj, Secunderabad-500 003 (T.S.)

सुधि पाठकों को यह सूचित करना है कि हिंदी दैनिक शुभ लाभ वार्षिक सब्सक्रिप्शन स्कीम में आंशिक फेरबदल के साथ नये सिरे से सदस्यता अभियान शुरू कर रहा है। रुपये 2500/- के सालाना सब्सक्रिप्शन पर आप निर्धारित अवधि में रुपये 2500/- मूल्य (10X10 वर्ग सेंटीमीटर) का विज्ञापन निःशुल्क प्रकाशित करा सकते हैं। सब्सक्रिप्शन कूपन की प्रकाशित फोटो के अनुरूप आप अपनी प्राप्ति-रसीद प्राप्त कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए 8688868345 पर संपर्क करें। - प्रबंधक

सूचना : सुधि पाठकों और विज्ञापनदाताओं से आग्रह है कि वे वार्षिक सब्सक्रिप्शन एवं विज्ञापन की राशि ऑनलाइन ट्रांजैक्शन के जरिए सीधे संस्थान के बैंक खाते में डालें या बार-कोड द्वारा भेजें...

A/C Holder Name : Shree Siddivinayak publications
Bank Name : City Union Bank OD Account
A/c.No. : 512120020029300
Branch : Balanagar, Hyderabad
IFS Code : CIUB0000464

SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Hyderabad Balanagar

संसाधन जुटाने के लिए तेलंगाना की एक इंच भी जमीन नहीं बेची : रेवंत

हैदराबाद, 03 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने कहा कि मैंने एक इंच भी सरकारी जमीन नहीं बेची, यह एक ऐसी प्रथा है जिसका पालन सरकारें दशकों से करती आ रही हैं, और फिर भी कर्ज चुकाने के अलावा कल्याण और विकास के लिए धन की व्यवस्था की। मुख्यमंत्री ने विभिन्न व्ययों में 65,000 करोड़ रुपये का कर्ज चुकाने और 20,000 करोड़ रुपये के कृषि ऋण माफ करने का जिक्र किया और इस सफलता का श्रेय सख्त राजकोषीय अनुशासन और राजस्व संग्रह में खामियों को दूर करने को दिया।

उन्होंने बताया, पूरी आर्थिक मंदी के बावजूद, जिसका देश भर में राजस्व जुटाने पर गंभीर प्रभाव पड़ा, तेलंगाना ने जीएसटी संग्रह में 17 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। इस कठिन परिस्थिति को समझाते हुए रेवंत रेड्डी ने कहा कि हर महीने 6,500 करोड़ रुपये सरकार के वेतन और स्थापना लागत पर खर्च किए जाएंगे, जबकि 6,500 करोड़ रुपये कर्ज चुकाने में खर्च किए जाएंगे।

उन्होंने कहा, मेरे पास 5,000 करोड़ रुपये बचे हैं, जिससे मुझे कल्याण और विकास के बीच संतुलन बनाए रखना है। उन्होंने बताया, पूरी आर्थिक मंदी के बावजूद, जिसका पूरे देश में राजस्व जुटाने पर गंभीर असर पड़ा है, तेलंगाना ने जीएसटी संग्रह में 17 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है।

इस कठिन परिस्थिति को समझाते हुए रेवंत रेड्डी ने कहा कि हर महीने 6,500 करोड़ रुपये सरकार के वेतन और स्थापना लागत पर खर्च किए जाएंगे, जबकि 6,500 करोड़ रुपये कर्ज चुकाने में खर्च किए जाएंगे। उन्होंने कहा, मेरे पास 5,000 करोड़ रुपये बचे हैं, जिससे मुझे कल्याण और विकास के बीच संतुलन बनाए रखना है।

स्वास्थ्य विभाग में अनुबंधित और आउटसोर्स कर्मचारियों की दलीलें अनसुनी

हैदराबाद, 03 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना में स्वास्थ्य विभाग में विभिन्न पदों पर कार्यरत संविदा और आउटसोर्स कर्मचारियों की परेशानियों पर राज्य सरकार मूकदर्शक बनी हुई है। इनमें से कई कर्मचारी 18 से 20 साल तक मामूली वेतन पर अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर रहे हैं और अनिश्चित भविष्य का सामना कर रहे हैं, क्योंकि सेवानिवृत्ति के बाद उनके पास कोई सहारा नहीं है। अगस्त में, चिकित्सा और स्वास्थ्य सेवा भर्ती बोर्ड (एमएचएसआरबी) ने भर्ती के लिए 1,931 बहुउद्देशीय स्वास्थ्य देखभाल सहायक (एमपीएचए) पदों को अधिसूचित किया। हालांकि, 6,500 से 7,000 ऐसे रिक्त पद हैं जिन्हें अधिसूचित और भरा जाना है। इससे शेष एमपीएचए कर्मचारियों के भविष्य पर सवाल उठता है, जो भर्ती परीक्षा में सफल नहीं हो पाते हैं। वर्तमान में, तेलंगाना में लगभग 4,000 आउटसोर्सिंग और अनुबंध कर्मचारी एमपीएचए के रूप में कार्यरत हैं। उनमें से कई लोग 29 दिसंबर को होने वाली एमपीएचए भर्ती परीक्षा के लिए पात्र होने की अपनी आयु सीमा पार कर चुके हैं।

उनमें से कई लोग पहले ही सेवानिवृत्ति की आयु तक पहुँच चुके हैं, लेकिन 10,000 रुपये से कम के मासिक वेतन पर निर्भर हैं। हमारे सदस्यों ने मात्र 4,000 रुपये प्रति माह के मामूली मासिक वेतन पर शुरुआत की और 18 से 20 वर्षों तक काम करना जारी रखा है। राज्य सरकारों ने कोविड महामारी सहित विभिन्न संकट स्थितियों के दौरान उनकी सेवाओं का उपयोग किया है। अब समय आ गया है कि उनकी सेवाओं को मान्यता दी जाए और अधिक एमपीएचए पद जोड़े जाएँ और उन लोगों के साथ न्याय किया जाए जो इस तरह की भर्ती परीक्षाओं में बैठने की पात्रता भी खो चुके हैं, एटक के राज्य उप महासचिव एम नरसिम्हा कहते हैं। जबकि कई सेवारत एमपीएचए जो आउटसोर्सिंग और अनुबंध के आधार पर हैं, आगामी भर्ती अभियान की तैयारी कर रहे हैं, ऐसे श्रमिकों का क्या होगा जो योग्य नहीं हैं। राज्य सरकार के पास आउटसोर्सिंग और अनुबंध श्रमिकों के लिए एक प्रणाली होनी चाहिए जो प्रवेश परीक्षा में सफल नहीं होते हैं। नरसिम्हा कहते हैं, ऐसे कार्यकर्ताओं को, जो ईमानदारी और शांति से जमीनी स्तर पर अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर रहे हैं, पुरस्कृत किया जाना चाहिए।

हरीश राव पर कथित फोन टैपिंग के लिए मामला दर्ज

हैदराबाद, 03 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि रियल एस्टेट व्यवसायी द्वारा आरोप लगाए जाने के बाद वरिष्ठ बीआरएस नेता और सिद्दीपेट विधायक टी. हरीश राव और अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। शिकायतकर्ता जी. चक्रधर गौड़, जिन्होंने सिद्दीपेट से बीएसपी के टिकट पर 2023 का विधानसभा चुनाव लड़ा था और हार गए थे, ने तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के भतीजे हरीश राव पर उनकी और उनके सहयोगियों और परिवार के सदस्यों की गतिविधियों पर नज़र रखने के लिए राज्य की खुफिया जानकारी का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया।शिकायत में गौड़ ने कहा कि चुनाव प्रचार के दौरान, जब उन्होंने बैठकों और रैलियों के लिए अपने कार्यकर्ताओं से संपर्क किया, तो उनमें से कई ने उन्हें बताया कि उन्हें धमकी भरे कॉल आए हैं, जिसमें उन्हें उनके कार्यक्रमों में शामिल न होने की चेतावनी दी गई है। उन्होंने कहा, इन व्यक्तियों ने यह भी बताया कि कॉल करने वाले को उनकी बातचीत और संपर्क विवरण के बारे में पता था, जिससे मुझे संदेह हुआ कि मेरा फोन टैप किया जा रहा है। पुलिस ने बताया कि शिकायत के आधार पर 01 दिसंबर को पंजागुट्टा पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया था, जिसमें हरीश राव, पूर्व पुलिस उपायुक्त पी. राधा किशन राव और अन्य पर आईपीसी और आईटी अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत आपराधिक साजिश, जबरन वसूली और सरकारी कर्मचारियों द्वारा आपराधिक विश्वासघात का आरोप लगाया गया था। जांच जारी है।शिकायतकर्ता ने यह भी संदेह जताया कि पूर्व मंत्री ने पुलिस अधिकारियों को अपनी गतिविधियों पर नज़र रखने के लिए प्रभावित किया। उन्होंने आरोप लगाया कि उनके और उनके सहयोगियों की निगरानी के संबंध में कई बार पुलिस विभाग को याचिकाएँ प्रस्तुत करने के बावजूद, पहले कोई कार्रवाई नहीं की गई थी।राधा किशन राव फोन टैपिंग के एक अन्य मामले में आरोपियों में से एक हैं, जो कथित तौर पर पिछली बीआरएस सरकार के दौरान हुआ था और वर्तमान में जेल में हैं।

बाजार में लॉरी के घुसने से तीन लोगों की मौत, मुख्यमंत्री ने शोक जताया

हैदराबाद, 03 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। शहर के बाहरी इलाके चेवल्ला मंडल (रंगा रेड्डी जिला) के अलुरु स्टेज में सोमवार को एक लॉरी के सड़क किनारे बाजार में घुसने से कम से कम तीन सब्जी विक्रेताओं की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए।पुलिस ने यहां बताया कि यह घटना तब हुई जब सीमेंट से लदी एक लॉरी ने सड़क किनारे बाजार में सब्जी बेच रहे सब्जी विक्रेताओं को कुचल

दिया।इस घटना में कई अन्य लोग भी घायल हो गए और सभी को स्थानीय क्षेत्र के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है जिसमें चेवल्ला मंडल में एक लॉरी ने सब्जी बेच रहे लोगों को कुचल दिया।मुख्यमंत्री ने मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को दुर्घटना में घायल हुए लोगों को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं प्रदान करने का निर्देश दिया।

टीटीडी अध्यक्ष ने तिरुमाला में दर्शन कतारों का किया औचक निरीक्षण

तिरुमाला, 03 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) के अध्यक्ष बी.आर. नायडू ने मंगलवार को यहां दर्शन कतारों का औचक निरीक्षण किया।श्री नायडू ने पहले एटीजीएच में सर्व दर्शन कतारों की जांच की और उसके बाद नारायणगिरी शेड पहुंचे।इसके बाद उन्होंने फुटपाथ हॉल (दिव्य दर्शन) का निरीक्षण किया और 300

रुपये के विशेष प्रवेश दर्शन कतार में टीटीडी द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं पर भक्तों की राय ली। निरीक्षण के दौरान कुछ भक्तों ने खुशी जताई कि लड्डू अब स्वादिष्ट हैं और अन्नप्रसाद की गुणवत्ता भी बढ़ गई है।

जबकि कुछ अन्य भक्तों ने अध्यक्ष से 300 रुपये के टिकट धारकों के लिए और अधिक त्वरित दर्शन की व्यवस्था करने को कहा।

अध्यक्ष ने कहा कि कतारों और दर्शन के समय जैसे मुद्दों पर अधिकारियों के साथ समीक्षा की जाएगी और उचित व्यवस्था की जाएगी। निरीक्षण में टीटीडी बोर्ड के सदस्य भानु प्रकाश रेड्डी और अन्य अधिकारियों ने भाग लिया।

तिरुमाला में स्थानीय निवासियों के लिए दर्शन टोकन शुरू

तिरुमाला, 03 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। पिछले महीने आयोजित पहली टीटीडी बोर्ड बैठक के दौरान लिए गए निर्णय के अनुसार, तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) के अध्यक्ष बीआर नायडू ने स्थानीय विधायक ए श्रीनिवासुलु के साथ सोमवार को बालाजी नगर के सामुदायिक भवन में तिरुमाला के स्थानीय लोगों को दर्शन टोकन जारी करना शुरू कर दिया है।निवासियों को कुछ टोकन जारी करने के बाद मीडियाकर्मियों से बात करते हुए बीआर नायडू ने कहा कि बोर्ड ने अपनी पहली बैठक में स्थानीय लोगों के लिए दर्शन बहाल करने का निर्णय लिया है, जिसे कुछ साल पहले समाप्त कर दिया गया था।उन्होंने कहा कि स्थानीय लोगों ने श्री वेंकटेश्वर के दर्शन का अवसर प्रदान करने पर बहुत खुशी व्यक्त की है।बाद में, अतिरिक्त कार्यकारी अधिकारी ने कहा कि टीटीडी अधिकारियों ने तिरुमाला, तिरुपति ग्रामीण और शहरी, रेनिगुंटा और चंद्रगिरी के स्थानीय लोगों के लिए दर्शन कोटा तय करने से पहले काफी अभ्यास किया है।उन्होंने कहा, हमने एसएसडी, एसईडी और समायोजित स्थानीय दर्शन कोटा सहित अन्य सभी कोटा को कम नहीं किया है, बल्कि संतुलित किया है। टीटीडी ट्रस्ट बोर्ड के सदस्य संथाराम, मुख्य सतर्कता और सुरक्षा अधिकारी श्रीधर और अन्य भी मौजूद थे।

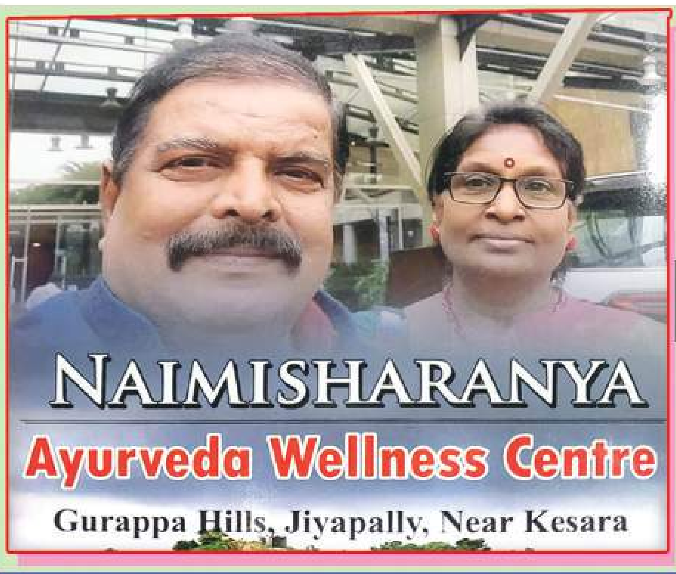

आरोग्यवेदम आयुर्वेदम

टूट गई रीढ़ की हड्डी जुड़ गई

अपने पति के खेत के कार्यों में किसी भी प्रकार की सहायता नहीं करने के कारण उसे गुस्सा आ गया। तीनों समय पेटभर भोजन करते हो। थोड़ा सा काम में सहायता नहीं करेंगे क्या? कहते हुए उसने अपने पति पर रोष जताया। यह सुनकर उसके पति को गुस्सा आ गया। उसने कुछ भी सोचे-समझे बगैर मोटी लकड़ी से उसकी पिटाई कर दी। तब वह बेहोश होकर गिर गई। उसके बाद चेन्नई के अपोलो अस्पताल विजया को ले जाया गया। चिकित्सकों ने बताया कि अब लाने का कोई लाभ नहीं है। इसके बावजूद सभी प्रकार के टेस्ट करवाए गए। वहाँ से उसे लेकर सीएमसी रॉय वेल्लूर ले जाया गया। वहाँ पर भी चिकित्सा नहीं कर पाने की बात बताई गई। वहाँ से विजयवाड़ा के सभी अस्पतालों को घुमाया गया। किसी भी अस्पताल ने उसकी चिकित्सा करने पर असहायता जताई। ऐसी स्थिति में वह केवल पलंग पर ही सीमित रह गई, तब रिश्तेदारों की सलाह के अनुसार उसके परिजनों ने उसकी वीडियो क्लीपिंग के साथ रिपोर्ट लेकर गुरु आयुर्केयर ले जाकर उसे दिखाया।

उसका नाम विजया है। आयु 65 वर्ष पेशे से कृषक है। जब उसे आयुर्केयर लाया गया, तब वह पलंग पर बेहोश पड़ी हुई थी। मूत्र तथा मल विसर्जन उसके नियंत्रण में नहीं थे। दोनों पैर ऊपर नहीं उठा पा रही थी। वह चलने की हालत में नहीं थी। पैरों में स्पर्श काफी कमजोर था।

उसकी एमआरआई रिपोर्ट के अनुसार, डी-11, डी-12 कम्प्रेसिव फ्रैक्चर हो गया था। इसके अलावा वेडबी कम्प्रेशन डिस्क कमर के क्षेत्र से लेकर एल 4 से एल 5 तक रीढ़ के क्षेत्र में परतों पर दबाव डाला। इस विशेष परिस्थिति को केनाल स्टेनोसिस कहा जाता है। गर्दन के क्षेत्र में भी सी 3 से सी 7 तक डिस्क फिसल कर रीढ़ पर दबाव डाल रहे थे। इस विशेष परिस्थिति को सर्वाइकल कार्डस कम्प्रेशन कहा जाता है। सभी विषयों की जाँच करने के बाद पाया गया कि वह अभिगाता जबाता रोग से पीड़ित है। इसे अंग्रेजी में कम्प्रेसिव फ्रैक्चर लम्बार केनाल्स स्टेनोसिस के साथ तथा सर्वाइकल कम्प्रेशन रोग निर्धारित किया गया। उसे आस्टियोपोरोसिस रोग के कारण हड्डियों में किसी भी प्रकार की पकड़ नहीं है। तब हड्डियों का जुड़ना कठिन माना गया।

तत्पश्चात चिकित्सा के अंतर्गत शोधहरा, वौदना स्थापना, अस्थि संघों, हस्ती पोषण जैसी औषधियों के साथ-साथ नरवाइन स्टेमिलेंट जैसी औषधियाँ चिकित्सा में अंतरभागीय औषधियों के रूप में दी गई।

प्रथम दो सप्ताह में मिले परिणामों के तहत पैरों में स्पर्श आना आरंभ हो गया। पैरों की उंगलियाँ हिलना-डुलना आरंभ कर दी। शरीर पर स्पर्श का पता चलने जैसे परिणाम मिले। छह सप्ताह के बाद मल विसर्जन पर कुछ हद तक नियंत्रण आ गया। वाकर की सहायता से खड़े रहना संभव हुआ। रोगी के मन में आत्मविश्वास आरंभ हो गया।

3 महीने के बाद : अब वाकर की सहायता के बगैर अपने कार्य स्वयं करते हुए स्वयं बैलेंस बनाकर चबूतरे पर बैठने में सफल हुई है। मल मूत्र पर नियंत्रण आ गया।

एक वर्ष के बाद : अब वह अन्य सामान्य महिलाओं की तरह बेहतर तरीके से बैठ कर कपड़े धोने में लगी हुई है। देखने वालों को आश्चर्य हो रहा है कि वे सच देख रहे हैं या सपना।

हनमकोंडा में कार में बैंक कर्मचारी की हत्या

वारंगल, 03 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंगलवार सुबह रंगमपेट इलाके के पास खड़ी कार की पिछली सीट पर एक व्यक्ति का शव मिला। रिपोर्ट के अनुसार, स्थानीय लोगों ने कार खड़ी देखी और खिड़की से देखा तो पिछली सीट पर रस्सी से बंधा एक व्यक्ति का शव पड़ा था। उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने कार की जांच की तो उसमें से ड्राइविंग लाइसेंस मिला और उसकी पहचान राजमोहन के रूप में हुई, जो हनमकोंडा में काकतीय ग्रामीण बैंक में काम करता था। पुलिस का मानना है कि राजमोहन की हत्या शहर के बाहरी इलाके में की गई होगी और बाद में शव को रंगमपेट में उसकी कार में फेंक दिया गया होगा।

स्थानीय लोगों ने पुलिस को बताया कि एक व्यक्ति ने सुबह करीब 3 बजे कार खड़ी की और चला गया। पुलिस कार छोड़कर भागने वाले व्यक्ति की पहचान करने के लिए इलाके के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच कर रही है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.